सुविचार
सीखे गए को भूल जाने पर जो कुछ बच रहा है, वही शिक्षा है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 25 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 09 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

दीपिका पादुकोण के हाथ लगा हॉलीवुड...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,060.31
निफ्टी	:	21,453.95

SARAFA

सोना	:	5,940
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

राम मंदिर में स्थापित होंगी रामलला की दो और प्रतिमाएं, सामने आई तस्वीरें

पहली श्यामल रंग, दूसरी सफेद संगमरमर की, भगवान के बाल स्वरूप को तीनों में ही दशार्या

AGENCY AYODHYA : अयोध्या के राम मंदिर में बालक राम यानी रामलला विराजमान हो चुके हैं। इस बीच राम मंदिर के लिए बनाई गई दूसरी और तीसरी मूर्ति भी सामने आई है। दूसरी मूर्ति सफेद मकराना संगमरमर से बनी है, जबकि तीसरी मूर्ति भी रामलला की प्रतिमा के रंग यानी श्यामल रंग की है। तीनों की लंबाई 51-51 इंच की है। तीनों प्रतिमाओं में कमल आसन पर भगवान को विराजित दिखाया है। भगवान के 5 साल के बाल स्वरूप को तीनों में ही दशार्या गया है। रामलला के अलावा भगवान राम की दोनों प्रतिमाओं को राम मंदिर के अलग-अलग फ्लोर पर स्थापित किया जाना है। दरअसल, ट्रस्ट ने मंदिर के लिए भगवान राम की 3 मूर्तियां तैयार बनवाई थीं।

कर्नाटक के पत्थर से बनी इस मूर्ति को कर्नाटक के मूर्तिकार योगीराज ने बनाई है। इसे गर्भगृह में विराजित किया गया है।

यह मूर्ति भी कर्नाटक के श्यामल रंग के पत्थर से बनी है। इसे मूर्तिकार गणेश भट्ट ने बनाया है।

यह मूर्ति मकराना के सफेद संगमरमर से बनाई गई है। इसे राजस्थान के मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय ने बनाया है।

अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए दूसरे दिन भी उमड़ा आस्था का सागर

AGENCY AYODHYA : अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बुधवार को दूसरा दिन था। रामलला के दर्शन को दूसरे दिन भी आस्था का जनसलाब उमड़ पड़ा। प्रमुख सचिव संजय प्रसाद स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार खुद मंदिर में हैं। वह भक्तों के दर्शन की व्यवस्थाएं देख रहे हैं। आरएएफ के जवान मंदिर के बाहर लगे हुए हैं। अनाउंसमेंट करके भक्तों की भीड़ को मैनेज किया जा रहा है। मंगलवार को भक्तों की भारी भीड़ बेकाबू होने से अव्यवस्था हुई थी। सीएम योगी ने भी

अयोध्या में दर्शन के इंतजाम की समीक्षा की। उन्होंने वीवीआईपी से अपील करते हुए कहा कि अयोध्या आने से एक सप्ताह पहले राज्य सरकार, मंदिर ट्रस्ट और स्थानीय प्रशासन को बताएं, तो अच्छा रहेगा।

BRIEF NEWS

असम के जमीन पर कब्जा करते हैं : राहुल गांधी

BARPETTA : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री एक तरफ नफरत फैलाते हैं और दूसरी ओर जमीन पर कब्जा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुबह उठते ही नफरत फैलाते हैं और जब तक जनता इधर-उधर देखती है, उसके जेब से रुपये निकाल लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान बुधवार को राज्य के बरपेटा में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश के सबसे भ्रष्ट असम के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि आप मुंह में पान खाओ तो सुपारी का व्यापार मुख्यमंत्री का है। हर कदम पर जनता की जेब से पैसे निकल रहे हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री पर कई गंभी आरोप भी लगाए।

रूसी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त 65 यूक्रेनी युद्धबंदियों की मौत

NEW DELHI : रूस का एक सैन्य विमान बुधवार को यूक्रेन की सीमा के नजदीक बेलगोरोड इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें 65 यूक्रेनियाई युद्धबंदी, चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि विमान हादसे में सभी लोगों की मौत हो गई है। विमान दुर्घटना के बारे में अबतक स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है कि आखिर दुर्घटना कैसे और क्यों हुई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं और एक विशेष सैन्य आयोग दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हुआ है। इससे पहले बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि एक बड़े रूसी मिसाइल हमले में 18 लोग मारे गए और 130 अन्य घायल हुए हैं। उनका दावा है कि इस हमले को यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को प्रभावित करने के लिए अंजाम दिया गया।

शीत लहर की चपेट में झारखंड समेत 7 राज्य

NEW DELHI : उत्तर भारत के राज्यों में कड़ाके की ठंड कम नहीं हो रही है। सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन लगातार बनी हुई है। मौसम विभाग ने झारखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल और उत्तराखंड में ग्राउंड फ्रॉस्ट कंडीशन की संभावना जताई गई है। इसका मतलब इन राज्यों में बर्फ की परत देखने को मिल सकती है। यूपी के मेरठ में तापमान 1.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा दिल्ली, बिहार और मध्य प्रदेश में सीवियर कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। पटना में ठंड को देखते हुए आठवीं तक के स्कूलों की 25 जनवरी तक छुट्टी घोषित कर दी गई है।

हेमंत सोरेन कैबिनेट में 25 एजेंडों पर लगी मुहर

जेपीएससी में अभ्यर्थियों को मिलेगी 7 साल की छूट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) की अगली परीक्षा में अभ्यर्थियों को सात साल की छूट मिलेगी। बताया गया कि झारखंड लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित की जानेवाली आगामी संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा, 2023 के लिए अधिकतम एवं न्यूनतम आयु सीमा की गणना के लिए कट-ऑफ डेट के निर्धारण की स्वीकृति दी गई। इसकी कटऑफ डेट 1 अगस्त 2017 होगी। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग की महिलाओं को 50 साल की उम्र में ही पेंशन मिलने लगेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने 25 प्रस्तावों पर मुहर लगाई, जिसमें 140 मध्य विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालय में अपग्रेड करने, गर्भवती महिलाओं को मातृ किट देने का भी फैसला हुआ। इसका लाभ राज्य की छह लाख महिलाओं को मिलेगा।

धनबाद में कांको से गोल बिल्डिंग तक फोरलेन सड़क का होगा निर्माण

कैबिनेट ने झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार के माध्यम से विश्व बैंक संपोषित कांको-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग वाया मेमको चौक पथ (कुल लंबाई-20.00 किमी) के फोरलेन सड़क की मंजूरी दी है। इसमें सर्विस लेन सहित विकास (साइकिल ट्रैक सहित सौंदर्यीकरण) कार्य के लिए 4,61,90,19,200 की संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी।

- हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक
- राज्यकर्मियों को अब 60 लाख रुपसे तक का मिलेगा होम लोन
- छह लाख गर्भवती महिलाओं को मातृ किट देने का भी फैसला

कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते सीएम हेमंत सोरेन।

सरकार का हर कैबिनेट महत्वपूर्ण रहा है : हेमंत

कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, झारखंड सरकार का हर कैबिनेट महत्वपूर्ण रहा है। अजीम प्रेमजी के साथ हमारा इकरार नामा हुआ है। स्कूल, मेडिकल कॉलेज सामाजिक शैक्षणिक और आर्थिक तौर पर रिसर्च सेंटर भी बहाल होंगे। हमने इसकी आधार शिला रखी। अजीम प्रेमजी भी हमारे साथ ऑनलाइन जुड़े। झारखंड गरीब राज्य है, यहां के लोग यहां की खनिज संपदाओं को लेकर खनन कंपनी और दूसरे मालामाल हो जाते हैं, लेकिन यहां के लोग फटे हाल और गरीब ही रहते हैं। सामाजिक आर्थिक विकास के जो रास्ते हैं।आपको पता है कि झारखंड की स्थिति क्या है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, राज्य के बच्चे बड़े सपने देखें।

पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

राज्य में पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई। गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद को पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होगा। श्री प्रसाद अब तक राज्य समन्वय समिति के सदस्य थे। इस पद से उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। इतना ही नहीं, तत्कालीन राष्ट्रीय बचत निदेशालय के अधीन वित्त विभाग में अनियमित रूप से नियुक्त एवं कार्यरत छह कर्मियों के सेवा को नियमित करने की स्वीकृति कैबिनेट ने प्रदान कर दी। राज्य के समेकित बाल विकास परियोजना कर्मियों को वेतनादि/संविदा भत्ता भुगतान शत-प्रतिशत राज्य मद से राज्य योजना अंतर्गत संचालित आईसीडीएस कर्मियों के वेतन व अन्य भुगतान के लिए योजना अधीन करने की स्वीकृति दी गई।

एसटी-एससी समुदाय को सर्वजन पेंशन का लाभ 50 साल में

कैबिनेट ने 50 साल तक की आयु वाले एससी-एसटी समुदाय के महिला-पुरुषों को सर्वजन पेंशन योजना का लाभ देने का फैसला लिया है। पूर्व में वृद्धा पेंशन 60 वर्ष की आयु के बाद मिलती थी। पर अब 50 वर्ष की आयु के बाद ही पेंशन मिलने लगेगी। इस योजना से 18 लाख लाभुकों को लाभ मिलेगा। कैबिनेट द्वारा 140 मध्य विद्यालय को हाइस्कूल में अपग्रेड करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गयी है। कैबिनेट द्वारा गर्भवती महिलाओं को मातृत्व किट देने के प्रस्ताव पर मंजूरी दी गयी है। गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क किट उपलब्ध कराया जायेगा, जिसमें 14 प्रकार की सामग्री होगी। एक किट की लागत 1500 रुपये की होगी। इससे छह लाख गर्भवती महिलाएं लाभान्वित होंगी। कैबिनेट द्वारा कृषकों, महिला सहायता समूहों के लिए मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना शुरू की जायेगी। इसके लिए 80 करोड़ की मंजूरी दी गयी।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- पीएम सड़क योजना के तहत 19 पथ 12 पुल के लिए 208 करोड़ की मंजूरी
- एमआइएस के संविदा आधारित कार्य के लिए एक पद सृजित
- झारखंड जमाकर्ता अधिकार अधिनियम के संरक्षण को मंजूरी
- सीआईडी से जुड़े केस, अनुसंधान के लिए एडिशनल जस्टिस कोर्ट का गठन हुआ
- हाटगम्हरिया पथ के लिए 67 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति
- शीतकालीन सत्र के सत्रावसान को घटनोत्तर मंजूरी
- वीमेंस हॉकी में हुए खर्च को घटनोत्तर स्वीकृति

झारखंड हाईकोर्ट की टिप्पणी- बुजुर्ग सास की सेवा करना बहू का कर्तव्य

पति पर मां से अलग रहने का दबाव नहीं बना सकती पत्नी

SPECIAL REPORTER RANCHI : बुजुर्ग सास की सेवा करना बहू का कर्तव्य है, वह अपने पति से अपनी मां को छोड़कर अलग रहने के लिए नहीं कह सकती। झारखंड हाईकोर्ट की इस टिप्पणी की खूब चर्चा है। हाईकोर्ट ने रुद्र नारायण राय बनाम पियाली राय चटर्जी केस में सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सुभाष चंद ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, पति की मां और नानी की सेवा करना अनिवार्य है। पत्नी को अलग रहने की जिद नहीं करनी चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 51ए का हवा देते हुए कहा, भारत के संविधान में अनुच्छेद 51-ए के तहत, एक नागरिक के मौलिक कर्तव्य बताया। इसके साथ ही जज ने संस्कृति और विरासत से भी जोड़ते हुए यह बात रखी। पत्नी का बूढ़ी सास या दादी सास की सेवा करना भारत की संस्कृति है।

- पत्नी का बूढ़ी सास या दादी सास की सेवा करना भारत की संस्कृति है
- पत्नी का बूढ़ी सास या दादी सास की सेवा करना भारत की संस्कृति है

हाईकोर्ट ने दिया धर्म शास्त्रों का हवाला

जज ने कहा कि महिला को पति पर अपनी मां को छोड़ने के लिए दबाव नहीं डालना चाहिए। अपने फैसले में, न्यायालय ने परिवार में महिलाओं के महत्व पर जोर देने के लिए हिंदू धार्मिक ग्रंथों का भी उदाहरण दिया। यजुर्वेद के श्लोक का भी जिक्र किया,"हे महिला, तुम चुनौतियों से हारने के लायक नहीं हो। तुम सबसे शक्तिशाली चुनौती को हरा सकती हो। दुश्मनों और उनकी सेनाओं को हराओ, तुम्हारी वीरता हजार है। मनु स्मृति के श्लोकों का हवाला देते हुए कहा - जहां परिवार की महिलाएं दुखी होती हैं, वह परिवार जल्द ही नष्ट हो जाता है, लेकिन जहां महिलाएं संतुष्ट रहती हैं, वह परिवार हमेशा फलता-फूलता है। बिना किसी ठोस वजह के अगर पत्नी अलग रहना चाहती है तो गुजरा भत्ता देने से इनकार किया जा सकता है।

ममता की कार जीटी रोड पर दुर्घटनाग्रस्त, सिर व पैर में लगी चोट

KOLKATA : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चोटिल हो गई हैं। बर्दवान से कोलकाता लौटते समय खराब मौसम की वजह से यह दुर्घटना हुई है। ममता बनर्जी के सिर में चोट आई है। ममता बनर्जी बर्दवान से हेलीकॉप्टर की बजाय कार से कोलकाता लौट रहीं थीं। रास्ते में उनके काफिले के सामने अन्य कार आ गई, जिसकी वजह से ड्राइवर को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। फलस्वरूप ममता बनर्जी के सिर में चोट लग गई। उन्हें तत्काल कोलकाता रवाना कर दिया गया। मुख्यमंत्री के पूर्व बर्दवान जिला प्रशासनिक सभा मंच से कार्यक्रम खत्म करके वहां से जीटी रोड पर जाने के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चोट लगी। सिर और पैर में चोट लगने की खबर है। हालांकि, चोट गंभीर नहीं है। मुख्यमंत्री चोट की परवाह किए बिना सीधे नबन्ना चली गई।

सीएम ने रखी अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की नींव

150 एकड़ भूमि पर होगा ₹5000 करोड़ का निवेश

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन ने इटकी टीबी सेनेटोरियम मैदान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज और स्कूल की नींव रखी। उन्होंने कहा कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन एक विश्वसनीय संस्थान है। फाउंडेशन इटकी में विश्व स्तरीय यूनिवर्सिटी, 500 बेड का मेडिकल कॉलेज और उच्च स्तरीय स्कूल का निर्माण करेगा। 150 एकड़ भूमि पर डेवलप होने वाले इन प्रोजेक्ट में संस्थान 5 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। सीएम ने कहा आने वाले समय में इटकी का देश में अलग पहचान होगा। 2026 तक अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और स्कूल में पढ़ाई शुरू होगी। कमजोर से कमजोर परिवार तक फाउंडेशन की सहायता पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

- अजीम प्रेमजी मेडिकल कॉलेज और स्कूल निर्माण कार्य का भी शुभारंभ
- अजीम प्रेमजी फाउंडेशन व्यापार नहीं बल्कि सामाजिक सरोकार से जाना जाता है
- राज्य वासियों को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से मजबूत करना लक्ष्य
- अजीम प्रेमजी का यह प्रोजेक्ट राज्य के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा
- कोरोना काल में संवेदनशील रही सरकार

डीआरडीओ की झांकी भूमि, वायु, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष और महिला शक्ति पर आधारित

कर्तव्य पथ पर डीआरडीओ दिखाएगा 'नारी शक्ति' की झांकी

AGENCY NEW DELHI : गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) नारी शक्ति और महत्वपूर्ण प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगा। इस बार डीआरडीओ की झांकी भूमि, वायु, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष जैसे सभी 5 आयामों में रक्षा कवच प्रदान करके राष्ट्र की रक्षा करने में महिला शक्ति पर आधारित है। देश की तीनों सेनाओं को 'आत्मनिर्भर' बनाने में डीआरडीओ की महिला वैज्ञानिकों का भी बहुमूल्य योगदान रहा है। झांकी में रक्षा अनुसंधान एवं विकास में महिलाओं की भागीदारी को प्रमुखता से उजागर किया जाएगा। उत्कृष्ट वैज्ञानिक सुनीता देवी जेना आकस्मिक कमांडर होंगी। झांकी में मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा एंटी सैटेलाइट मिसाइल और सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5, बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली, नौसेना एंटी-शिप मिसाइल शॉर्ट रेंज, एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल 'हेलिना', त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (क्यूआरएसएएम) एस्ट्रा, हल्का लड़ाकू विमान 'तेजस', 'उत्तम' सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक स्कैन्ड ऐरे राडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'शक्ति', साइबर सुरक्षा प्रणाली, कमांड कंट्रोल सिस्टम और सेमी कंडक्टर फैब्रिकेशन सुविधा का प्रदर्शन किया जाएगा। मिशन शक्ति में इस्तेमाल की गई एंटी-सैटेलाइट मिसाइल देश की एंटी-सैटेलाइट तकनीक और सटीक स्ट्राइक क्षमता का प्रदर्शन करने में बड़ी सफलता थी। भारत ऐसी विशिष्ट और आधुनिक क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश है। अग्नि-5 सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो उच्च स्तर की सटीकता के साथ लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है।

इधर, रांची में भी खास होगी इस बार की झांकी

रांची में गणतंत्र दिवस की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई। मोरहाबादी मैदान में विशेष परेड में 16 प्लाटून और 4 बैंड ले रहे हैं हिस्सा ले रहे हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर दस विभागों की खास झांकी निकलेगी। इनमें राज्य के विकास की झलक दिखेगी। पिछले चार सालों में विभिन्न योजनाएं कैसे लोगों तक पहुंची है इसकी भी जानकारी होगी। कब क्या होगा इसे लेकर बुधवार को रियल टाइम रिर्हसल हुआ है। फुल ड्रेस रिर्हसल के दौरान गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को रियल टाइम बेसिस पर दोहराया गया है। आला अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल का मुआयना कर तैयारियों का जायजा भी लिया गया। पूरे कार्यक्रम को खत्म होने में कितना समय लग रहा है इसकी भी चर्चा हुई।

'जेनरेशन जेड' में 1996 से 2010 के बीच पैदा हुए युवा शामिल

भारत की 'अमृत पीढ़ी' देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी : प्रधानमंत्री

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 'जेनरेशन जेड' को 'अमृत पीढ़ी' की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत की 'अमृत पीढ़ी' देश को अमृतकाल में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' आपका गाइडिंग प्रिंसिपल होना चाहिए। 'जेनरेशन जेड' में 1996 से 2010 के बीच पैदा हुए युवा शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) वॉलंटियर्स को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने युवाओं को जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए उसे मोटिवेशन का मंत्र बनाने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आपकी पीढ़ी' को आपके शब्दों में 'जेनरेशन जेड' कहा जाता है। लेकिन, मैं आपको 'अमृत पीढी' मानता हूं। आप वो लोग हैं, जिनकी ऊर्जा अमृत काल में देश को गति देगी। जो करना है वो देश के लिए करना है। राष्ट्र प्रथम-आपका गाइडिंग प्रिंसिपल होना चाहिए। अपने जीवन में कभी भी विफलता से परेशान नहीं होना है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आप सभी जानते हैं कि भारत ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है।

- युवाओं को जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए उसे मोटिवेशन का मंत्र बनाने की सलाह दी
- आपकी ऊर्जा अमृत काल में देश को गति देगी

रंगबिरंगे फूलों की घाटी

मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

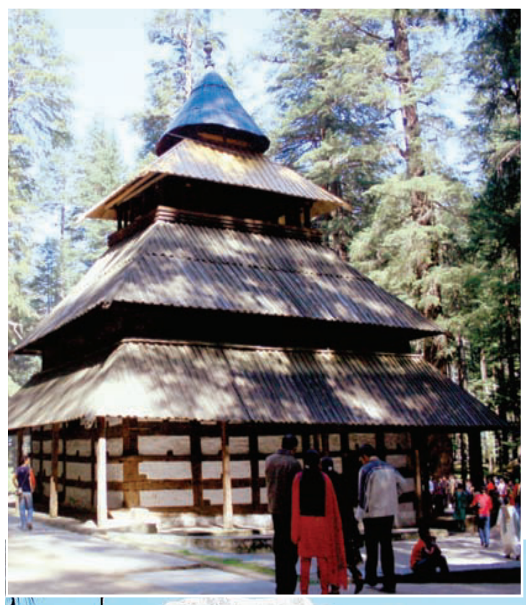

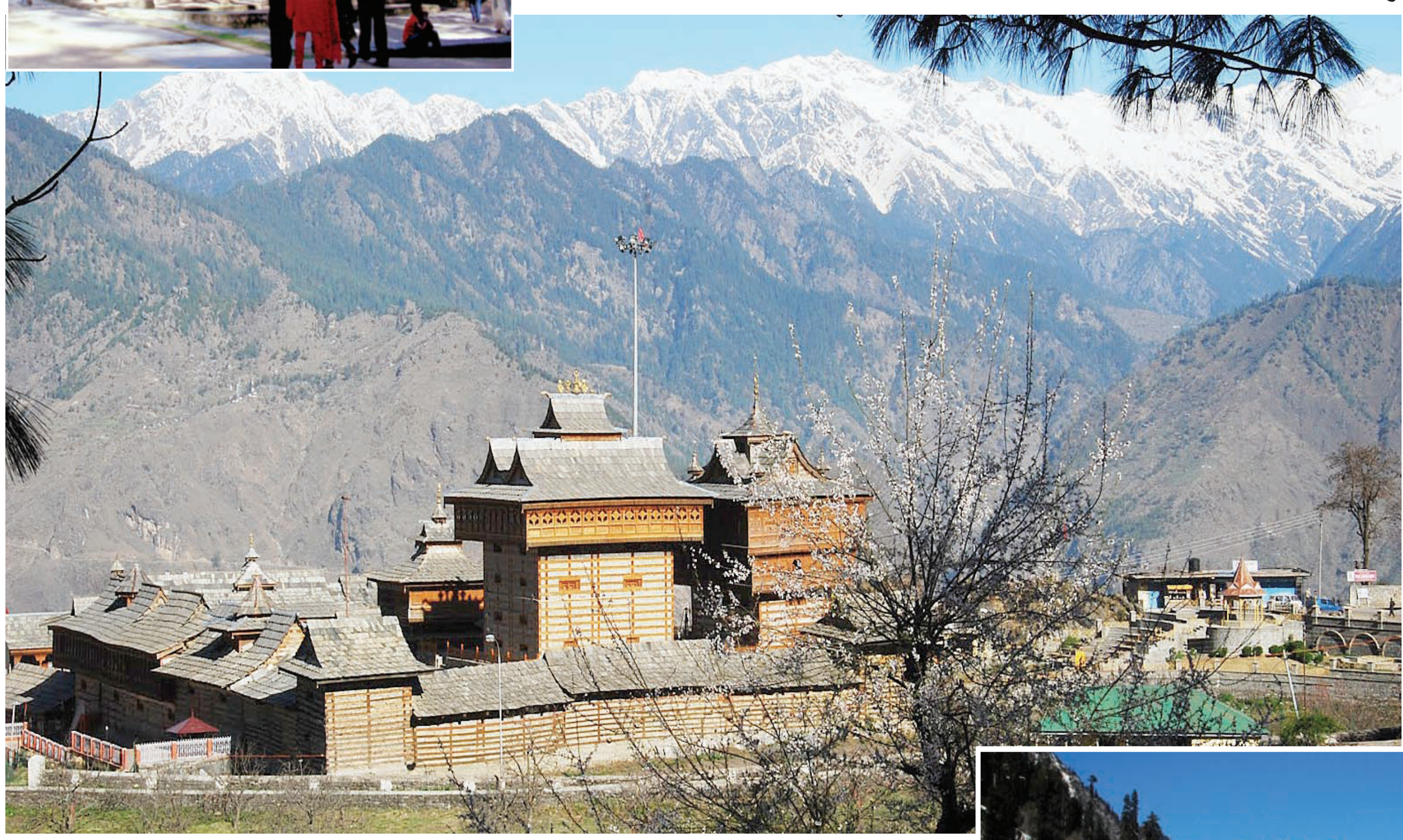

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेंगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

अब तक क्यों नहीं शुरू हुई असिस्टेंट टाउन प्लानर नियुक्ति प्रक्रिया : हाईकोर्ट

कोर्ट ने पूछा कारण, जेपीएससी को 15 फरवरी तक जवाब दाखिल करने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने जेपीएससी से पूछा है कि असिस्टेंट टाउन प्लानर नियुक्ति प्रक्रिया में अब तक क्या कार्यवाही हुई। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं होने के पीछे की वजह पूछी। अदालत ने इन बिंदुओं पर जेपीएससी को 15 फरवरी तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में विवेक भूइयां की ओर से अवमानना याचिका दाखिल की गयी है। जिसपर हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता सोनम ने बहस की।

दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल 17 सितंबर को टाउन प्लानर की नियुक्ति मामले में आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने आदेश पारित किया था कि वैसे अभ्यर्थी जिनका सर्टिफिकेट आईटीपीआई (इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर ऑफ इंडिया) से 26/8/2020 के बाद जारी हुआ है, उन्हें जेपीएससी नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर करें। वहीं जिनका सर्टिफिकेट 10/8/2020 का है, उनका रिजल्ट जारी किया जाये। लेकिन आदेश के बाद भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। जिसके बाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गयी है।

■ आदेश के बाद भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, अवमानना याचिका दाखिल

राकेश चौधरी, वीरेंद्र राम व रास बिहारी सिंह के खिलाफ दायर पीआईएल खारिज

RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के ओएसडी (विशेष कार्य पदाधिकारी) राकेश चौधरी, ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम और पथ निर्माण विभाग के निलंबित अभियंता प्रमुख रास बिहारी सिंह के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इस मामले में ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग और एसीबी की ओर से दिए गए जवाब से संतुष्ट होकर अदालत ने यह जनहित याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता 1 दर्शना पोद्दार मिश्रा ने बहस की। इस संबंध में आरटीआई कार्यकर्ता पंकज यादव ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। बता दें कि वर्ष 2019 में आयकर विभाग ने जमशेदपुर के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित दोराबजी ऑटो प्राइवेट, परसुडीह और सुंदर नगर स्थित पहाड़ी इंजीनियरिंग मुंशी मोहल्ला के आवास समेत छह स्थानों पर छापेमारी की थी। जहां आयकर विभाग को निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के करीबी सुरेश प्रसाद वर्मा के आवास से ढाई करोड़ कैश, भारी मात्रा में बेनामी संपत्ति के कागजात,सोने के आभूषण निवेश के कागजात समेत टैक्स चोरी से संबंधित दस्तावेज मिले थे।

छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुप्रीम कोर्ट का ईडी को नोटिस

RANCHI : लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब शीर्ष अदालत 23 फरवरी को उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की कोर्ट में छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई हुई। छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की। छवि रंजन ने जिस केस में डिफॉल्ट बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, वह चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में ईडीने ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है। छवि रंजन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और उन्हें डिफॉल्ट बेल देने से रांची ईडी की स्पेशल कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट इंकार कर चुका है।

आईएएस मंजूनाथ के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को सांसद निशिकांत दुबे को प्लेन से दिल्ली जाने के दौरान देवघर में रोक जाने के खिलाफ दिल्ली में दर्ज जीरो एफआईआर को निरस्त करने के लिए देवघर के तत्कालीन उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री (वर्तमान में उपायुक्त जमशेदपुर) की याचिका की आंशिक सुनवाई की। जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट ने याचिकाकर्ता मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ अगले आदेश तक पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। पूर्व की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया था कि दिल्ली में दर्ज कराया गया जीरो एफआईआर झारखंड पुलिस को सौंप दिया गया है। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि 31 अगस्त, 2022 को शाम में जब वह प्लेन से दिल्ली जा रहे थे तो तत्कालीन देवघर उपायुक्त मंजूनाथ के कहने पर सुरक्षाकर्मियों ने देवघर एयरपोर्ट पर उन्हें रोका और जान से मारने की धमकी भी दी। उनके सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनके खिलाफ लगाये गये सारे आरोप निराधार हैं। इसलिए इससे संबंधित जीरो एफआईआर को रद्द किया जाये।

कांग्रेस भवन में याद किए गए स्वार्गीय अब्दुल रज्जाक अंसारी

मरणोपरांत झारखंड रत्न से नवाजने की मांग

जयंती पर श्रद्धांलति अर्पित करते झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में 24 जनवरी 2024 को कांग्रेस भवन में कांग्रेस के सीनियर लीडर मंजूर अहमद अंसारी की अध्यक्षता में स्वर्गीय हाजी अब्दुल रज्जाक अंसारी की 107 वी जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता खुर्शीद हसन रूमी ने कार्यक्रम का इंट्रो करवाते हुए कहां के स्वर्गीय अब्दुल रज्जाक अंसारी का जीवन संघर्षों से भरा है। उन्होंने अपनी जिंदगी में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का सपना देखा था। उस सपने को उनके पुत्रों ने इरबा को मेडिकल हब और एजुकेशन हब बनाकर उनके सपनों को साकार किया। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में पावर लूम व्यवसाय कर मोमिन बिरादरी को रोजगार से जोड़ा। श्री रूमी ने झारखंड सरकार से मांग किया के स्वर्गीय अब्दुल रज्जाक अंसारी को मरणोपरांत झारखंड रत्न से नवाजा जाए। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए मंजूर अहमद अंसारी ने कहा के हम लोग अपने पिता के सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनका मानना था कि समाज के सभी तबकों में शिक्षा की रोशनी फैलाई जाए। और शिक्षा से समाज के नौजवानों को मुख्य धारा से जोड़ा जाए। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री को उर्दू के 7232 पद सृजित कर मंजूरी देने पर बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी सीनियर कांग्रेसी लीडर रौशन लाल भाटिया ने कहा की अब्दुल रज्जाक अंसारी आर्थिक बड़ा काम किया।

मदीना ट्रेवल्स ने 45 जायरीन का जत्था उमराह के लिए किया रवाना

10 को 90 लोगों का जत्था उमराह पर जाएगा

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लोगों को उमराह के लिए रवाना करते एजेंसी के सदस्य।

PHOTON NEWS RANCHI : मदीना ट्रेवल्स झारखंड, बिहार, बंगाल, का सबसे उभरता हज उमराह ट्रैवल एजेंसी है। बुधवार को रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 45 जायरीन उमराह के लिए रवाना हुए। उक्त बातें मदीना ट्रेवल्स के निदेशक मौलाना इलियास मजाहिरी ने कही। उन्होंने कहा कि 10 फरवरी को 90 लोगों का जत्था जाएगा। जल्द ही रमजान उमराह पैकेज की घोषणा कर दी जाएगी, जो दूसरे ट्रैवल से कम होगा। फातिमा गर्ल्स एकेडमी इटकी के निदेशक नसीम अनवर नदवी ने कहा कि मदीना ट्रेवल्स पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। यह ट्रेवल्स लोगों की अच्छी खिदमत करते हैं। मौलाना इलियास मजाहिरी और मौलाना जौहर खुद अपने साथ सारे जायरीन को लेकर जाते हैं। मौलाना जौहर ने कहा कि अब तक जितने भी हाजी उमराह पर गए हैं सभी ने मदीना ट्रैवल्स की खिदमत को साराहा है। सभी जायरीन का होटल, मक्का और मदीना दोनों में ही 650 से 300 मीटर की दूरी पर ठहराया गया, जिससे कि जायरीन को इबादत करने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि हमारे यहां प्रत्येक जयारीन को पैकेज में एयरलाइंस की टिकट ,वीजा इंश्योरेंस के साथ, ट्रांसपोर्ट, नाश्ता दिन और रात का खाना , लॉन्ड्री की सुविधा मक्का और मदीना दोनों जगह, सारे प्रमुख स्थलों की जियारत ऐसी बस में एक दिन मक्का और एक दिन मदीना का जियारत कराया जायेगा। इसके अलावा खास मुकाम का भी जियारत मक्का और मदीना में कराया जायेगा।

सिटी एसपी राजकुमार मेहता को ट्रैफिक एसपी का अतिरिक्त प्रभार

RANCHI : रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता को ट्रैफिक एसपी का अतिरिक्त प्रभार मिला है। अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद सिटी एसपी ने बुधवार को कहा कि मेन रोड, रातू रोड, कांटाटोली, लालपुर और आसपास के इलाकों में फुटपाथ पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों को पूर्व में फुटपाथ पर दुकान ना लगाने को लेकर सूचित किया गया था यदि वो फिर भी वहां दुकान लगा रहे हैं तो सावधान हो जायें। उन्होंने कहा कि इन दुकानदारों को चिह्नित कर एफआईआर दर्ज की जायेगी। राजकुमार मेहता ने बिना परमिट ऑटो चलाने वालों को भी ऑटो चलाने से मना किया है।

उर्दू के 7232 सहायक आचार्य पद सृजन कर प्रस्ताव की मंजूरी पर मुख्यमंत्री को दी बधाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य के गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा राज्य के प्राथमिक विद्यालय में उर्दू के लिए 7232 सहायक आचार्य का पद सृजन कर प्रस्ताव की मंजूरी दी। जिसका पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, मंजूर अहमद अंसारी, गुलफाम मुजिबि, खुर्शीद हसन रूमी ने इस्तकबाल किया है। और उम्मीद जाहिर किया के जो पद सृजित की गई है और जिसकी मंजूरी दी गई है उस पर बहाली की प्रक्रिया शुरू करेंगे। ताकि जो पद प्रत्यारपित किया गया है उसका लाभ उर्दू भाषियों को मिल सके। कुछ लोगों को भ्रम है के 3712 जो पद बाइक लॉग का था। प्रतियार्पित कर सहायक आचार्य सम्माहित कर दिया गया है और स्केल में बदलाव किया गया है, आने वाले दिनों में जब बहाली हो जाएगी और तनख्वाह मिलने लगेगी तब यह पे स्केल भी एक रिट से ठीक हो जाएगा। ज्ञात होके फुरकान अंसारी, मंसूर अहमद अंसारी, खुर्शीद हसन रूमी ने मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री हाफिजुल हसन के साथ मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से चार बार मिलकर यह मांग किया था के उर्दू के पद को सृजित कर मंजूरी दिया जाए। जिसको मुख्यमंत्री ने दिया। इसके लिए मुखमंत्री का स्वागत किया।

विविधता में एकता ही हमारी शक्ति : राज्यपाल

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश के विभिन्न प्रांतों का अपना गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत रही है। विविधता में एकता ही हमारी शक्ति है। हम एक हैं और एक रहेंगे। उत्तर प्रदेश में राम जन्मभूमि है, कृष्ण जन्मभूमि है एवं काशी भी है। गंगा, यमुना एवं सरस्वती का संगम भी यही प्रयागराज में है। राज्यपाल ने कहा कि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वधर्म समभाव की भावना सदियों से रही है। यह भावना हमारे स्थापत्य कला में झलकती है। ताजमहल के स्थापत्य कला का स्थान पूरे विश्व में अप्रतिम है। अयोध्या के राम मंदिर का स्थापत्य कला भी अद्वितीय है। राज्यपाल बुधवार को राजभवन में संयुक्त रूप से आयोजित उत्तर प्रदेश, दादरा, नगर हवेली और दमन एवं दीव के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मस्जिद जाफरिया में जश्न मौलूद ए काबा का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : 12 रजब के अवसर पर मस्जिद जफरिया में स्थित अंसार नगर चर्च रोड रांची में जश्ने मोलूदे काबा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता हाजी मौलाना सैयद तहजीब बुल हसन रिजवी इमाम मस्जिद जफरिया ने की। मुख्य अतिथि सय्यद जावेद हैदर कार्यकारी सेक्रेटरी झारखंड विधानसभा उपस्थित हुए। मौलाना तहजीब उल हसन सभा को संबोधित करते हुए उक्त विचार पेश किया। उन्होंने कहा कि इस जश्न को जशने मोलूदे काबा इसलिए कहते हैं कि दामाद ए रसूल जा नशीने मुस्तफा हजरत अली का जन्म 13 रजब को मक्के की पवित्र धरती खाने काबा में हुआ था और आपने अपनी मां के साथ तीन दिन काबे में गुजर और 15 रजब को रसूल इस्लाम की गोद में आंखें खोली और आपने रसूल इस्लाम के चेहरे की जियारत की। अंजुमन जफरिया द्वारा अच्छे कार्य करने पर सैयद मेहंदी इमाम सैयद हाशिम अली सोहेल सईद शारिक अली को मोलूदे काबा आवाड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अंजुमन जफरिया द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन अंजुमन के सचिव सैयद अशरफ हुसैन रिजवी ने किया।

पेसा कानून को जल्द लागू करे सरकार : विजय नायक

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने तीन माह पूर्व पेसा नियमावली 2022 बनाई थी। यह अबतक लागू नहीं किया गया। सिर्फ नियमावली बनकर फाइलों में रह गई है। ये बातें संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी केराष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड-छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने कहीं। उन्होंने इसपर कड़ी निंदा जताई है। साथ ही संविधान के पांचवी अनुसूची के तहत पेसा कानून के नियमावली बनाकर तुरंत लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी प्रतिबद्धता एवं संकल्प व्यक्त कर इसे कैबिनेट से पास कर अधिसूचना जारी करे। उन्होंने कहा पेसा अधिनियम लागू होने से ग्राम सभा मजबूत बनेगा व अबुआ दिशुम अबुवा राज के सपनों को को पूरा किया जा सकेगा। नायक ने कहा की पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने पैसा नियमावली को तैयार किया लेकिन सरकार ने इसे लागू करने में कोई सकारात्मक पहल नहीं की। यह आदिवासियों के साथ धोखा है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नायक ने कहा की अब इसे लागू करवाने के लिए आदिवासी मूलवासी समाज नए सिरे से आंदोलन की रणनीति बनाएगी। किसी की गिरफ्तारी की सूचना 48 घंटे के अंदर ग्राम सभा को देने का नियम है। नायक नहीं से घटाकर 6 घंटे करने की मांग की है।

छह बोतल सिरप, खाली कोरेक्स का 28 बोतल, नाइट्रोजेपाम 78 पीस व नकद बरामद

नशीली दवा बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रांची की बरियातू थाना पुलिस ने नशीली दवा का बिक्री करने के मामले में दवा दुकान के संचालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक मोबाइल फोन, कोरेक्स का छह बोतल सिरप, खाली कोरेक्स का 28 बोतल, एक बाइक, नाइट्रोजेपाम 78 पीस और 10 हजार 790 रुपये नगद बरामद किया गया है।

सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद नईम खान और दवा दुकान के संचालक रवीश कुमार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति बरियातू थाना क्षेत्र के बिजली चौक के पास मंदिर के पीछे छुपकर नशीली दवा का बिक्री कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बरियातु थाना रांची के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने नशीली दवा बेचने वाले को नशीली दवा के साथ गिरफ्तार किया। इसकी निशानदेही पर बूटी मोड स्थित पिताम्बरा पलैस स्थित तरुण मेडिको के संचालक रविश कुमार को नशीली दवा और कोरेक्स सीरप के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों की गिरफ्तारी करते हुए सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफतार आरोपियों की जानेकारी देते रांची के सिटी एसपी।

डीआइजी व जिला स्कूल मैदान में नशेड़ियों का लगा रहता है जमावड़ा

डीआइजी मैदान और जिला स्कूल मैदान में नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। दोनों मैदान में युवक खुलेआम नशा करते हैं। नशीली दवा का सेवन करते हैं। इस मामले में सिटी एसपी का कहना है कि दोनों मैदान में शाम के वक्त छापेमारी की जाएगी। कुछ युवक दुकान से नशीली दवा लेकर मैदान पहुंचते हैं और युवकों को बेचते हैं। ब्राउन शुगर का कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान चल रहा है। हाल के दिनों में दर्जनों लोगों को जेल भेजा गया है जो ब्राउन शुगर का कारोबार करते थे।

BRIEF NEWS

ट्रक पलटने से 6 की मौत, 11 गंभीर, मृतक के परिवार को ₹3 लाख मुआवजे की घोषणा

MAYURBHANJ : मयूरभंज जिले के बांगरीपोशी घाटी पर नियंत्रण खोने से ट्रक पलट गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया गया कि दुर्घटना में शामिल वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बुधवार सुबह ट्रक रायरंगपुर से जलेश्वर जा रहा था। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मृतक के परिवार को 3 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने घायलों का समुचित इलाज मुफ्त में कराने का आदेश दिया है। हालांकि, लगातार हो रही दुर्घटनाओं से कई लोगों की जान–माल की हानि हो रही है, जिसे रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है। धौली गणनाट्या का लाइट और साउंड ले जा रहा ट्रक नियंत्रण खोने से पलट गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 11 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, मयूरभंज जिले के बांगरीपोशी थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 49 दुआरशुनी घाटी पर इस समय घाटी मेला चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीड़भाड़ होने पर घाटी से नीचे उतरते समय यह घातक सड़क दुर्घटना हुई। हादसे के बाद घायलों को बचाया गया और पास के बांगरीपोशी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई है, और बचाव अभियान जारी रखे हुए है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और स्थिति को नियंत्रित कर रही है।

क्राइम चेक ऑगेर्नाइजेशन की बैठक आयोजित

ROURKELA : क्राइम चेक ऑगेर्नाइजेशन के संस्थापक पवन कुमार सिंह ने सर्किट हाउस पानपोष में अपनी सभी टीम के साथ एक मीटिंग आयोजित किया। राउरकेला क्राइम चेक ऑगेर्नाइजेशन अध्यक्ष साकिर हुसैन के कार्यकाल की समाप्ति पर सभी सदस्य का आई कार्ड वापस ले कर संस्थापक पवन कुमार को सौंप दिया गया है। इस अवसर पर पवन कुमार ने राउरकेला अध्यक्ष साकिर हुसैन ने बहुत देर तक चर्चा की है। अच्छा टीम वर्क करने पर पवन ने सभी को धन्यवाद दिया।

गायत्री शक्ति पीठ में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शुरू

ROURKELA : नारी शक्तिकरण व राष्ट्र जागरण को निकली भव्य कलशयात्रा गायत्री शक्ति पीठ में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शुरू हुआ। चार दिवसीय आध्यात्मिक व धार्मिक अनुष्ठान का समापन 26 को दीप दान के साथ होगी। इस कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं ने सोभा यात्रा में शामिल हुए। संतीकुंज हरिद्वारा के द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा राधाकृष्ण मंदिर से मेन रोड से होते हुए शक्ति पीठ में समाप्त हुई।

आज से होगा शुरू ईट राइट स्ट्रीट फूड मेला

ROURKELA : ईट राइट स्ट्रीट फूड मेला 2.0 गुरूवार से बसंती कॉलोनी, डीएवी पोखरी के पास आयोजित होने जा रहा है, राउरकेला के अतिरिक्त जिला आयुक्त और महानगर निगम आयुक्त और स्मार्ट सिटी के सीईओ डॉ. सुभांकर महापात्र ने आज वहां का दौरा किया और तैयारियों का निरीक्षण किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में दर्शकों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खाद्य स्टॉल और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पिछले वर्ष जैसा इस वर्ष भी लोगो का भीड़ जुटने की उम्मीद की जा रही है।

नेताजी बोस व सुरेंद्र साय की मनी जयंती

SUNDARGARH : जिले के रंगडीपा चौक स्थित सुभाष स्ट्रीट में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अजीत प्रसाद की अध्यक्षता में स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं महान क्रांतिकारी वीर सुरेंद्र साय की जयंती समारोह मनाई गई। इस अवसर पर पीसीसी इस्तेहार कमिटी के सदस्य बेणु माधव त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर दो महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। पीसीसी महिला कांग्रेस की संपादक गेरोती खेस, जिला एसटी सेल अध्यक्ष एंथोनी कुल्लू, प्रदेश महासचिव मुनु सराफ, जिला महासचिव प्रणब सिंह, नेपाल साहू, मनोज महराना, संपादक श्याम सेज, लबनिधर .बाघ, शहर कांग्रेस अध्यक्ष देक्शिशा दास, राजेंद्र शामिल थे। युवा कांग्रेस नेता विश्वजीत पटनायक, इम्तियाज शॉ, विश्वामित्र प्रधान, जिला सेवा दल अध्यक्ष भीष्म देव सिंह, विकास राव, रंजन सोरेंग, अल्तमस हुसैन, नीरज दास, अनिल सराफ समेत कई पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

बीएनसी अस्पताल व अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन

SUNDARGARH : जिले के बड़गांव में नवनिर्मित बीएनसी अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के आधिकारिक उद्घाटन के अवसर पर श्रम मंत्री सारदा नायक ने इस अस्पताल रक्तदान सिबिर में सभी रक्तदाता से मिले। उन्होंने कहा कि अस्पताल से अंचल वासियों अपने स्वास्थ को लेकर बहुत सुविधा होगी। इस उद्घाटन समारोह में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष व पद्मश्री दीलिप तिर्की, जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान, पूर्व एसडीसी अध्यक्ष सतासी अमात, पश्चिमी ओडिशा विकास परिषद व्यावसायिक समिति के सदस्य बैकुंठ नाइक, नेता राम नौआ, कानूनी व्यवसायी अरुण कुमार नयाक प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बंडामुंडा में नेताजी की मनी जयंती

BANDAMUNDA : बंडामुंडा में मंगलवार को बीजू जनता दल के युवा नेता नीतीश मुखी की अगुवाई में महान स्वाधीनता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मुखी समाज के क्लब के निकट मनाई गई। बीजद के सदस्यों ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया, नीतीश मुखी ने कहा कि नेताजी की जीवन साहसी और त्याग का युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। बीजद के युवा नेता चंदन तोरई ने कहा कि नेताजी अदम्य साहस और वीरता के प्रतीक थे। आजादी के लड़ाई में उनकी अनुकरणीय भूमिका के कारण आज समूचा देश उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहा है।द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन कर जय हिंद के नारे से पूरे देश को एकजुट किया। मौके पर महिला नेत्री मानसी सरकार, टी चिरंजीवी, ऋतिक मुखी, मंटू मुखी, इनकू मुखी, पंकज मुखी, कान्नू मुखी, अजय मुखी, सतीश मुखी सहित, आदित्य कुमार, अभिषेक सिंह अन्य लोग उपस्थित थे।

सांसद संजय सेठ को मिला सम्मान

BANDAMUNDA : रांची के सांसद संजय सेठ का चयन दादासाहेब फाल्के आइकन गोल्ड अवार्ड के लिए किया गया है। सांसद संजय सेठ को अवार्ड 24 जनवरी को नई दिल्ली में दिया जाएगा। दादा साहब फाल्के संस्थान के द्वारा संसद को बेस्ट आइकॉन एमपी झारखंड के रूप में चुना गया है। सांसद का यह चुनाव क्षेत्र में आम जनता के बीच सक्रियता, लोकसभा में उपस्थित, सत्र में सवाल जवाब, क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सक्रियता, सोशल मीडिया पर सक्रियता सहित सामाजिक क्षेत्र में किए जाने वाले किए गए कार्यों को लेकर हुआ है। संस्था सर्वे के बाद सांसद को इस अवार्ड के लिए नामित किया है। विगत वर्षों में सांसद ने लोकसभा में अपनी सत्र प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई है। सवालों के मामले में भी सांसद सक्रिय रहे हैं। क्षेत्र के मुद्दे को उन्होंने मुखरता से लोकसभा में रखा है।

ठंड में खुले स्कूल लेकिन बच्चों की संख्या कम

अभिभावक बोले तबीयत खराब होने का लगा रहता है डर

एजेंसी

आरा । शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने स्कूल खुला रखने का फरमान जारी किया था। जिसके बाद से भोजपुर जिले के सरकारी एवं सभी निजी स्कूलों को भी खुला रखने का आदेश जारी किया और ठंड के बीच सभी स्कूल खुलने लगे। ऐसे में इस कड़कड़ाती ठंड के बीच छात्रों को स्कूल पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी पहली कक्षा से लेकर पांचवी कक्षा के छात्रों को हो रही है। इस ठंड में स्कूल खुले होने से छात्रों के परिजन थोड़े नाराज हैं।दरअसल,जिले के नवादा थाना के राजकीय आदर्श मध्य विद्यालय में 645 छात्र पढ़ते हैं।इसमें 331 बालक और 314 बालिकाओं की संख्या है। लेकिन बढ़ती ठंड के बीच केवल 226 छात्र ही विद्यालय

पहुंच पाए। इसमें पहली कक्षा में 36 छात्रों में 5 छात्र, 2 कक्षा में 41 में 14 छात्र, 3 कक्षा में 55 में 14 छात्र, 4 कक्षा में 73 में 20 छात्र, 5 कक्षा में 79 में 33, 6 कक्षा में 126 में 44, 7 कक्षा में 117 में 42 और 8 कक्षा में 118 में 54 छात्र ही स्कूल पहुंचे है। स्कूल में औसतन 36 प्रतिशत ही छात्र पढ़ने के लिए पहुंच रहे है।वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील पासवान ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के बाद स्कूल खुला है। लेकिन हमलोग ठंड से बचने के लिए सभी बच्चों का ख्याल रख रहे हैं। सभी बच्चों को कान ढक कर और स्वेटर पहनकर ही स्कूल आना है। उन्होंने बताया कि ठंड बढ़ने की वजह से स्कूल में छात्रों की उपस्थिति कम हो रही है। लेकिन जो भी छात्र आ रहे है उनका बेहतर ख्याल रखा जा रहा है। क्लास रूम के सभी दरवाजे और खिड़की बंद करके बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। वहीं स्कूल आने में सबसे ज्यादा परेशानी छोटे क्लास के बच्चों को हो रही है। ठंड में स्कूल खोलना ठीक नहीं एक छात्र के परिजन केजी रोड के निवासी गोपाल प्रसाद के दो बेटे राजकीय आदर्श विद्यालय में पढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि इस ठंड में अगर विद्यालय बंद हो जाता तो बच्चे बीमार होने से बच जाते। स्कूल से घर ले जाने के बाद बच्चे उल्टी कर रहे है तो किसी का पेट दर्द कर रहा है। इतनी ठंड में बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत हो रही है।

प्रेमी ऑनलाइन गेम में हारा गर्लफ्रेंड ने रची अपहरण की साजिश

एजेंसी

भागलपुर ।ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद प्रेमी और प्रेमिका ने मिलकर ऐसी साजिश रची की पुलिस 4 दिनों तक दौड़ती रही। प्रेमी की मदद के लिए प्रेमिका ने खुद के अपहरण की साजिश रची। अपने घर वालों से 10 लाख की फिरौती की मांग करवा डाली। घर वालों ने पुलिस की मदद ली, उसके बाद पूरे खेल से पर्दा हटा।नवगछिया थाना के बाजार के वार्ड नंबर 19 के रहने वाले अशोक रजक ने 20 जनवरी को नवगछिया थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी भांजी नेहा कुमारी सुबह 10 बजे बनारसी लाल कॉलेज के लिए निकली थी, वो शाम 7 बजे तक घर नहीं लौटी। कॉलेज और कोचिंग से भी नेहा के बारे में जानकारी नहीं मिली। अचानक 21 जनवरी को नेहा के मोबाइल से मामा के नंबर पर फोन आता है। उधर से कहा जाता है कि नेहा उनके कब्जे में है। 10 लाख की फिरौती देने पर उसे छोड़ दिया जाएगा। पुलिस से दूर रहने की धमकी भी दी गई।नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने तत्काल एक टीम बनाई। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और परिवार की दी गई जानकारी पर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि अपहरणकर्ता लड़की को लेकर भागलपुर में लेकर छिपे हैं।पुलिस ने भागलपुर के एक लॉज से लड़की को बरामद किया। साथ ही अपहरण करने वाले तीन लड़कों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तीनों युवक नवगछिया के श्रीपुर के रहने वाले हैं। आयुष कुमार, गौरव कुमार और तीसरा नाबालिग है।पूछताछ में नेहा कुमारी ने पुलिस को बताया कि वो बनारसी लाल सर्राफ कॉलेज में बीए पार्ट 1 की छात्रा है। वो पिछले साल 14 दिसंबर को एडमिशन के लिए कॉलेज गई थी।

सड़क हादसे में युवक घायल कार सवार ने मारी टक्कर

एजेंसी

नालंदा। नालंदा में बुधवार को सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मामला सोहसराय थाना '२ न्यू रहुई रोड की है। जख्मी की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के ककड़ीया गांव निवासी अनिल प्रसाद के (21) वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई है। परिजन ने बताया कि किसी काम को लेकर दीपक घर से बाइक लेकर बिहार शरीफ अपने दोस्त से मिलने के लिए आया

था। उन्हें स्थानीय पुलिस के द्वारा सूचना प्राप्त हुई की दीपक का किसी अज्ञात वाहन से दुर्घटना हो गई है। सूचना मिलने के बाद वे लोग सदर अस्पताल पहुंचे। अज्ञात कार चालक के द्वारा यह घटना की गई है।गंभीर रूप से जख्मी युवक को सदर अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। इस घटना में युवक का एक पैर टूट गया है। वहीं शरीर के कई हिस्सों में भी चोटें आई हैं। सोहसराय थाना अध्यक्ष राजमणि ने बताया कि सड़क हादसे की जानकारी स्थानीय लोगों से प्राप्त हुई। इसके बाद गश्ती दल को मौके पर भेजा गया। जहां से जख्मी युवक को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बाइक को जप्त कर थाना लाया गया है।

आभूषण कारोबारी को बीच सड़क पर मारी गोली

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने आभूषण दुकानदार गोली मार कर घायल कर दिया। वो अपने बड़े भाई के साथ दुकान से घर लौट रहे थे, इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। घाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला जिले के पारू थाना क्षेत्र का है।दरअसल, मंगलवार की रात आभूषण कारोबारी धीरज साह (30) अपने बड़े भाई संतोष कुमार (34) के साथ सरैया थाना क्षेत्र स्थित अपना आभूषण का दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। उनका गांव वैशाली जिले के वैशाली थाना क्षेत्र के दाऊदनगर है। घर लौटने के दौरानपारू थाना के मनिकपुर पूल के समीप दो बाइक पर सवार होकर

चार अपराधी पीछे से आए। अपराधियों ने बाइक रोकने का इशारा किया।इसके बाद धीरज का बड़ा भाई संतोष बाइक को तेजी से भगाने लगा। अपराधियों फिर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक गोली धीरज के लग गई। गोली उसके गले में फंस गई।भागने के क्रम में अनियंत्रित होने के कारण बाइक गिर गई। उसके बाद दोनों भाई तेजी से बाइक से उतरे और पास के घर में घुस गए। तब अपराधी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। उसके बाद मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी पारू थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची। आनन फानन में घायल धीरज को पारू पीएचसी में भर्ती करवाया गया। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया। परिजनों ने आनन फानन में उसे बैरिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। आस पास के लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है।घायल धीरज ने बताया कि दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान मानिकपुर में अपराधी गोली मार दी।बाइक मेरा भाई संतोष चला रहा था।पूरे मामले पर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी है। वो दुकान बंद कर अपने बड़े भाई के साथ बाइक से घर लौट रहा था।

एक्सिस बैंक लूटकांड 2 जवान निलंबित

एजेंसी

अररिया ।में एक्सिस बैंक लूट कांड मामले में लापरवाही बरतने वाले 2 पुलिस पदाधिकारी और 2 जवानों को अररिया एसपी ने निलंबित कर दिया है। एसपी अशोक कुमार सिंह ने मंगलवार देर शाम 9:30 बजे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि घटना के समय शहर की गश्ती में दो पेट्रोलिंग पुलिस पदाधिकारी, जिसमें पुलिस अवर निरीक्षक (रक) और सहायक पुलिस अवर निरीक्षक (अरक) क्यूआरटी दल में मौजूद थे। फिर भी यह उक्त घटना हुई है। इससे यह मालूम हो रहा है कि अधिकारियों व जवानों ने अपने कर्तव्य व दायित्व में लापरवाही

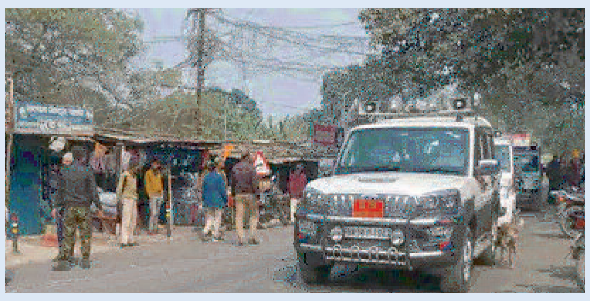

बरती है। इसी को देखते हुए एसआई डॉली कुमारी, एएसआई श्याम कुमार और अन्य दो टाइगर मोबाइल जवान रितेश व कुंदन को निलंबित किया गया है।

मंगलवार 12 बजे 6 की संख्या में आए थे अपराधी मालूम हो कि नगर थाना क्षेत्र के एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक में 6 की संख्या में हथियार बंद अपराधियों ने 90 लाख रुपए की लूट की थी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी पुलिस को चकमा दे कर भाग गए थे। जबकि पुलिस शहर में ड्यूटी पर थी और गश्ती कर रही थी। फिर भी दिनदहाड़े एक्सिस बैंक में ग्राहकों को बंधक बनाकर लगभग 20 से 25 मिनट तक अपराधी उत्पात मचाते रहे। लोगों को डराने के लिए 3 राउंड फायरिंग भी की थी अररिया शहर के एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक में 90 लाख की लूट हुई है। मंगलवार दोपहर 12 बजे 6 की संख्या में हथियार से लैस अपराधी घुसे। गन पॉइंट पर बैंक मैनेजर को अंदर लॉकर के पास ले गए और लॉकर खुलवाने लगे। लॉकर खोलने से मना करने पर अपराधियों ने बैंक मैनेजर के साथ हाथापाई करने के साथ-साथ फायरिंग भी की। इसके साथ ही बैंक में कस्टमर्स को बंधक बनाया और लूटपाट की।

चार दिनों तक ठंड से नहीं मिलेगी राहत

नालंदा ।नालंदा में ठंड का प्रकोप जारी है। बुधवार को हल्का कोहरा देखने को मिला, लेकिन शीत लहर के बीच कंपाकंपा देने वाली ठंड रही। पछुआ और उत्तर पछुआ हवा की वजह से लोग परेशान रहे। ठंड के कारण सुबह शाम सड़कों पर आवाजाही भी दिख रही है। मौसम विज्ञान केंद्र कि ओर से जारी पूवार्नुमान के अनुसार अगले तीन से चार दिनों तक इस ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बीच बच्चों के स्कूल भी खुल गए हैं। अगले 4 दिनों तक जिले में न्यूनतम पारा 8 डिग्री तो अधिकतम 17 डिग्री रहने की संभावना जताई जा रही है।

ठंड का किसानों पर भी खूब असर

पड़ रहा है। खासकर टमाटर की खेती चौपट हो गई है। नौबत ऐसी है कि कई खेतों में 50% तक के पौधे झुलस गए सरसों के बाद आलू पर भी पाला का असर दिखने लगा है। झुलसा रोग के कारण 35 फीसदी तक उपज प्रभावित होने की आशंका है।

26 जनवरी को निकलेगी 14 विभागों की झांकियां

नालंदा । 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह सोगरा उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित किया जायेगा। मुख्य समारोह में मंत्री वित्त, वाणिज्यकर एवं संसदीय कार्य विभाग-सह-प्रभारी मंत्री नालंदा जिला विजय कुमार चौधरी द्वारा सुबह 9 बजे झंडोत्तोलन किया जायेगा। इस समारोह में परेड के साथ-साथ विभिन्न 14 विभागों द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जायेगी।जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य मंच को बड़ा बनाने को कहा है। मंच एवं दीर्घा में सुव्यवस्थित सिटिंग प्लान सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी 14 झांकियां का क्रम पूर्व से निर्धारित करते हुये उसी क्रम में कतारबद्ध

कर मैदान में प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मंत्री महादलित टोले में भी फहराएंगे तिरंगा प्रभारी मंत्री बिहारशरीफ प्रखंड के उपरौरा में महादलित टोले में भी झंडोत्तोलन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके लिये भी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।इन विभागों की निकलेगी झांकियां ।

गढ्डे में गिरा रात भर कराहता रहा जवान

एजेंसी

नालंदा । स्मार्ट सिटी के तहत बिहार शरीफ में फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। इसे लेकर रांची रोड के मेहरपर बीच सड़क में गड्ढ़ा किया गया है। इस गड्ढे में मंगलवार की रात एक कांस्टेबल गिर गया। कड़कड़ाती ठंड में बिहार पुलिस का यह जवान रात भर जख्मी हालत में पड़ा रहा। जख्मी जवान अंशु कुमार है, जो नालंदा में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है और डीएम ऑफिस में पदस्थापित है। घटना लहेरी थाना क्षेत्र में हुई है। इधर, स्मार्ट सिटी के सीओ का कहना है कि संवेदक के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। अंशु मंगलवार की रात किसी काम को लेकर पुलिस लाइन गया था। जहां से वापस लौटने के दौरान फ्लाई ओवर के लिए खोदे गए गड्ढे में जा

गिरा। इसके कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। रात भर अंशु गड्ढे में ही पड़ा रहा। बुधवार को लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले तो उन्हें कराहने की आवाज आई तब जाकर अंशु को गड्ढे से बाहर निकाला गया और डायल 112 की पुलिस की मदद से बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से चिंताजनक स्थिति में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। अंशु को सिर में गंभीर चोट आई है।एक फीट मिट्टी के टीले से सड़क पर अवरोधक बना दिया गया। ताकि आने वाली गाड़ियां रुक सकें। संवेदक के इस लापरवाही का अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूर से एक फीट मिट्टी का टीला भला कैसे दिखेगा। सुबह जैसे ही इस बात की जानकारी संवेदक को मिली तो आनन-फानन में बैरिकेडिंग की गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि रात में किसी तरह का बैरिकेडिंग निर्माण स्थल के पास नहीं की गई थी। सुबह जब पुलिस के जवान को जख्मी हालत में गड्ढे से निकाल कर अस्पताल भेजा गया। उसके बाद ही उस जगह पर बैरिकेडिंग की गई।लहेरी थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि घायल जवान को जख्मी हालत में भर्ती कराया गया है। आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं स्मार्ट सिटी के सीओ विनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

गेहूं उत्पादन में प्रमंडल के तीनों जिलों में दरभंगा अव्वल

दरभंगा । कृषि विभाग के रिपोर्ट के अनुसार गेहूं उत्पादन में प्रमंडल के तीनों जिले में सबसे आगे दरभंगा है। मक्का की खेती में समस्तीपुर के किसानों में काफी रुचि है। तेलहन एवं दलहन की खेती में समस्तीपुर व दरभंगा के किसान जागरूक देखे जा रहे हैं। मधुबनी के किसान हर मामले में काफी पीछे हैं। प्रमंडल के तीनों जिले में रबी के तहत विभिन्न फसलों का पहले से लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें करीब- करीब तीनों जिले लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न फसलों की बोआई होने का दावा कर रहा है।ठंड और पछुआ हवा चलने से रबी की फसलों को काफी फायदा होने की उम्मीद जग गयी है। मौसम के मिजाज देखते हुए गेहूं, मक्का, दलहन व तेलहन सहित अन्य फसलों के उत्पादन में वृद्धि होनी की संभावना बनी हुई है। समस्तीपुर में गेहूं, मक्का व जौ के लिए एक लाख 18 हजार 978 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 116448 हेक्टेयर में बोआई हुई है। वही दलहन का लक्ष्य 16038 हेक्टेयर से 14811 व तेलहन में 4703 हेक्टेयर में 4098 हेक्टेयर में बोआई हो चुकी है। इसी प्रकार दरभंगा में गेहूं, मक्का एवं जी के लक्ष्य 97495 हेक्टेयर में लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 11966 हेक्टेयर में बोआई हुई है।समस्तीपुर में 106705 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित वहीं दलहन 8380 हेक्टेयर में 80179 हेक्टेयर व तेलहन 5287 हेक्टेयर में 50369 हेक्टेयर में बोआई हुई है। समस्तीपुर को गेहूं, मक्का व जी के लिए एक लाख छह हजार 705 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 102820 हेक्टेयर में बोआई हुई है। वही दलहन 5429 हेक्टेयर में 5517 हेक्टेयर व तिलान 9488 हेक्टेयर में 15998 हेक्टेयर में बोआई हुई है।

कोचिंग जाते वक्त गर्लफ्रेंड से मिलता था कराई शादी

पटना । पटना के नौबतपुर में प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके बाद मंगलवार की रात में अमरपुरा के शिव मंदिर में शादी कर दी। ग्रामीणों ने दोनों वर-वधु को स्वागत के बाद लड़की की विदाई की।पालीगंज का खीरी मोर निवासी अभिषेक कुमार (20) और नौबतपुर के अमरपुरा निवासी मनीषा कुमारी (18) का 3 सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अभिषेक कुमार अपनी प्रेमिका मनीषा कुमारी से अक्सर खगौल के पास कोचिंग जाने के दौरान मिलने आता था। इस बात की सूचना मनीषा कुमारी के परिजनों को लग गई। मनीषा कुमारी के परिजनों ने कई बार अभिषेक कुमार को इस बात के लिए चेतावनी देकर छोड़ दिया था।मंगलवार की देर रात अभिषेक कुमार मनीषा कुमारी से मिलने गांव के बाहर एक खेत में बुलाया था। दोनों प्रेमी प्रेमिका को मिलते गांव के लोगों ने देख लिया। इस बात की सूचना लड़की के परिजनों को दे दी। सूचना मिलते ही लड़की के परिजन वहां पहुंचे। दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीण वहां जमा हुए। फिर युवक से शादी के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया।युवक ने अपनी शादी मनीषा कुमारी से 2 साल के बाद करने की बात कही। ग्रामीण इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं थे। आनन-फानन में अमरपुरा के शिव मंदिर में दोनों युगल प्रेमी की शादी करवाने का फैसला किया। गांव के एक पंडित को बुला लिया गया। इसके बाद शिव मंदिर में दोनों युगल प्रेमी की शादी करवा दी गई।

बुजुर्ग का गला रेता खुद थाने में किया सरेंडर

दरभंगा । दरभंगा में आपसी विवाद में पड़ोस के एक युवक ने अधेड़ उम्र के युवक की गला रेत कर हत्या करने की कोशिश की। तेज धार हथियार से गला काटने के बाद आरोपी कुछ देर तक वहां पर खड़ा रहा। इसके बाद खुद ही थाना जाकर पुलिस के सामने अपने आप को सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके निशानदेही पर घायल को इलाज के लिए सिमरी थाना के सिमरी गांव के निवासी मो. नसीम(55) और मो. तौकीब उर्फ चांद (19) के बीच पिछले कुछ दिनों से आपसी विवाद चल रहा था। उसी क्रम में मंगलवार की देर शाम सिमरी हाई स्कूल के पास बगीचे में मो. तौकीब उर्फ चांद ने मो. नसीम को तेज धार हथियार से गला रेतकर कर सीधा थाने पहुंचकर अपना अपराध कबूल कर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

युवक को न्यूड कर लात-घूसों और बेल्ट से पीटा

मैनपुरी । उत्तर प्रदेश के जनपद मैनपुरी में कानून और प्रशासन के भय को ताक पर रखते हुए तालिबानी जैसी सजा देने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें तीन युवक एक युवक की बेरहमी से डंडो और बेल्टों से पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसको नंगा करके उसके साथ 1 घंटे तक बेरहमी के साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं कोतवाली पुलिस की कार्यवाही से संतुष्ट न होकर परिजनों ने एसपी से शिकायत की है।मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा डॉक्टर कपूर वाली गली का है। यहां की निवासी शशि वर्मा अपने पति अवनीश वर्मा और अपने बेटे समीर को लेकर एसपी कार्यालय पहुंची। यहां उन्होंने एसपी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उनका बेटा समीर बीते 21 जनवरी को शहर में स्थित भगवती हॉस्पिटल गया था। जहां पर उसे राजा का बाग निवासी आकाश उर्फ अक्की,आयुष मिश्रा ने अपने चार-पांच साथियों के साथ बाइक पर बैठाकर उसे अगवा कर लिया।

उसे एक सूनसान स्थान पर ले जाकर उसे नंगा करके लाठी डंडा और बेल्टों से उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट में घायल हो जाने के बाद उसे मरणासन्न अवस्था में चंदेश्वर रोड पर डालकर भाग गए। शशि वर्मा ने बताया कि बेटे से आरोपियों का कुछ दिन पहले बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था, इसीलिए उन लड़कों ने मेरे बेटे को मारा।आरोपियों ने मारपीट की घटना का वीडियो भी बनाया। अपनी दहशत बनाने के उद्देश्य से वायरल भी कर दिया। पीड़िता ने एसपी को बताया कि उसने शिकायत कोतवाली पुलिस से की थी, लेकिन कोतवाली पुलिस ने हल्की धाराओं में कार्रवाई करते हुए अभी तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं की और ना ही आरोपियों की गिरफ्तारी की। उसके बेटे का इलाज घर पर चल रहा है। वह चाहती है कि उसके बेटे के साथ न्याय हो। आरोपियों पर कठोर कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवक का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मेडिकल में अगर कोई इंजरी आएगी तो उसी के आधार पर मुकदमे में और धाराए तरमीम की जाएगी। आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए कोतवाली पुलिस को निर्देश दे दिए गए हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों में गिरफ्तार कर जेल भेजेगी।वीडियो में दिख रहा है कि बेसमेंट की ओर जाने वाली सीढ़ी के पास एक युवक को बुरी तरह पीटा जा रहा है। पांच-छह युवक उसे लात-घूसों और बेल्ट से पीट रहे हैं। इस दौरान युवक चिल्ला रहा है। रहम की भीख मांग रहा है, लेकिन युवक उस पर लगातार बेल्ट मार रहे हैं। वीडियो में युवक कान पकड़कर उठक बैठकर करता दिखाई दे रहा है। इस दौरान आरोपी लड़के उसे गाली दे रहे हैं। वह उनसे माफी मांग रहा है, लेकिन दबंग उसे पीट रहे हैं। इसके बाद दबंग अंत में उसकी पैंट उतरवाते हैं। उसे न्यूड कर पीटते है।उसे सिर के बल झुकाकर उसकी पीठ में घूसा मारते हैं। उस पर बेल्ट चलाते हैं।

संक्षिप्त डायरी

34 साल का उपवास खत्म फलाहारी बाबा ने खाई प्रसाद की खीर, नवनिर्मित मंदिर में हुई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

उन्नाव । जिले के फतेहपुर चौरासी कोतवाली क्षेत्र के गांव झूलूमऊ में मां फूलमती और बालाजी धाम में सोमवार को नवनिर्मित मंदिर में राम दरबार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान लक्ष्मी स्वरूप ब्रह्मचारी उर्फ फलाहारी बाबा, नीरज स्वरूप ब्रह्मचारी, कृपाशंकर अवस्थी आदि ने यज्ञ वेदी के पूजन के साथ राम दरबार की मूर्तियों की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। उन्नावयज्ञ की पूर्णाहुति के बाद आयोजित कन्या भोज और भंडारे में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रथम पूजन एसओ राजेश पाठक ने किया। इसके बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण न होने तक अन्न न खाने के संकल्प पर अडिग लक्ष्मी स्वरूप ब्रह्मचारी उर्फ फलाहारी बाबा को प्रसाद की खीर खिलाई। उन्होंने 34 साल बाद अन्न ग्रहण। फलाहारी बाबा ने बताया कि भोजन वह अयोध्या में श्रीराम लला के दर्शन करने के बाद ही करेंगे।

फ्लैट में चल रही थी पार्टी, नौवीं मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के सेलिब्रिटी मीडोज अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल स्थित फ्लैट में पार्टी के दौरान बालकनी से एक छात्रा नीचे गिर गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। घटना की जानकारी से उसके पिता की तबीयत बिगड़ गई है। परिजनों को संदेह है कि उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया और विरोध के बाद नवी मंजिल से फेंका गया।सीतापुर निवासी 24 वर्षीय श्रुति वर्मा नीट की तैयारी कर रही थी। वह किराये के मकान में रहती थी। रविवार रात वह मूल रूप से मऊ जिले के रहने वाले दोस्त शुभम राय के साथ सेलिब्रिटी मीडोज अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल पर स्थित मंजीत के फ्लैट में पार्टी करने गई थी। ये सभी आपस में कॉमन दोस्त हैं। देर रात फ्लैट की बालकनी से नीचे गिरकर श्रुति की मौत हो गई।पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम कराया। जिसके बाद परिजन शव लेकर चले गए। अब तक की जांच में ये भी सामने आया है कि श्रुति कुछ वक्त से शुभम के साथ उसके फ्लैट में रह रही थी। शुभम एक आईटी कंपनी में कार्यरत है।एडीसीपी साउथ शशांक सिंह ने बताया कि फ्लैट में घटना के वक्त जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की गई है। उनका दावा है कि ये हादसा है। बालकनी में श्रुति फोन पर बात कर रही थी, तभी अचानक नीचे गिर गई। हालांकि हत्या या खुदकुशी की भी आशंका है। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। जो तहरीर मिलेगी उस आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

काशी के चित्रकार ने बनाई रामलला की ड्राइंग

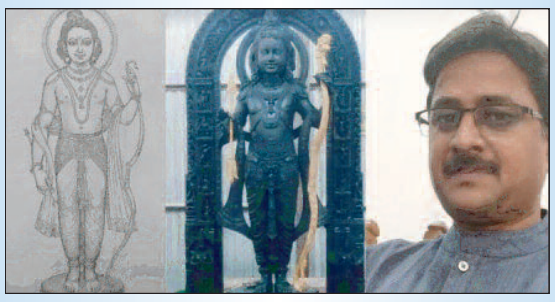

वाराणसी। राममंदिर में नयनाभिराम रामलला की प्रतिमा को काशी के ही चित्रकार डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने आकार दिया। कागज पर उकेरी गई उनकी आकृति को योगीराज ने गढ़कर मूर्त रूप दिया। 22 जनवरी को अयोध्या में प्रतिमा स्थापित हुई तो उनकी खुशी सातवें आसमान पर थी। डॉ. सुनील का कहना है कि ये प्रभु श्रीराम की ही कृपा है जो उनकी बनाई गई आकृति को काशी विद्यापीठ के शिक्षक डॉ. सुनील विश्वकर्मा बोले- सब भगवान राम की कृपा से हुआ। उनका दावा है कि कागज पर उन्होंने रामलला की जो आकृति बनाई, न्यास ने उसे ही।ुना।राममंदिर में नयनाभिराम रामलला की प्रतिमा को काशी के ही चित्रकार डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने आकार दिया। कागज पर उकेरी गई उनकी आकृति को योगीराज ने गढ़कर मूर्त रूप दिया। 22 जनवरी को अयोध्या में प्रतिमा स्थापित हुई तो उनकी खुशी सातवें आसमान पर थी।

शिक्षक हितों को लेकर काली पट्टी बांधकर माशिसं ने किया

संवाददाता

कसया कुशीनगर। माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट ईकाई बुद्ध इंटर कॉलेज कुशीनगर द्वारा अठारह सूत्रीय मांगो को लेकर कालीपट्टी बांध कर प्रदर्शन किया गया।बुधवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। ईकाई मंत्री लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा कि जब तक शासन और प्रदेश सरकार हमारी मांगो को जबतक नहीं मानती तब तक शिक्षकों का आंदोलजारी रहेगा। मशिसं शर्मा गुट शिक्षक हितों के लिए आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान।अशोक उपाध्याय, कृष्ण कुमार तिवारी, सुबास चंद्र पांडेय, अनिल दुबे ,कृष्णमोहन राव इत्यादि उपस्थित रहे।

स्व0 कपुर्री ठाकुर को भारत रत्न की उपाधि मिलने पर जताया भारत सरकार के प्रति आभार

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री, जननायक स्व कपूर्री ठाकुर की 100 वीं जयंती अखिल भारतीय नाई महापंचायत जिला इकाई द्वारा नगरपालिक परिषद कुशीनगर अंतर्गत महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) स्थित रामलीला मैदान में मनाई गई। इस अवसर पर स्व. कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न मिलने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की गई और भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बुधवार को जयंती कार्यक्रम में स्व0 कपूर्री ठाकुर के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया गया। मुख्यअतिथि साहित्यकार रामनरेश शर्मा ने कहा कि महानायक बनना आसान है

लेकिन जननायक बनना आसान नहीं। वह गरीब परिवार से निकले और पूरी ईमानदारी से दलितों, पिछड़ों, गरीबों को सामाजिक न्याय के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे। उन्हें भारत सरकार द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्य वक्ता भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड़ ने कहा कि जननायक कपुर्री जी का सम्मान जन जन का सम्मान है।आरक्षण में कपूर्री फामूर्ला लागू कर सबको न्याय देने का कार्य किया। ऐसे महानायक को भारत रत्न देने का सम्मान मिलना सराहनीय है। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ठाकुर, पूर्व महा मन्त्री छात्र संघ बुद्ध स्नात्कोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर अशोक कुमार सिंह, सभासद पीएन सिंह, सभासद गिरिजेश सिंह, सभासद विजेंदर प्रताप सिंह, सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन सिंह, सभासद प्रतिनिधि अजेन्द्र सिंह, सुशील वर्मा, सपासनौवर अंसारी ने भी संबोधित किया। सभी का स्वागत कसया नगर अध्यक्ष जटाशंकर शर्मा व युवा विंग संयोजक अभिषेक शर्मा ने किया। संचालन आयोजक हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस अवसर पर संरक्षक महियुद्दीन, प्रधान राजेश शर्मा, सुरेश शर्मा, नंदलाल शर्मा, केदार सिंह, महेश पासवान, संजय सिंह, रौनक सिंह, खालिक अंसरी, राजेश गौतम, अरुण, अमित, आदर्श पाण्डेय, अजय सिंह, जयराम सिंह, इसलाम सुरेश, परमहंस सिंह, मुक्तिनाथ पाण्डेय, रामप्रीत सिंह, सुरेश गोंड़, दुर्गेश सिंह, महेश सिंह, राम अवध सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी, वीरेंद्र यादव, नंदलाल वर्मा, सुरेश सिंह, ब्रजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

लामा कर्मा कुंगा की पुस्तक का हुआ विमोचन

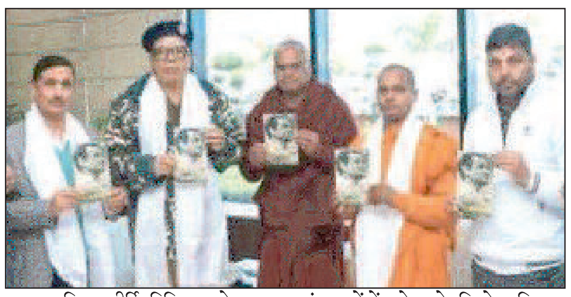

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।अंतरराष्ट्रीय बौद्ध स्थली स्थित भिक्षु बुद्ध मित्र सांस्कृतिक केंद्र के सचिव लामा कर्मा कुंगा शेनफेन की लिखित पुस्तक का विमोचन प्रदेश के पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने अपने लखनऊ स्थित कार्यालय में मंगलवार को किया।भिक्षु बुद्ध मित्र के पुत्र भिक्षु लामा की लिखित व महा पण्डित राहुल सांस्कृत्यायन द्वारा संस्थान द्वारा प्रकाशित महा पण्डित राहुल सांस्कृत्यायन पुस्तक का विमोचन प्रदेश के पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने सेवा निवृत्त निदेशक उप्र संग्रहालय निदेशालय लखनऊ डॉ एसके सिंह, डॉ दामोदर दत्त दीक्षित, विजय कुमार उपाध्याय, विनय कीर्ति, नितिन राय के साथ किया। श्री कुमार ने कहा कि राहुल सांस्कृत्यायन ने अपने साहित्य में विश्व को नई दिशा दी। श्री लामा कुंगा ने बताया कि राहुल सांस्कृत्यायन 136 भाषाओं के जानकार थे। उन्होंने कई बार तिब्बत व अन्य देशों की यात्राएं की। मैंने बहुत परिश्रम कर पटना सहित देश के कई जगहों पर संग्रहालयों में रखे उनके लिखे साहित्य का संग्रह किया और उनके जीवन पर मैंने पुस्तक लिखी। पुस्तक विमोचन पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, भन्ते विमल कीर्ति, भन्ते गौतम, भोला सिंह, बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर अध्यक्ष अमित कुमार द्विवेदी अम्बिकेश त्रिपाठी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

बाइकों की टक्कर में पांच लोग घायल

उन्नाव । बाइकों की सीधी टक्कर में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी लाया गया। इसमें चार की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सफीपुर कोतवाली के गांव देवरिया निवासी गुड्डू (40), पड़ोसी रामजीवन (55) और परमेश्वर (50) के साथ बाइक से कालीमिट्टी काम से गए थे। कालीमिट्टी-दबौली मार्ग पर कस्बा फतेहपुर चौरासी में मंगलवार शाम करीब चार बजे बांगरमऊ निवासी मुकेश (25) की बाइक से टकरा गए।बाइकों की भिड़ंत में इन चारों के साथ पैदल घर जा रहे फतेहपुर चौरासी मोहल्ले के सुभाषनगर पूर्वी

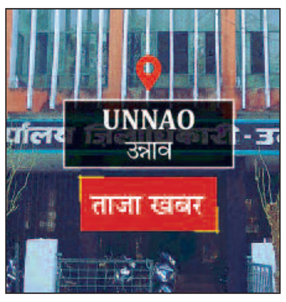

निवासी छात्र अनमोल (16) भी घायल हो गया। घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। मुकेश को छोड़कर सभी चारों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। थानाध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि मामला जानकारी में है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई होगी।

75 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली निकली तिरंगा यात्रा

संवाददाता

कुशीनगर।संस्कार भारती कुशीनगर एवं नगर पालिका परिषद कुशीनगर के संयुक्त तत्वाधान एवं उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष में बुधवार को भारत माता पूजन उत्सव एवं 75 मी तिरंगा यात्रा कार्यक्रम संस्था के जिला अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार सिन्हा के नेतृत्व में उत्साह एवं समारोह पूर्वक मनाया गया। मुख्य वक्ता प्रवक्ता सुरेश प्रसाद गुप्त ने कहा कि भारत माता सबकी माता है हम सभी भारत मां के पुत्र हैं भारत ही ऐसा देश है जो धरती माता, गौ माता, गायत्री माता, गंगा माता, तुलसी माता जैसे पवित्र शब्द प्रयोग किया जाता है भारत माता 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति रखती हैं। भारत माता ही दुर्गा है सरस्वती हैं एवं लक्ष्मी स्वरुप है। हम भारत माता के लिए सर्वस्व निछावर को तैयार हैं। तिरंगा यात्रा नेशनल हाईवे चौक से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए शहीद अमित त्रिपाठी चौक तक आई पुनःशहीद पार्क में भारत माता पूजन उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय वंदे मातरम की उद्घोष से पूरा नगर गूंज उठा यात्रा में 75 मी का तिरंगा एवं विद्या भारती के भैया बहनों का घोष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। अमित मेमोरियल इंटर कॉलेज के छात्र एवं नगर पालिका परिषद के कर्मचारी गढ़ का विशेष सहयोग रहा सह मंत्री उमेश चंद्रगुप्त एवं श्रवण तिवारी कार्यालय प्रभारी नगर पालिका परिषद के देखरेख में कार्यक्रम अपनी ऊंचाई को प्राप्त किया।

तिरंगा यात्रा के दौरान मार्ग में स्थित चंद्रशेखर आजाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी शहीद स्मारक एवं शहीद अमिय त्रिपाठी के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया। संचालन सह मंत्री अध्यापक राजू मद्धेशिया एवं आभार पूर्व न्यायाधीश संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक जैन, त्रिभुवन मणि त्रिपाठी, डॉ कालिंदी मणि त्रिपाठी, शशि प्रभा सिंहा, सभासद राजेश मद्धेशिया, सह मंत्री सरिता मिश्रा, गोपेश्वर प्रताप सिंह, जगदीश सिंह, संजय भारती, हरेंद्र, मुस्तफा, कमोद पांडेय, मुद्रिका ममता उपस्थित रहे।

अयोध्या से लौटीं साध्वी ऋतंभरा में छाया उल्लास

मथुरा । अयोध्या धाम में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने गए अतिथि वापस हो गए हैं। तीर्थनगरी मथुरा के वृंदावन से गईं साध्वी ऋतंभरा भी वापस आ गई हैं। उनके वापस वात्सल्य ग्राम पहुंचने पर शिष्य-शिष्याओं एवं गोकुलम की माताओं ने मुख्य द्वार पर उनका पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। 108 दीपों से उनकी आरती उतारी। भगवा पताकाओं के बीच आतिशबाजी करते हुए ढोल नगाड़ों के साथ नाचते-गाते दीदी मां को मंगल मानस ले गए। जहां

उन्होंने सर्व मंगला माता का पूजन-अर्चन किया। सभी ने उल्लास के साथ खुशियां मनाईं और नृत्य किया। इस मौके पर साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा से भारत का खोया गौरव फिर से लौट आया है। अयोध्यापुरी अब पूरे विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बनेगी। श्री रामलला के दर्शन से वर्षों वर्ष का ताप-संताप दूर हो गया है। हृदय की दरिद्रता चली गई है। 500 सालों की प्रतीक्षा के बाद मंदिर बना तो प्राण प्रतिष्ठा भी उसी भव्यता और दिव्यता के साथ हुई है। 11 दिन के उपवास और तप के बाद प्रधानमंत्री ने प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा पूजन किया तो ऐसा लगा कि युगों बाद भारत को ऐसे प्रधानमंत्री मिले हैं, जिन्होंने बहुसंख्यक सनातनी जगत की जन भावनाओं को समझा और उनका सम्मान किया। ऋषियों-मुनियों, शूरवीरों के श्रम और साधना के कारण ही हमको यह दिन देखने को मिला है। बहुत वर्षों का बोझ मेरे हृदय से उतर गया है। मेरा वर्षों का आर्तनाद पर्मोल्लास में परिवर्तित हो गया है।

30 फीट नीचे नदी में गिरी कार 4 दोस्तों की मौत

बिजनौर ।बिजनौर में मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़ते हुए 30 फीट नीचे नदी में गिर गई। हादसे के वक्त कार में दो भाई समेत 5 दोस्त सवार थे। इनमें 4 की मौत हो गई। जबकि एक कार के पीछे का शीशा तोड़कर बाहर आ पाया। करीब 2 घंटे तक कार पानी में पड़ी रही। कार ग्राम प्रधान की थी, 15 दिन पहले ही उसने खरीदी थी। प्रधान के एक बेटे की मौत हो गई। जबकि दूसरा बेटा कार से बाहर निकल आया। हालांकि, उसकी हालत अभी ठीक नहीं है। उसने बताया कि नदी से बाहर आकर मैं चिल्लाया। वहां से गुजर रहे एक ट्रैक्टर चालक ने आवाज सुनी। फिर पुलिस और ग्रामीणों को सूचना दी। दो घंटे चला रेस्क्यू तब कार को नदी से बाहर निकाला मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन और रस्सी की

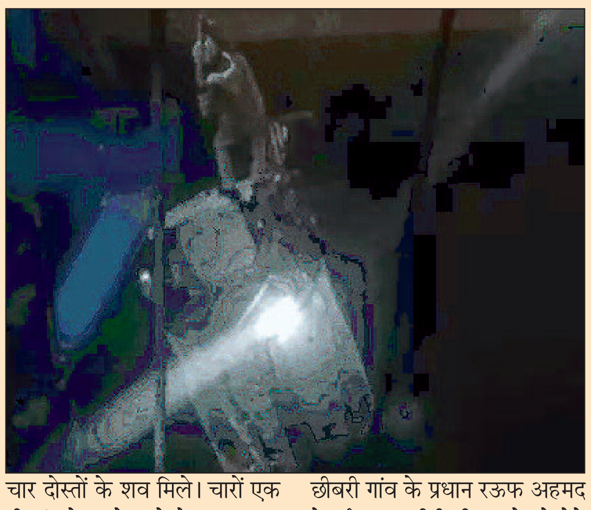

मदद से कार को बाहर निकालने की कोशिश की। पुलिस ने पहले जेसीबी बुलाकर रेस्क्यू का प्रयास किया। लेकिन कार बाहर नहीं निकल पाई। इसके बाद हाइड्रा मंगाया गया। अंधेरा होने के कारण कोई भी नीचे उतरने को तैयार नहीं था। बमुश्किल गांव का एक व्यक्ति हाइड्रा के तारों से लटककर नीचे पहुंचा और कार को कसा। इसके करीब दो घंटे बाद कार को बाहर निकाला गया। कार के अंदर सभी चार दोस्तों के शव मिले। चारों एक ही गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि कार की तेज स्पीड के कारण हादसा हुआ है। हादसा शाम करीब 9 बजे के आसपास हुआशेरकोट थाना क्षेत्र के नूरपुर छीबरी गांव के प्रधान रऊफ अहमद ने नई कार खरीदी थी। उनके दो बेटे सिकंदर (20) और महरुफ (28) मंगलवार शाम तीन दोस्तों के साथ (38), अब्दुल रशीद ,राशिद (23) और फैसल (22) के साथ अफजलगढ़ में मेला देखने गए थे। रात को वापस लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रामगंगा नदी पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरी। कार सवार पांचों लोग अंदर फंस गए। इनमें से सिकंदर किसी तरह कार का शीशा तोड़कर बाहर आया। हालांकि, वह अपने भाई महरुफ और दोस्तों को नहीं बचा पाया। महरुफ विकलांग था। चारों की मौत हो गई।जहां कार गिरी..वहां 30 से 35 फीट गहरा पानीमौके पर पहुंची पुलिस ने सिकंदर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने बताया कि जिस जगह पर कार गिरी थी, वहां पर 30 से 35 फीट गहरा पानी था। पुलिस ने बताया कि हादसे की वजह घना कोहरा और तेज रफ्तार होने की आशंका है।

भारत का समर्थन

तमाम तरह की टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहने वाले दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने अपनी एक ताजा टिप्पणी में बहुत से लोगों के मुंह की बात छीन ली है। मस्क ने एक्स पर अपनी टिप्पणी में कहा है कि यह बेहद बेतुकी बात है कि दुनिया की सबसे ताकतवर संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत नहीं है। मस्क ने तो अफ्रीका को भी वहां एक सीट देने की बात कही। यह ऐसी बात है, जिसे दुनिया भर में कई जगह पिछले कुछ समय से कहा जा रहा है। खुद भारत पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से इसकी कोशिश कर रहा है। जिस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे, उस समय इसे लेकर कई कोशिशें हुई थीं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मनमोहन सिंह ने भी 2005 से इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए थे। साल 2008 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन जब भारत दौरे पर आए, तब मनमोहन सिंह के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा था कि भारत अगर सुरक्षा परिषद की उस मेज पर नहीं है, तो दुनिया की बहुत सारी समस्याएं कभी नहीं सुलझेंगी। साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से इसकी मांग कुछ ज्यादा तेज हुई है और दुनिया में इसकी जरूरत को स्वीकार भी किया जाने लगा है। आबादी के अनुपात से देखें, तो दुनिया के हर पांच में औसतन एक व्यक्ति भारतीय है। अगर भारत सुरक्षा परिषद में नहीं है, तो सीधे तौर पर दुनिया की आबादी के पांचवें हिस्से को वहां प्रतिनिधित्व नहीं मिला हुआ है। अगर आर्थिक पैमाने पर देखें, तो भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, जबकि सुरक्षा परिषद में इसके मुकाबले छोटी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश जमे बैठे हैं। भारत को सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाने का मामला दरअसल दुनिया की इस सर्वोच्च संस्था के सत्ता समीकरण को उचित प्रतिनिधित्व से संतुलित करने का मामला भी है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले दिनों कहा भी था कि पांच स्वयंभू चौधरी हैं, जो एक साथ बैठकर पूरी दुनिया का फैसला करते हैं, इसे बदलना होगा। अभी तक हमारे सामने जो सुरक्षा परिषद है, वह दरअसल सात-आठ दशक पहले की दुनिया के संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है। नए दौर के हिसाब से इसे बदला जाना बहुत जरूरी हो गया है। 2015 में दुनिया के 193 देशों ने आम सभा में संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली में सुधार का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया था। तब भारत ने कहा था कि विश्व व्यवस्था में सुधार तभी होगा, जब सुरक्षा परिषद का स्वरूप बदला जाएगा। जरूरी बदलाव के हिसाब से यह साल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ही महीने बाद संयुक्त राष्ट्र का एक विशेष सत्र होने वाला है, जिसका विषय है- भविष्य के लिए सम्मेलन : बेहतर कल के लिए बहुस्तरीय समाधान। वैसे एलन मस्क की गिनती न तो विश्व मामलों के विशेषज्ञ के तौर पर होती है और न ही ऐसे शख्स के तौर पर, जिसकी बात को दुनिया के राजनयिक गौर से सुनते हों।

बाड़बंदी कितनी व्यावहारिक

म्यांमार में सैन्य शासकों और सशस्त्र विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष तेज होने का परिणाम वहां से भारत की सीमा में आ रहे शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। मिजोरम सरकार के अनुरोध पर पिछले हफ्ते आए 276 सैनिकों को वापस म्यांमार भेजने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि म्यांमार से लगती सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी और दोनों देशों के बीच जारी फ्री मूवमेंट रिजीम को समाप्त किया जाएगा। म्यांमार में सिविल वॉर के हालात बनने की शुरूआत फरवरी 2021 में मानी जा सकती है, जब वहां की सेना ने लोकतांत्रिक सरकार का तख्तापलट करते हुए जबरन सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हालात बिगड़ने शुरू हुए पिछले साल अक्टूबर से, जब वहां के तीन अल्पसंख्यक जनजातीय समूहों के विद्रोहियों ने मिलकर सेना पर हमले शुरू कर दिए। इसके बाद संघर्ष तेज होता गया और बड़ी संख्या में आम लोग जान बचाने के लिए सीमा पार कर मणिपुर और मिजोरम जैसे सीमा से लगते राज्यों में आने लगे। विद्रोही सैनिकों के कैंप पर कब्जा जमा लेने के बाद सेना के जवान और अफसर भी सीमा पार कर भारत आ जाते हैं। नवंबर से अब तक म्यांमार के 635 सैनिक भारत आ चुके हैं, जिनमें से अधिकतर को वापस भेजा जा चुका है। मगर आम शरणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। सिर्फ मिजोरम में करीब 30,000 रिफ्यूजी कैंपों में रह रहे हैं। जाहिर है, भारत सरकार इस हालात में मूकदर्शक बनी बैठी नहीं रह सकती। जैसी स्थितियां म्यांमार में बन गई हैं, उनके मद्देनजर माना जा रहा है कि वहां की सैन्य सरकार अब तक की सबसे गंभीर चुनौती से जूझ रही है। लेकिन यह म्यांमार की आतंरिक समस्या है। केंद्रीय गृहमंत्री के बयान का एक सीधा मतलब यह भी है कि भारत सरकार पड़ोसी देश के आंतरिक मामले में किसी तरह का दखल नहीं देना चाहती। सिर्फ बढ़ते शरणार्थियों की समस्या से निजात पाना चाहती है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि क्या सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला व्यावहारिक साबित होगा। म्यांमार के साथ भारत की सीमा न केवल लंबी (1643 किलोमीटर) है और भारत के चार राज्यों झ अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, निजोरम और मणिपुर झ से लगती है बल्कि पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है।

कपूरी बाबू एक सच्चे जननायक थे

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

सामाजिक न्याय के लिए कपूरी बाबू ने जो प्रयास किये, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानी समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियों को हासिल किया और जीवनभर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे। जननायक कपूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वे इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल ना हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वे बस विनम्रता से हाथ जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि देने उनके गांव गये। कपूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गये कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है! कपूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वे बिहार के सीएम बने थे।

हमारे जीवन पर कई लोगों के व्यक्तित्व का प्रभाव रहता है। जिन लोगों से हम मिलते हैं, हम जिनके संपर्क में रहते हैं, उनकी बातों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन, कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके बारे में सुनकर ही आप उनसे प्रभावित हो जाते हैं। मेरे लिए ऐसे ही रहे हैं जननायक कपूरी ठाकुर। आज कपूरी बाबू की 100वीं जन्म-जयंती है। मुझे कपूरी जी से कभी मिलने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन उनके साथ बेहद करीब से काम करने वाले कैलाशपति मिश्र जी से मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। सामाजिक न्याय के लिए कपूरी बाबू ने जो प्रयास किये, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानी समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियों को हासिल किया और जीवनभर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे। जननायक कपूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वे इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल ना हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वे बस विनम्रता से हाथ

जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि देने उनके गांव गये। कपूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गये कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है! कपूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वे बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानी जेपी के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। उसमें शामिल मुख्यमंत्री कपूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर जी ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कपूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कपूरी जी तो कपूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया। सामाजिक न्याय तो जननायक कपूरी ठाकुर जी के मन में रचा-बसा था। उनके राजनीतिक जीवन को एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रयासों के लिए जाना जाता है, जहां सभी लोगों तक संसाधनों का समान रूप से वितरण हो और सामाजिक हैसियत की परवाह किए बिना उन्हें अवसरों का लाभ मिले। उनके प्रयासों का उद्देश्य भारतीय समाज में पैठ बना चुकी कई असमानताओं को दूर करना भी था। अपने आदर्शों के लिए कपूरी ठाकुर जी की प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उस कालखंड में भी जब सब ओर कांग्रेस का राज था, उन्होंने कांग्रेस विरोधी लाइन पर चलने का फैसला किया। क्योंकि उन्हें काफी पहले ही इस बात का अंदाजा हो गया था कि कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से भटक गयी है। कपूरी ठाकुर जी की चुनावी यात्रा 1950 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुई और यहीं से वे राज्य के सदन में एक ताकतवर नेता के रूप में उभरे। वे श्रमिक वर्ग, मजदूर, छोटे किसानों और युवाओं के संघर्ष की सशक्त आवाज बने। शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कपूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वे स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के बहुत बड़े पैरोकार थे, ताकि गांवों और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों के कल्याण के लिए भी कई अहम कदम उठाये। ऊ्ङ्कॢ८, ज्ुंइ और ऊॄ४२२ङ्कल्ल तो कपूरी जी के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा था। लोकतंत्र के लिए उनका समर्पण भाव, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही दिख गया था, जिसमें उन्होंने अपने-आप को झोंक दिया। उन्होंने देश पर जबरन थोपे गये आपातकाल का भी पुरजोर विरोध किया था। जेपी, डॉ लोहिया और चरण सिंह जी जैसी विभूतियां भी उनसे काफी प्रभावित हुई थीं। समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए जननायक कपूरी ठाकुर जी ने एक ठोस कार्ययोजना बनायी थी। यह सही तरीके से आगे बढ़े, इसके लिए पूरा एक तंत्र तैयार किया था। यह उनके सबसे प्रमुख योगदानों में से एक है। उन्हें उम्मीद थी कि एक ना एक दिन इन वर्गों को भी वो प्रतिनिधित्व और अवसर जरूर दिये जायेंगे, जिनके वे हकदार थे। हालांकि उनके इस कदम का काफी विरोध हुआ, लेकिन वे किसी भी दबाव के आगे झुके नहीं। उनके नेतृत्व में ऐसी नीतियों को लागू किया गया, जिनसे एक ऐसे समावेशी समाज की मजबूत नींव पड़ी, जहां किसी के जन्म से उसके भाग्य का निर्धारण नहीं होता हो। वे समाज के सबसे पिछड़े वर्ग से थे, लेकिन काम उन्होंने सभी वर्गों के लिए किया। उनमें किसी के प्रति रत्तीभर भी कड़वाहट नहीं थी और यही तो उन्हें महानता की श्रेणी में ले आता है। हमारी सरकार निरंतर जननायक कपूरी ठाकुर जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीतियों और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही थी कि कपूरी जी जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात बस एक राजनीतिक नारा बनकर रह गयी थी। कपूरी जी के विजन से प्रेरित होकर हमने इसे एक प्रभावी गवर्नेंस मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज जननायक कपूरी जी जरूर गौरवान्वित होते। गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा हैं, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। हम आज सैचुरेशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक योजना का लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थियों को मिले। इस दिशा में हमारे प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। आज जब मुद्रा लोन से डइउ, रउ और रळ समुदाय के लोग उद्यमी बन रहे हैं, तो यह कपूरी ठाकुर जी के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है। इसी तरह यह हमारी सरकार है, जिसने SC, ST और **OBC RESERVATION** का दायरा बढ़ाया है। हमें ओबीसी आयोग (दुख की बात है कि कांग्रेस ने इसका विरोध किया था) की स्थापना करने का भी अवसर प्राप्त हुआ, जो कि कपूरी जी के दिखाए रास्ते पर काम कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू की गई पीएम-विश्वकर्मा योजना भी देश में ओबीसी समुदाय के करोड़ों लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते बनायेगी। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे जननायक कपूरी ठाकुर जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे जैसे अनेक लोगों के जीवन में कपूरी बाबू का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। दुर्भाग्यवश, हमने कपूरी ठाकुर जी को 64 वर्ष की आयु में ही खो दिया। हमने उन्हें तब खोया, जब देश को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जन-कल्याण के अपने कार्यों की वजह से करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में जीवित हैं। वे एक सच्चे जननायक थे।

ये लेखक के निजी विचार हैं।

बगैर बछड़े के नहीं बचेगा देहात

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक चित्र की काफी प्रशंसा हुई, जिसमें वे देशी नस्ल की गायों को चारा खिला रहे हैं। उस चित्र में सफेद गायों के साथ काले रंग का एक बैल भी था। बहुत अहम संदेश छुपा है इस चित्र मेंझ गाय के साथ बैल भी महत्वपूर्ण है धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए। उत्तर प्रदेश, जहां अर्थव्यवस्था का मूल आधार खेती है, के 2019 के बजट में एक अजब प्रावधान था- ऐसी सरकारी योजना लागू की जा रही है कि गाय के बछड़े पैदा हो ही नहीं, बस बछिया ही हो। इसके पीछे कारण बताया गया है कि इससे आवारा पशुओं की समस्या से निजात मिलेगी। भारत में एक पुरानी योजना है, जिसके तहत गाय का गभार्धान ऐसे सीरम से करवाया जाता है, जिससे केवल मादा ही पैदा हो। लेकिन इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है क्योंकि यह देशी गाय पर कारगर नहीं है। महज संकर गाय ही इस प्रयोग से गाभिन हो रही हैं। एक ही लिंग के जानवर पैदा करने की योजना बनाने वालों को प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने और बीटी कॉटन बीजों की असफलता को भी याद कर लेना चाहिए। तीन दशक पहले तक गांव में बछड़ा होना शुभ माना जाता था। घर के दरवाजे पर बंधी सुंदर बैल की जोड़ी ही किसान की संपन्नता का प्रमाण होती थी। एक महीने का बछड़ा भी हजार रुपये में बिक जाता था, जबकि बछिया को दान करना पड़ता था। फिर खेती के मशीनीकरण का प्रपंच चला। आबादी के लिहाज से खाद्यान्न की कमी, पहले की तुलना में ज्यादा भंडारण की सुविधा, विपणन के कई विकल्प होने के बावजूद किसान के लिए खेती का घाटे का सौदा बन जाना और उसकी लागत बढ़ना जैसे दुष्परिणाम सामने हैं। इस समय उत्तर प्रदेश में आवारा गौवंश आफत बना हुआ है। इन आवारा पशुओं में अधिकांश गाय ही हैं। असल में हम यह मानने को तैयार

नहीं हैं कि हमने गौवंश का निरादर कर एक तो अपनी खेती की लागत बढ़ायी, दूसरा घर के दरवाजे बंधे लक्ष्मी-कुबेर को कूड़ा खाने को छोड़ दिया। यह एक भ्रम है कि भारत की गायें कम दूध देती हैं। बरेली के पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में चार किस्म की भारतीय गायों- सिंघी, थारपारकर, वृंदावनी, साहीवाल पर शोध कर सिद्ध कर दिया है कि इन नस्लों की गायें न केवल हर दिन 22 से 35 लीटर दूध देती हैं, बल्कि ये संकर या विदेशी गायों से अधिक काल तक यानी आठ से 10 साल तक दूध देती हैं। करनाल के एनडीआरआई के वैज्ञानिकों की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ज्यादा तपने वाले भारत जैसे देशों में अमेरिकी नस्ल की गायें न तो ज्यादा जी पायेंगी और न ही ज्यादा दूध दे पायेंगी। चमड़े की मोटाई के चलते देशी गायों में ज्यादा गर्मी सहने, कम भोजन व रखरखाव में भी जीने की क्षमता है। कुछ ही सालों में हमें इन्हीं देशी गायों की शरण में जाना होगा, लेकिन तब तक हम पूरी तरह विदेशी सीमेन पर निर्भर होंगे। पूरे देश में एक हेक्टेयर से कम जोत वाले किसानों की तादाद 61.1 फीसदी है। देश में 1950-51 में सकल घरेलू उत्पादन में कृषि का योगदान 53.1 फीसदी हुआ करता था। आर्थिक समीक्षा के अनुसार अब यह 13.9 फीसदी है। नेशनल सैंपल सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 40 फीसदी किसानों का कहना है कि वे केवल इसलिए खेती कर रहे हैं क्योंकि उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। जब एक हेक्टेयर से कम रकबे के अधिकतर किसान हैं, तो उन्हें ट्रैक्टर, बिजली से चलने वाले पंप या गहरे ट्यूब वेल की क्या जरूरत थी? उनकी थोड़ी सी फसल के परिवहन के लिए वाहन की जरूरत क्या थी? ट्रैक्टर ने किसान को उधार में डुबोया, बिजली के पंप ने किसान को पानी की बबार्दी की और लागत बढ़ाया। कंपोस्ट की जगह नकली खाद की फिराक में किसान बर्बाद हुआ। खेत मजदूर का रोजगार छिना, तो वह शहरों की ओर दौड़ा। ऊर्जा विशेषज्ञ मानते हैं कि हमारे देश में गोबर के जरिये 2000 मेगावाट ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है। भारत में मवेशियों की संख्या कोई तीस करोड़ है। इनसे लगभग 30 लाख टन गोबर हर रोज मिलता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अध्यात्म, ज्ञान और शिक्षा की तपोभूमि उत्तर प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएं। बीते सात वर्षों में प्रदेश ने प्रगति की एक नई गाथा लिखी है, जिसमें राज्य सरकार के साथ जनता-जनार्दन ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की है। मुझे विश्वास है कि विकसित भारत की संकल्प यात्रा में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखण्ड को हमेशा से खनिज संपदा और खनन के लिए जाना जाता है। वर्षों से उसी को लेकर नीति निर्धारण होता रहा है। मगर हमने राज्य को आगे ले जाने के लिए यहां की सामाजिक, स्वास्थ्य और शैक्षणिक क्षेत्रों पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कोरोना काल में हमने हमें पूर्व में विरासत में मिली लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल देखा। उस व्यवस्था के बावजूद हमने लोगों की दिन-रात सेवा की। मुझे विश्वास है आने वाले समय में लगभग 5 हजार करोड़ की इस विश्वस्तरीय परियोजना के अंतर्गत अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, 500 बेड का अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, समाजिक क्षेत्र को लेकर शिक्षा और स्कूल जैसे निर्माण से झारखण्ड के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी। इस विश्वस्तरीय परियोजना की रोशनी देश के कोने-कोने में फैलेगी। इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

डर की जगह उम्मीद कायम हो

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के साथ देश ने अपनी राह पर एक तीखा मोड़ लिया है। मंदिर के समर्थक मंदिर के उद्घाटन से जुड़ी रस्मों में राज्य की केंद्रीय भूमिका का जश्न मना रहे हैं, जबकि इसके विरोधियों को डर है कि यह एक खतरनाक फिसलन की शुरूआत है। भारतीय राष्ट्रीयता को लेकर दो बिल्कुल भिन्न दृष्टियां इन दोनों पक्षों को प्रेरित करती हैं। मंदिर का उद्घाटन भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अगर व्यापक जीत नहीं, तो निर्णायक मील का पत्थर जरूर है। मोदी ने कहा कि यह भारत के इतिहास में एक नये युग की शुरूआत है, एक ऐसा युग जो सदियों तक चलेगा। उन्होंने विजय के उत्सव के साथ विनम्रता का आह्वान किया और राम की भावना की सार्वभौमिकता का हवाला दिया जिसमें समस्त मानवता समाहित है। मंदिर को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और देश के विभिन्न क्षेत्रों व समुदायों की भविष्य की

महत्वाकांक्षाओं के बीच सेतु के रूप में निरुपित करते हुए, मोदी ने नागरिकों से बड़ा सोचने और प्रगति के लिए लगन से काम करने की अपील की। रामराज्य की बहुत सी कल्पनाएं की गयी हैं। अयोध्या के इस मंदिर को एक ऐसी राजनीति की संकल्पना को प्रेरित व प्रोत्साहित करना होगा, जो अतीत के मोह से नहीं, बल्कि वर्तमान की कठिनाइयों और भविष्य की चुनौतियों व अवसरों की स्वीकृति से निर्धारित होती हो। प्रधानमंत्री ने इस तथ्य का भी उल्लेख किया कि मंदिर निर्माण का रास्ता न्यायिक निर्णय से निकला है। सुप्रीम कोर्ट के जिस फैसले ने अयोध्या की विवादित भूमि हिंदू याचिकाकताओं को सौंपी थी, उसी ने स्पष्ट रूप से यह भी कहा था कि 6 दिसंबर, 1992 को कारसेवकों द्वारा बाबरी मस्जिद ढहाया जाना ह्यकानून का गंभीर उल्लंघनह्ण था। मंदिर के भक्तों को, अपने उत्सव के क्षण में, अतीत से अनजान नहीं बन जाना चाहिए। विजय के आह्लाद और शिकायत की जगह सुलह और समन्वय की शुरूआत होनी चाहिए; और डर की जगह उम्मीद को लेनी चाहिए। पूजा स्थलों से जुड़े अन्य विवाद निपटाने के लिए इसी मॉडल के इस्तेमाल का लोभ तुरंत छोड़ा जाना चाहिए। ऐतिहासिक शिकायतों के निपटारे की कोशिश अप्रत्याशित सामाजिक ताकतों को जन्म दे सकती है और राष्ट्रीय एकता को खतरे में डाल सकती है। वर्ष 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिस आसानी से मंदिर निर्माण हुआ उसकी सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने खुद इस तथ्य की ओर इशारा किया। वर्तमान-समय की राजनीति के निर्माण में, अक्सर अतीत का इस्तेमाल मनचाहा आकार दी जा सकने वाली सामग्री के रूप में किया जाता है। निश्चित रूप से इसका उपयोग मतभेदों को उभारने की जगह, एकता निर्मित करने और समन्वय स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। देश चलाने की समझ-बूझ सही विकल्प का चुनाव करने में है।

तनाव में इजाफा

दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया का दुश्मन देश घोषित करने और शांतिपूर्ण तरीके से दोबारा एकीकरण के विचार को त्यागने का किम जोंग-उन का फैसला इस बात का संकेत है कि प्योंगयांग अब और ज्यादा आक्रामक रुख अपना रहा है। हाल के महीनों में युद्ध को लेकर श्री किम की बयानबाजियों में इजाफा होने के साथ-साथ उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों के परीक्षणों की एक श्रृंखला भी देखी गई है। पिछले हफ्ते प्योंगयांग ने मध्यम दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल दागने का दावा किया था, जो कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। उसने पानी के भीतर, मानव रहित और परमाणु शक्ति से लैस ड्रोनों का भी परीक्षण किया है। इस महीने की शुरूआत में, उत्तर कोरिया ने विवादित अंतर-कोरियाई समुद्री सीमा और दक्षिण के कोरिया के उत्तरी सीमा रेखा के करीब स्थित येओनपयोंग और बेंगनीओंग द्वीपों के पास सैकड़ों गोले दागे। इन कार्रवाइयों से यह साफ है कि किम का निजाम यथास्थिति को बदलना चाहता है। लेकिन श्री किम की हरकतें पूरी तरह से बेवजह नहीं हैं। वह दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य समन्वय को अपनी सुरक्षा के लिए एक खतरा के रूप में देखते हैं। इन तीनों देशों ने हाल ही में अपने मिसाइल-रडार डेटा को एक-दूसरे के साथ जोड़ा है। संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास भी करते हैं, जिस पर उत्तर कोरिया की ओर से तीखी प्रतिक्रिया होती है। मई 2022 में पदभार संभालने वाले दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने भी प्योंगयांग के प्रति कड़ा रुख बनाए रखा है और कहा है कि शांति केवल ताकत से ही हासिल की जा सकती है। अतीत में, उत्तर कोरिया अपनी तमाम बयानबाजियों के बावजूद दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ राजनयिक संवाद के लिए तैयार रहा था। वर्ष 1994 में, वह क्लिंटन प्रशासन के साथ एक सहमत ढांचे के लिए राजी हो गया था।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Thursday, 25 January 2024

रियलमी ने भारत में पांच साल में 10 करोड़ स्मार्टफोन बेचे

- कंपनी ने कहा, वह उत्पाद सुधार के अलावा ब्रांडिंग बेहतर करने पर भी ध्यान देगी

कोलंबो ।

चीन की स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने अपनी स्थापना के पांच साल के अंदर 2023 में भारत में 10 करोड़ स्मार्टफोन बेचने का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि ब्रांड इस साल अपनी बिक्री को और बढ़ाने के लिए कामकाज, फोटोग्राफी और डिजायन को उत्कृष्ट बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। यह स्मार्टफोन की अपनी तीन श्रृंखलाओं के साथ विविध बाजार खंड में है। सी श्रृंखला किफायती मूल्य पर गुणवत्ता, डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, संख्या श्रृंखला उन्नत फोटोग्राफी विकल्पों के साथ मध्य-श्रेणी खंड को लक्षित करती है और जीटी श्रृंखला अधिक उन्नत तकनीक पर ध्यान देने के साथ अत्याधुनिक खंड में स्थित है। उन्होंने यहां बातचीत के दौरान कहा कि उत्पाद सुधार के अलावा कंपनी ब्रांडिंग बेहतर करने पर भी ध्यान देगी। इसका लक्ष्य विशेष रूप से युवा उपभोक्ताओं की जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करने वाला एक तकनीकी ब्रांड बनना है। उत्पाद नवाचार और ब्रांडिंग उन्नयन की यह दोहरी रणनीति कंपनी को भारतीय बाजार में प्रासंगिक बने रहने में मदद करेगी। उन्होंने 2024 की रणनीति पर कहा कि रियलमी नवाचार के लिए 30 प्रौद्योगिकी साझेदारों के साथ सहयोग करना और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में भारी निवेश करना चाहता है। हम अनुसंधान एवं विकास में 470 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। यह हमारी तकनीकी क्षमताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह भारत के बाजार में मध्य-उच्च श्रेणी खंड में जाने की हमारी महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। रियलमी का मुख्यालय चीन के शेनजेन शहर में है। कंपनी ने ग्राहकों का रुख जानने और समन्वय करने के लिए पिछले साल भारत में एक अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र खोला था। उन्होंने कहा ` कि भारत में हमारी नजर कुछ रोमांचक भविष्य पर है, इसलिए हमने एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र सिर्फ गैजेट और उपकरण नहीं बना रहा है बल्कि व्यापक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। इससे भारत में रोजगार के 13,000 अवसर प्राप्त हुए। यह मेक इन इंडिया के समर्थन में और स्थानीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि 5जी उत्पादों के लिए लोगों के बीच बढ़ती पसंद को स्वीकार करते हुए रियलमी भारत में 5जी तकनीक का लोकतंत्रीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

ब्रेंट क्रूड का भाव 0.45 डॉलर गिरकर 79.61 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक दिन उछाल के बाद बुधवार सुबह फिर गिरावट देखी गई। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के खुदरा भाव भी जारी कर दिए हैं। बुधवार को नोएडा में पेट्रोल महंगा हुआ है, गाजियाबाद में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जहां पेट्रोल 96.58 रुपये लीटर बिक रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 35 पैसे चढ़कर 97.00 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 32 पैसे महंगा होकर 90.14 रुपये लीटर हो गया है। बिहार के बक्से सर जिले में पेट्रोल 29 पैसे बढ़कर 108.55 रुपये लीटर तो डीजल 29 पैसे चढ़कर 95.27 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 3 पैसे सस्ता होकर 108.45 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 3 पैसे की गिरावट के साथ 93.69 रुपये लीटर बिक रहा है। वैश्विक बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.45 डॉलर गिरकर 79.61 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई में भी गिरावट दिखी और यह 74.42 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। वहीं दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 108.45 रुपये और डीजल 93.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बक्सर में पेट्रोल 108.35 रुपये और डीजल 95.27 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

तीसरी तिमाही में कैनरा बैंक के शुद्ध लाभ में 27 फीसदी की वृद्धि

मुंबई।

केनरा बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही का नतीजा घोषित किया। बैंक के शुद्ध लाभ में 26.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 3,656 करोड़ रुपए बढ़ गया।

पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 2,881.5 करोड़ रुपए था।तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 9.5 प्रतिशत बढ़कर 9,417 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 8,600 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक का ऋण 12.6 फीसदी बढ़ गया। बैंक ने संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया।

सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) जुलाई-सितंबर तिमाही में 43,955.6 करोड़ रुपये से तीसरी तिमाही में कुल ऋण का 5.1 प्रतिशत गिरकर 41,722 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की एनपीए में भी 3 प्रतिशत की गिरावट आई। तीसरी तिमाही में बैंक का प्रावधान दूसरी तिमाही के 2,609 करोड़ रुपये से गिरकर 1,899 करोड़ रुपये हो गया। केनरा बैंक का वैश्विक कारोबार साल-दर-साल 9.87 फीसदी बढ़कर 22,13,360 करोड़ रुपए हो गया, जिसमें दिसंबर 2023 में वैश्विक जमा 12,62,930 करोड़ रुपए और वैश्विक अग्रिम 9,50,430 करोड़ रुपए था। बैंक की घरेलू जमा राशि 11,66,848 करोड़ रुपए थी जो साल-दर-साल 8.07 फीसदी अधिक है, जबकि इस अवधि के दौरान घरेलू अग्रिम 12.56 फीसदी बढ़कर 9,01,465 करोड़ रुपए हो गया। बीएसई पर केनरा बैंक के शेयर में नतीजों के बाद 0.18 फीसदी की गिरावट आई। इसका शेयर प्राइस 455.10 रुपए पर आ गया।

स्विगी प्लेटफॉर्म शुल्क 10 रुपए तक बढ़ाएगी

मुंबई ।

आईपीओ लाने की तैयारियों के बीच फूड डिलीवरी एग्रीगेटर स्विगी अपनी प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाने की तैयारी कर रही है। स्विगी इस समय प्लेटफॉर्म फीस 5 रुपए प्रति ऑर्डर ले रही है जिसे सीधा दोगुना बढ़ाकर 10 रुपए किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अपनी प्लेटफॉर्म फीस में संभावित इजाफा करने के लिए स्विगी ने टेस्टिंग भी शुरू कर दी है। एक छोटे यूजर वर्ग के ऊपर इसकी टेस्टिंग चल रही है और इसे कंपनी की सोची-समझी कारोबारी रणनीति के तहत लिया गया कदम माना जा सकता है। ये ठीक वैसा ही है जब अप्रैल 2023 में स्विगी ने 2 रुपए प्रति यूजर की नॉमिनल फीस लेनी शुरू की थी जिसे कुछ ग्राहकों पर लागू किया गया था और बाद में इसे बढ़ाकर सभी ग्राहकों पर लागू कर दिया गया था। इस समय स्विगी पर मौजूदा प्लेटफॉर्म फीस 5 रुपए है। स्विगी के प्रवक्ता ने कहा है कि कंपनी ने अपनी प्लेटफॉर्म फीस में इजाफा नहीं किया है और निकट अवधि में कोई बड़ी बढ़ोतरी करने की योजना नहीं है। हम हमेशा अपने ग्राहक की पसंद को समझने के लिए प्रयोग करते रहते हैं। ये एक छोटा प्रयोग था और अगर ये हमारे ग्राहकों को सुविधा देने के लक्ष्य को सबसे अच्छी तरह पूरा नहीं करेगा तो हम शायद इसे भविष्य में आगे नहीं बढ़ाएंगे।

भारतीय अंतरिक्ष संघ को बजट में पीएलआई, जीएसटी छूट की उम्मीद

चेन्नई।

भारतीय अंतरिक्ष संघ ने आगामी बजट में अंतरिक्ष अभियानों में काम आने वाले कंपोनेंट्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट, कर अवकाश, रियायती सीमा शुल्क और बाहरी वाणिज्यिक उधार पर कम कर दर की उम्मीद जताई है।यह संघ भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र की निजी कंपनियों की लॉबी है।उसके अनुसार, उपग्रहों, रॉकेटों और जमीनी उपकरण विनिर्माण के साथ-साथ प्रमुख इनपुट की खरीद पर भी जीएसटी में छूट दी जानी चाहिए। चूंकि अंतरिक्ष क्षेत्र पूंजी प्रधान है, इसलिए बाह्य वाणिज्यिक उधार पर कर की दर को कम करके पांच प्रतिशत किया जाना चाहिए।संघ ने केंद्र सरकार से अंतरिक्ष क्षेत्र की फर्मों के लिए कर अवकाश और छूट, अधिसूचित आयातों के लिए सीमा शुल्क में रियायत और कम लाभ मार्जिन को देखते हुए सैटेलाइट सेक्टर के लिए विदहोल्डिंग टैक्स को 10 प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत करने की माँग की है। सरकार से को कृषि, आपदा प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष तकनीकी समाधान खरीदने और अपनाने की भी माँग की गई है। संघ ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र और संबंधित पहलुओं के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति पर स्पष्टता की तत्काल आवश्यकता है। उसने नए दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत गैर-नीलामी स्पेक्ट्रम आवंटित उपग्रह सेवाओं के लिए समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के प्रतिशत के रूप में उचित एसयूसी (स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क) ढाँचा तैयार करने, कर प्रभाव को अनुकूलित करने के लिए सैटेलाइट ऑपरेटरों को एकमुश्त शुल्क और लाइसेंस शुल्क पर 25 प्रतिशत मूल्यह्रास की अनुमति की भी माँग की है।

किशमिश के दामों में भारी कमी 140 से 190 रुपए में बिकी

इंदौर ।

महाराष्ट्र में अंगूर की फसल बहुत अच्छी होने के कारण, किशमिश के दामों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले साल की तुलना में इस साल अंगूर का उत्पादन ज्यादा हुआ है। बाजार में नया अंगूर आना शुरू हो गया है। पुरानी किशमिश का स्टॉक बाजार में उपलब्ध है। नई किशमिश भी जल्द ही आना शुरू हो जाएगी। किशमिश की मांग कम होने और आवक बढ़ने से इंडियन किशमिश का भाव 140 रुपए से लेकर 190 रुपए प्रति किलो के बीच में आ गया है।

सेम्बकॉर्प को पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली । सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज की शाखा ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी को भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) से 450 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि निर्माण-स्वामित्व-परिचालन परियोजना पूरे भारत में अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं को विकसित करने के लिए सेकी द्वारा जारी 2 गीगावाट बोली का हिस्सा है। बयान के अनुसार सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली नवीकरणीय सहायक कंपनी ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी लिमिटेड (जीआईडब्ल्यूईएल) के माध्यम से एसईसीआई से 450 मेगावाट आईएसटीएस से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना के लिए ठेका मिला है। परियोजना के पूरा होने पर उत्पन्न बिजली 25 साल के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत सेकी को बेची जाएगी। यह परियोजना पीपीए पर दस्तखत होने की तारीख से 24 महीने के भीतर वाणिज्यिक संचालन के लिए तैयार होने की संभावना है और इसे कोष और कर्ज से वित्त पोषित किया जाएगा। इसके साथ भारत में सेम्बकॉर्प का सकल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 4.2 गीगावाट हो गया है।

हिताची एनर्जी का मुनाफा कई गुना बढ़कर 23 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । हिताची एनर्जी इंडिया का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में कई गुना बढ़कर 23 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा ` कि कंपनी का मुनाफा 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में कई गुना होकर 23 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4.6 करोड़ रुपये था। हिताची एनर्जी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बयान में कहा कि उभरते ऊर्जा परिदृश्य की जटिलताओं से निपटने में प्रौद्योगिकियों और बाजार नवाचार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनसे विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा परिवर्तन की गति में और तेजी आई है, जिससे हमें इस तिमाही में अपनी वृद्धि बनाए रखने में मदद मिली है। कंपनी की आमदनी आलोच्य तिमाही में बढ़कर 1,276.4 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,041 करोड़ रुपये थी। कंपनी को समीक्षाधीन तिमाही में 1,235 करोड़ रुपये के ऑर्डर हो सिल हुए, जबकि दिसंबर, 2022 तिमाही में 1,222.1 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले थे।

ईबे इंक एक हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

मुंबई । ई-कॉमर्स रिटेलर ईबे इंक अपने लगभग एक हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है जो उसके पूर्णकालिक कार्यबल का नौ प्रतिशत है। ईबे के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों के साथ साझा किए गए एक पत्र में कहा कि हम अपनी रणनीति के खिलाफ प्रगति कर रहे हैं। हमारी कुल वर्कफोर्स और खर्च हमारे कारोबार की वृद्धि से आगे निकल गए हैं। इसे ठीक करने के लिए हम संगठनात्मक बदलाव करना चाह रहे हैं। इसके तहत एंड टू एंड एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने और दुनिया भर में हमारे ग्राहकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए कुछ टीमों को अलाइन और कंसोलिडेट किया जा रहा है। नौकरियों में कटौती के अलावा कंपनी आने वाले महीनों में अपने वैकल्पिक कार्यबल के भीतर कॉन्ट्रैक्ट्स की संख्या भी कम कर देगी। पिछले फरवरी में ईबे ने वैश्विक स्तर पर 500 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना की घोषणा की थी, जो उसके कुल कार्यबल का 4 फीसदी है। टेक कर्मचारियों के लिए नए साल 2024 की खराब शुरुआत हुई है। दरअसल, टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला इस साल भी जारी है। छंटनी पर नजर रखने वाली वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक इस साल कुछ हफ्तों में ही 63 टेक कंपनियों ने छंटनी की है। इसके तहत अब तक कुल 10963 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। इस महीने की शुरुआत में गूगल ने कहा कि वह वॉयस असिस्टेंट टीमों, पिक्सेल, नेस्ट और फिटबिट के लिए जिम्मेदार हार्डवेयर डिवीजनों और एडवर्टाइजिंग सेल्स टीम सहित कई यूनिट्स में हजारों कर्मचारियों की छंटनी करेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 690 , निफ्टी 215 अंक उछला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। बाजार में ये उछाल खरीदारी हावी होने से आया है हालांकि आज दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेत मिले थे। आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही उसमें धातु, जिंस और टेलीकॉम शेयरों में खरीददारी से आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाल बीएसई सेंसेक्स 689.76 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी ऊपर आकर 71,060.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 71,149.61 अंक तक जाने के बाद 70,001.60 अंक तक फिसला। वहीं पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 215.15 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी टूटकर 21,453.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक 3.77 फीसदी बढ़े हैं। वहीं एचसीएल टेक के शेयर 3.62 फीसदी, इंडसइंड बैंक के 3.60 फीसदी, पावरग्रिड के 3.34 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और भारतीय एयरटेल के शेयर भी बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और टीसीएस के शेयर नीचे आये हैं। इन शेयरों में 2.94 फीसदी तक की गिरावट रही। सेंसेक्स के कुल 30 में से 25 शेयर जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्की नीचे आया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट उछला। यूरोप के प्रमुख बाजारों की बात करें तो जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। वहीं अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 फीसदी बढ़कर 80.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अडाणी समूह नेपाल के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में करेगा निवेशः मंत्री

काठमांडू।

नेपाल के वित्त मंत्री राम शरण महत ने कहा है कि अडाणी समूह नेपाल में हवाई अड्डों और ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में निवेश करेगा।महत ने हाल ही में गुजरात में दिग्गज कारोबारी से मुलाकात के बाद कहा, ÷अडाणी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने नेपाल में, विशेष रूप से ऊर्जा और हवाई अड्डा प्रबंधन क्षेत्रों में, निवेश का प्रस्ताव दिया था। महत - जो वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद हाल ही में गुजरात से लौटे हैं - ने अडाणी से मुलाकात की थी, जिन्होंने बदले में नेपाल में विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा के पास नए हवाई अड्डे के निर्माण और भैरवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और अन्य का प्रबंधन संभालने के लिए निवेश करने का वादा किया है।

महत ने आईएएनएस को बताया, ÷मैंने उन्हें (अडाणी को) अप्रैल में आगामी नेपाल निवेश शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई है कि वह शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। नेपाल ने हाल ही में भैरवाहा और पोखरा में दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए हैं, लेकिन भारत द्वारा नेपाली उड़ानों के संचालन के लिए एयर स्पेस प्रदान करने से इनकार करने के बाद वे नियमित उड़ानें संचालित करने में विफल रहे हैं।पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा चीनी ऋण से बनाया गया था जबकि भैरवाहा में हवाई अड्डा एशियाई विकास बैंक द्वारा दिए गए ऋण से चीनी ठेकेदारों द्वारा बनाया गया था। महत ने कहा कि उन्होंने (अडाणी) ने काठमांडू में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार और संचालन करने, भैरवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रबंधन लेने और बारा में निजगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण का इरादा व्यक्त किया था। महत ने अडाणी के हवाले से आईएएनएस को बताया, निजगढ़ में नए हवाई अड्डे की लागत लगभग 6.7 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। हम भैरवाहा में अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा संचालित करने के लिए तैयार हैं और निजगढ़ में हवाईअड्डे का निर्माण करेंगे। महत ने कहा कि अडाणी ने नेपाल में जलविद्युत परियोजनाओं विशेषकर भेरी और करनाली परियोजनाओं में निवेश करने का इरादा जताया है। उन्होंने कहा, ÷अडाणी समूह की एक टीम ने हाल ही में काठमांडू का दौरा किया था और नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के महानिदेशक प्रदीप अधिकारी के साथ बातचीत की और नेपाल के हवाईअड्डा क्षेत्र में निवेश की संभावना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऋण से बनाए गए पोखरा क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (पीआरआईए) और गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीबीआईए) को संचालित करने में असमर्थ होने के बाद, सीएएएन ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) और निजगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण सहित तीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के संचालन में निजी क्षेत्र को लाने का फैसला किया है। महत ने कहा, सीएएएन ने चार हवाई अड्डों को सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल पर संचालित करने की अनुमति देने के लिए संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा है।

लेकिन सीएएएन ने तीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों को पट्टे पर देने और नेपाल-भारत सीमा के पास स्थित निजगढ़ में एक और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए वैश्विक बोली प्रक्रिया का मन बना लिया है।

देश क्रिटिकल और रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर बढ़ रहाः प्रह्लाद जोशी

- देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है

भोपाल ।

केंद्रीय कोयला, खनन और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश क्रिटिकल मिनरल्स, रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर आगे बढ़ रहा है। डाटा रिपोजिटरी अवलेबलिटी में वृद्धि हुई है, लाइसेंस, लीज क्लीयरेंस को भी सरल और त्वरित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी में आयोजित राज्यों के खनिज मंत्रियों के सम्मेलन में जोशी ने मध्यप्रदेश द्वारा खनन गतिविधियों से प्रभावित लोगों के विकास और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए डीएमएफटी के अंतर्गत किए गए कार्यों की सराहना की। मध्यप्रदेश के मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में प्रथम आने पर जोशी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है, खनिज ब्लॉक्स की नीलामी और नवाचारों से राजस्व बढ़ा है, अन्य राज्यों को भी खनिज ब्लॉक्स की नीलामी की दिशा में पहल करना चाहिए। सस्टेनेबल माइनिंग से प्रदेश अपनी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार ला सकते हैं। केंद्र सरकार सभी राज्यों को खनन क्षेत्र में हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब देश क्रिटिकल मिनरल्स, रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर आगे बढ़ रहा है। डाटा रिपोजिटरी अवलेबलिटी में वृद्धि हुई है, लायसेंस, लीज क्लीयरेंस को भी सरल और त्वरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय खनन मंत्रालय द्वारा खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों और नवाचारों से मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। हमारी समृद्ध भू-गर्भ संपदा में अनेक संभावनाएं छिपी हैं, इन सुधारों के क्रियान्वयन और नवाचारों को अपनाने से प्रदेश आर्थिक रूप से सुदृढ़ होगा। ब्लॉक्स की नीलामी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसका भारत सरकार द्वारा जारी प्रमाण मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि 29 खनिज ब्लॉकों की नीलामी कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा है।

बर्मन परिवार को रेलिगेयर में 31.27 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी लेने मिली मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डाबर इंडिया के प्रवर्तक बर्मन परिवार की चार संस्थाओं द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में 31.27 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। इससे वित्तीय सेवा कंपनी में उनकी बहुलांश हिस्सेदारी हो गई है। निष्पक्ष व्यापार नियामक ने चार संस्थाओं को शेयर बाजार खरीद के माध्यम से रेलिगेयर का 5.27 प्रतिशत और खुली पेशकश के माध्यम से अन्य 26 प्रतिशत हासिल करने की अनुमति दी। सीसीआई ने कहा कि बर्मन परिवार के नियंत्रण वाली चार इकाइयां-पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, एम.बी. फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड, वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी है। रेलिगेयर अपनी सहायक कंपनियों और परिचालन संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय सेवा व्यवसाय में लगी हुई है। बर्मन परिवार ने बीमा और एफएमसीजी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2023 तक रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में बर्मन परिवार की हिस्सेदारी 21.17 फीसदी थी। खुली पेशकश के साथ-साथ खुले बाजार में शेयरों की खरीद के माध्यम से अतिरिक्त 31.27 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद रेलिगेयर में इसका स्वामित्व 52 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।

फूड

लोहे के तवे पर भी नहीं चिपकेगा डोसा, बस अपनाएं ये तरीके

साउथ इंडियन फूड किसे पसंद नहीं होता। अक्सर कई सेलिब्रिटी को ये कहते सुना जाता है कि वो सांभर और चटनी के साथ नाश्ते में डोसा खाना पसंद करते हैं। ये काफी हेल्दी होता है। कई लोग कोशिश करते हैं कि उनका डोसा बाजार जैसा बने पर ऐसा नहीं होता। अक्सर जब लोग लोहे के तवे पर डोसा बनाते हैं तो ये चिपक जाता है। इससे तवा भी खराब होता है और साथ में डोसे का टेस्ट भी खराब होता है। लोगों की इस परेशानी का हल हमारे पास है। दरअसल, आज की खबर में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जिसको अपनाकर आप अपने डोसे को एकदम बाजार जैसा कुरकुरा बना सकते हैं। इसके लिए आपको डोसा बनाते वक्त सिर्फ कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। अगर आप डोसा बनाना चाह रही हैं तो सबसे पहले तवे को अच्छे से साफ कर लें। अगर इस पर तेल या गंदगी लगी रहेगी तो डोसा सही से नहीं बनेगा। इसके लिए आपको तवे को अच्छे से साफ करना चाहिए। डोसा बनाने के लिए तवे को पहले से तैयार करना चाहिए। इसके लिए आप प्याज या आलू को आधा काट लें। अब आप कटे हुए आधे प्याज या आलू को तेल में डुबाकर इससे तवे को चिकना कर सकते हैं। अगर आपका डोसा लगातार चिपक रहा है तो तवे को एक बार अच्छे से गर्म करें फिर ठंडा कर लें। अब जब आप इस तवे पर डोसा बनाएंगी तो ये ज्यादा कुरकुरा बनेगा। अगर आप डोसा बनाने जा रहीं हैं तो इसके बेटर को तुंरत फ्रिज से निकाल कर इस्तेमाल ना करें। डोसा बनाने के कुछ समय पहले इसे बाहर निकाल कर नॉर्मल कर लें। डोसे का बेटर तैयार करते वक्त ध्यान रखें कि इसमें पानी ज्यादा ना डाला गया हो। अगर बेटर में पानी ज्यादा होगा तो डोसा फटने लगेगा।

फैशन

सलवार सूट

सलवार सूट में लंबी नजर आने के लिए फॉलो करें ये टिप्स एंड ट्रिक्स

सलवार- सूट बहुत ही कंफर्टेबल इंडियन वेयर है। जिसे ऑफिस, डे आउटिंग से लेकर शादी-ब्याह जैसे खास मौकों पर भी पहना जा सकता है, लेकिन कई लड़कियां इसे चाहकर भी सिर्फ इसलिए नहीं पहन पाती, क्योंकि उनकी हाइट कम होती है और सलवार- सूट पहनने पर और कम नजर आती है, तो आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ऐसे टिप्स एंड ट्रिक्स, जिन्हें फॉलो कर आप नजर आ सकती हैं इस आउटफिट में लंबी। अगर आपकी हाइट कम है, तो सलवार- सूट में लंबी नजर आने के लिए डार्क कलर की कुर्तियां शामिल करें। डॉर्क कलर्स एक तरह का इल्यूजन क्रिएट करते हैं, जिस वजह से हाइट कम होने के बाद भी लंबी नजर आती है। अपने स्किन टोन के हिसाब से ग्रीन, ब्लू, पर्पल, ब्लैक व मैरुन जैसे शेड्स चुनें। रंगों के बाद बात आती है प्रिंट की। सूट का प्रिंट भी हाइट को लंबा और शॉर्ट दिखाने में बहुत बड़ा रोल निभाता है। ध्यान दें जहां बड़े और हॉरिजॉन्टल प्रिंट हाइट को कम दिखाते हैं, वहीं छोटे और वर्टिकल प्रिंट हाइट को लंबा। तो सोच-समझकर करें प्रिंट्स का चुनाव। फ्लोर लेंथ, एंकल लेंथ सूट आजकल ट्रेंड में हैं और नो डाउट ये काफी खूबसूरत भी लगते हैं, लेकिन अगर आपकी हाइट कम है, तो इतने लंबे सूट चुनने की गलती न करें क्योंकि इसमें आपकी हाइट और कम नजर आएगी। बजाय इसके घुटने के थोड़े नीचे तक की कुर्ती चुनें। थाइज तक की लंबाई वाली कुर्ती भी न चुनें क्योंकि एक तो ये बहुत ज्यादा ट्रेंड में नहीं हैं और दूसरा हाइट को कम भी दिखाते हैं। सूट में लंबा नजर आने के लिए कुर्ती की तो बात हो गई, लेकिन साथ ही साथ बॉटम पर भी ध्यान देना जरूरी है। कुर्ती के साथ पलाजो पहन रही हैं, सिगरेट पैंट्स या फिर लैंगिग्स...चूड़ीदार या फुल लेंथ की जगह एंकल लेंथ का ऑप्शन चुनें।

हेल्थ

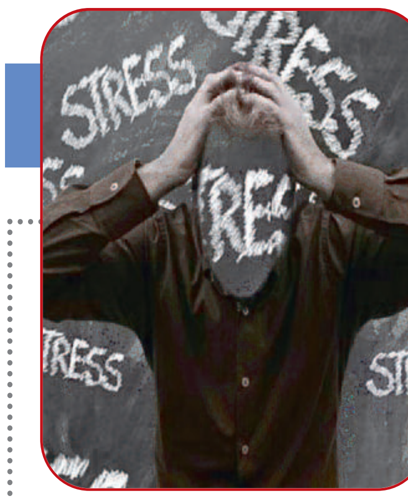

स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन एक ही समस्या नहीं

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं मौजूदा समय में तेजी से बढ़ती गंभीर स्थितियां हैं, लगभग सभी उम्र के लोगों में इसका दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसिक स्वास्थ्य विकारों को लेकर बड़ी चिंता ये है कि सामाजिक टैबू के कारण बड़ी संख्या में रोगियों को इलाज उपलब्ध नहीं हो पाता है। ये विकार कई प्रकार के हो सकते हैं जैसे स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन आदि। अगर इनका समय पर उपचार न किया जाए तो इसके कारण कई तरह की गंभीर शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं का भी जोखिम हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य विकारों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्याओं को सबसे कॉमन माना जाता है, पर ये तीनों एक दूसरे से भिन्न स्थितियां हैं। कहीं आप भी तो इन्हें एक ही समस्या नहीं समझते आ रहे हैं। आइए जानते हैं कि इनमें क्या अंतर है? सभी लोगों के लिए ये जानना जरूरी है। स्ट्रेस या तनाव होना सामान्य स्थिति है, यह परिस्थिजन्य हो सकता है। तनाव, भावनात्मक या शारीरिक समस्याओं के कारण हो सकती है। किसी घटना या विचार के कारण भी आपको तनाव हो सकता है, ज्यादातर स्थितियों में ये अपने आप ही ठीक हो जाता है। हालांकि अगर आपको लंबे समय तक स्ट्रेस की दिक्कत बनी रहती है और सामान्य उपायों से इसमें लाभ नहीं मिलता है तो इस बारे में किसी चिकित्सक से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। सरल शब्दों में समझें तो जब हम दबाव या खतरा महसूस करते हैं तो इसकी प्रतिक्रिया में तनाव होता है। यह आमतौर पर तब होता है जब हम ऐसी स्थिति में होते हैं कि हमें नहीं लगता कि स्थिति का प्रबंधन या नियंत्रण कठिन हो रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 3075

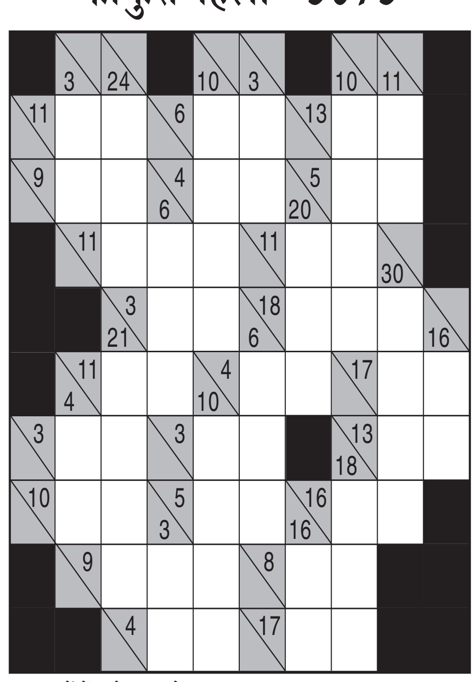

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

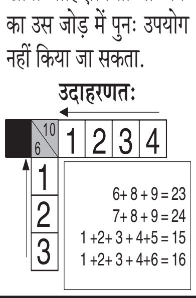

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3074 का हल

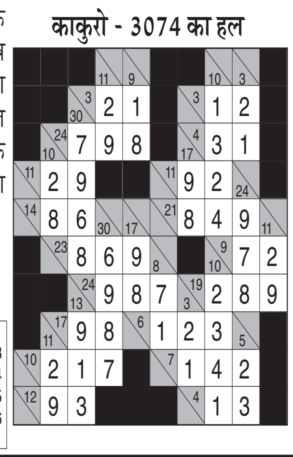

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

❑ ❑ ❑

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

❑ ❑ ❑

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

❑ ❑ ❑

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3075

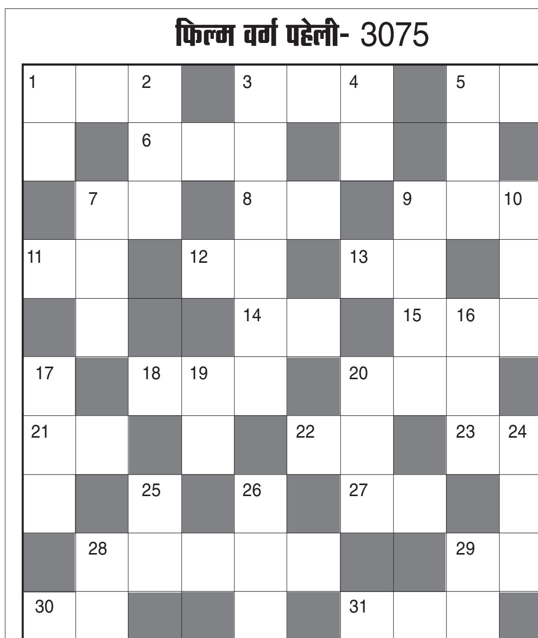

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3074

सूडोकु -3075

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3074 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3075

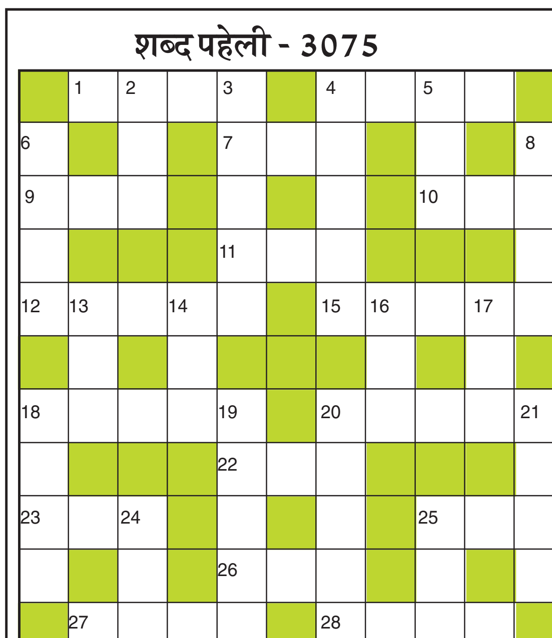

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3074 का हल

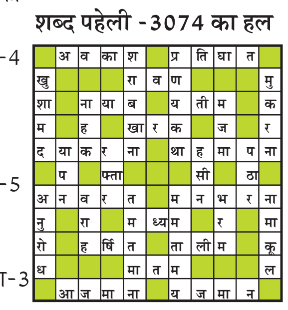

भारत-इंग्लैंड पहला टेस्ट आज से

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में गुरुवार से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट शुरु होगा। इस सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को घरेलू मैदानों का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उसे प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा। भारतीच पिचें स्पिनरों की सहायक होती हैं। जिससे भी टीम को लाभ होगा। कप्तान रोहित शर्मा की टीम इस सीरीज को हर हाल में जीतना चाहेगी।

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह रजत पाटीदार को अवसर मिला है। पाटीदार का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड रहा है। वहीं केएल राहुल इस सीरीज में बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। विकेटकीपर के तौर पर केएस भरत या ध्रुव जुरेल में से किसी एक को मौका मिलेगा। भारतीय बल्लेबाजी रोहित के अलावा राहुल और यशस्वी जायसवाल , शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदार आर अश्विन , रविन्द्र जडेजा और कुलदीप यादव पर रहेगी। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। पांच मैचों की ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने को देखते हुए भी बेहद अहम है। ऐसे में इंग्लैंड भी इसमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड के बीच अभी तक कुल 131 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। इसमें से 50 मुकाबले इंग्लैंड की टीम ने जबकि भारतीय टीम ने केवल 31 मैच जीते है। वहीं 50 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस प्रकार मेहमान टीम का पलड़ा भारी नजर आता है पर टीम इंडिया ने अपने घरेलू मैदान पर कुल 22 मैचों में जीत दर्ज की। वहीं भारत को इंग्लैंड में कुल 9 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड को अपने घरेलू मैदान पर कुल 36 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि भारत में 14 मुकाबले में जीत मिली है।

वहीं भारत में स्पिन पिचों को देखते हुए बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने पहले टेस्ट के लिए तीन स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज को शामिल किया है। यहां तक कि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को भी जगह नहीं मिली है। रेहान अहमद, जैक लीच और टॉम हार्टले स्पिन की जिम्मेदारी संभालेंगे। तेज गेंदबाज के रूप में उन्होंने सिर्फ मार्क वुड को ही टीम में जगह दी है। हार्टले इस मैच से टेस्ट डेब्यू करेंगे। इंग्लैंड ने बेन फॉक्स को भी टीम में जगह दी है। यानी वह टीम के लिए बतौर विकेटकीपर खेलेंगे और जॉनी बेयरस्टो टीम में एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। टीम में प्रमुख बल्लेबाज जो रुट भी शामिल हैं।

टीम

भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आवेश खान।

इंग्लैंड टीम- बेन स्टोक्स (कप्तान) , जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, मार्क वुड, टॉम हार्टले और जैक लीच।

बीडबल्यूएफ रैंकिंग में सात्विक-चिराग का कमाल, दुनिया की नंबर वन जोड़ी बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार को बीडबल्यूएफ पुरुष डबल्स बैडमिंटन रैंकिंग में फिर टॉप पर पहुंच गए हैं। वह पिछले दो हफ्ते से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी। बता दें कि, दोनों पिछले साल हांगझू एशियाई खेलों में ऐतिहासिक गोल्ड पदक जीतने के बाद पहली बार टॉप रैंकिंग पर पहुंचे।

इंडिया ओपन फाइनल में उन्हें वर्ल्ड चैंपियन कांग मिन युक और सिओ सांग जाए ने हराया। अन्य भारतीयों में एचएस प्रणय आठवें नंबर पर पहुंच गए जबकि लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत क्रमश 19वें, 25वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं।

पहले दो टेस्ट मैचों के लिए विराट की जगह रजत पाटीदार शामिल

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने विराट कोहली की जगह पहले दो टेस्ट मैचों के लिए बल्लेबाज रजत पाटीदार को शामिल किया है। विराट ने निजी कारणों से पहले दो टेस्ट मैचों से नाम वापस ले लिया था। वहीं उनकी जगह शामिल रजत इस मैच से अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे। पाटीदार का घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में शानार रिकार्ड रहा है। पाटीदार ने गत वर्ष दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मुकाबले में ही 16 गेंदों में 137.50 की स्ट्राइक रेट के साथ 22 रन बनाए थे। पिछले सप्ताह पाटीदार ने भारत ए टीम की ओर से अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 151 रन बनाए थे। ये बल्लेबाज इस समय शानदार लय में है जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। आईपीएल में पाटीदार ने 12 मैच खेलकर 40.4 की औसत और 144.29 की स्ट्राइक रेट से 404 रन बनाए हैं।

इससे पहले बीसीसीआई ने घोषणा की थी कि विराट ने व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से नाम वापस ले लिया है। बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा, विराट ने निजी कारणों का हवाला देते हुए भारतीय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट से हटने का अनुरोध किया था। साथ ही कहा कि मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करता है कि वे इस दौरान विराट कि निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत कारणों की प्रकृति पर अटकलें लगाने से बचें।

जायसवाल को पछाड़कर रचिन रवींद्र बने आईसीसी इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी रचिन रवींद्र और ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फोएबे लीचफील्ड को क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में आईसीसी इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर का विजेता चुना गया है। रवींद्र को भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल और क्रमशः श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका और गेराल्ड कोएत्जी से टक्कर मिली थी। न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाजी ऑलराउंडर रवींद्र ने 2023 में अपने वनडे कारनामों के लिए सुर्खियां बटोरीं, जिस प्रारूप में उन्होंने मार्च में पदार्पण किया था।

रचिन रवींद्र के लिए साल 2023 क्रिकेट विश्व कप खास रहा था। उन्होंने विश्व कप में 578 रन बनाए थे जोकि न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। रचिन ने विश्व कप के पहले ही मुकाबले में इंगलैंड के खिलााफ 96 गेंदों पर नाबाद 123 रन बनाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद बेंगलुरु में पाकिस्तान के खिलाफ भी शतक लगाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक उत्साही लक्ष्य का पीछा करते हुए 116 रन बनाए जोकि उन्हें खूब चर्चा दे गया।

अवॉर्ड जीतने के बाद रवींद्र ने आईसीसी के एक बयान में कहा कि यह स्पष्ट रूप से एक बहुत ही खास एहसास है। जब भी आपको किसी चीज के लिए आईसीसी द्वारा मान्यता दी जाती है, तो यह हमेशा विशेष होता है। पिछले साल या उसके आसपास काफी बवंडर रहा है। इतने सारे अलग-अलग वातावरण में इतना क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है वास्तव में खास रहा। सभी साथी नामांकितों को बधाई, जिनका साल अविश्वसनीय रहा और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

महिला वर्ग में फोएबे ने साल की शानदार शुरुआत की और पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपने पहले 2 एकदिवसीय मैचों में लगातार नाबाद अर्धशतक जमाए। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम में चयन से चूकने के बावजूद लीचफील्ड ने डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन बनाकर मजबूत वापसी की। भारत के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में 119 रन भी बनाए।

फोएबे ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज लॉरेन बेल, बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मारुफा एक्टर और स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर डार्सी कार्टर से आगे यह पुरस्कार जीता। उन्होंने अवॉर्ड जीतने के बाद कहा कि मैं आईसीसी की वर्ष की उभरती हुई महिला क्रिकेटर नामित होने पर रोमांचित हूं। अविश्वसनीय क्रिकेटरों के साथ नामांकित होना एक सम्मान की बात है और मैं सभी पुरस्कार नामांकितों को अपनी बधाई देना चाहती हूं।

यह महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ा साल रहा है और सभी टीमों का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जो हमारे खेल के भविष्य के लिए रोमांचक है। इंग्लैंड और भारत के खिलाफ घर से दूर बहु-प्रारूप श्रृंखलाएं हमारे समूह के लिए बड़ी चुनौतियां थीं लेकिन हमने इसका लुत्फ उठाया। अवसर।

द्रविड़ ने हैदराबाद की पिच को अच्छा बताया कहा, समय के साथ मिलेगा टर्न

हैदराबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए यहां की पिच अच्छी रहेगी।साथ ही कहा कि समय के साथ ही इससे स्पिनरों को अधिक सहायता मिलेगी।द्रविड़ ने कहा कि पिच के बारे में अभी कुछ कहना कठिन है।जब मैच शुरू होगा हम तब इसके बारे में पता करेंगे। मैंने जो देखा है उसमें यह पिच अच्छी दिख रही है। उन्होंने कहा कि पिच से हालांकि स्पिनरों को टर्न मिलेगा हालांकि ये कितनी जल्दी और कितनी तेजी से मिलता है इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कह सकता हूं। खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा निश्चित रूप से गेंद को अधिक टर्न मिलेगी।भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच के लिए यहां नेट अभ्यास सत्र में भाग लिया।टीम के लिए यह वैकल्पिक सत्र था पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को छोड़कर सभी खिलाड़ियों ने 2 घंटे से अधिक समय तक इस सत्र में भाग लिया।वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने भी माना कि उनकी टीम ने भी पिच के बारे में चर्चा की है।उन्होंने कहा कि हमने पिच पर चर्चा की है।हम इसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं है।हमारी टीम में इतना आत्मविश्वास है कि हम कुछ खास कर सकते हैं।हमारे पास स्पिनर है, हमारे पास तेज गेंदबाज हैं, हमारे पास अच्छे बल्लेबाज हैं और हाल के दिनों में हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।उन्होंने माना कि यह काफी कठिन होगा क्योंकि हम ऐसी पिचों पर खेलने के आदी नहीं है पर हमें इसका तरीका ढूंढना होगा।वुड ने कहा कि हम अपने को इन पिचों के अनुसार ढालेंगे।वहीं हैदराबाद क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने कहा कि हमारे पास पिच तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है।

यशस्वी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के अनुसार युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने का अवसर है।गावस्कर ने कहा कि यशस्वी दक्षिण अफ्रीका के कड़े और उछाले भरे विकेटों की तुलना में भारतीय पिचों पर अधिक सहज होकर खेल पायेगा।

गावस्कर ने कहा कि घरेलू पिचें अलग होंगी। अतिरिक्त उछाल के कारण दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर खेलना मुश्किल था इसलिए ये बल्लेबाज वहां उम्मीद के अनसार प्रदर्शन नहीं कर पाया।यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज भी वहां संघर्ष करते दिखे थे।उसने सेंचुरियन के अलावा वेस्टंडीज में जिस प्रकार से प्रदर्शन किया था उसे देखते हुए ये पक्का है कि वह भारतीय पिचों पर खेलते हुए टीम में अपनी जगह पक्की कर लेगा।गावस्कर ने कहा कि आपको शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाज की जरूरत होती है।इसलिए मेरा मानना है कि वह इस सीरीज में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

वेस्टइंडीज से भिड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने टी20 टीम की घोषणा की, इस खिलाड़ी को मिली कप्तानी

टोक्यो (एजेंसी)। नई दिल्ली -क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को आगामी तीन मैचों की श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ 14 सदस्यीय टी20आई टीम की घोषणा की, जो 9 फरवरी से शुरू होगी। बल्लेबाजी ऑलराउंडर मिशेल मार्श को कप्तान बनाया गया है जबकि ग्लेन मैक्सवेल की वापसी हुई है।

टेस्ट और वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले चुके डेविड वॉर्नर को टी20 टीम में शामिल किया गया है। वॉर्नर के अलावा टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस को भी टीम में रखा गया है। फरवरी के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20आई श्रृंखला से पहले अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और स्टीव स्मिथ को आराम दिया गया है।

2022 में आरोन फिंच के टी20आई से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने अभी तक 20 ओवर के प्रारूप में अपने स्थायी कप्तान की पुष्टि नहीं की है। दक्षिण अफ्रीका पर 3-0 की जीत के दौरान मार्श ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व किया। हालांकि विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने भारत दौरे के दौरान टीम की कमान संभाली।

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी 50 ओवर की श्रृंखला से आराम देने के बाद कैरेबियाई टीम का सामना करने के लिए टी20 टीम में शामिल किया गया है। चूंकि हेजलवुड इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की नीलामी के दौरान अनसोल्ड रहे, इसलिए वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला 33 वर्षीय खिलाड़ी के लिए विश्व कप से पहले 20 ओवर के प्रारूप में खेलने का आखिरी मौका होगा।

ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच पहला टी20 मैच 9 फरवरी को होबार्ट में खेला जाएगा। दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 11 और 13 फरवरी को एडिलेड और पर्थ में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम - मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेसन बेहरनडॉर्फ, टिम डेविड, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

भारत पहुंचे पीटरसन बोले , जय श्री राम

हैदराबाद ।इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन भारतीय टीम के साथ सीरीज में कमेंट्री के लिए भारत आये हैं।पीटरसन ने भारत पहुंचते ही जय श्रीराम कहकर अभिवादन किया।भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु होगा।इससे पहले केविन पीटरसन ने हैदराबाद की पिच पर सवाल उठाए थे, जिसमें भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच होना है पर अब उनका रवैया बदला हुआ नजर आ रहा है। पीटरसन इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटरों में शामिल रहे हैं। भारत के खिलाफ भी इस बल्लेबाज का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पीटरसन भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में अफ्रीका टी20 लीग में शामिल थे।इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि अब भारत जाने का वक्त है, जहां गुरुवार से बड़ी टेस्ट सीरीज होने वाली है। पीटरसन ने इस पोस्ट के तकरीबन 4 घंटे बाद एक और पोस्ट में हिंदी में , 'जय श्री राम लिखा।' पीटरसन वैसे तो पहले भी हिंदी में कई ट्वीट कर चुके हैं हालांकि, कई यूजर उनके जय श्री राम वाले ट्वीट को अयोध्या के राम मंदिर से जोड़कर देख रहे हैं।कई यूजर्स ने पीटरसन के जवाब में अयोध्या में विराजमान भगवान राम की तस्वीर साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ आक्रमक रणनीति से मिलेंगे काफी विकेट

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना लाभप्रद रहेगा। बुमराह के अनुसार इससे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें काफी विकेट मिल सकते हैं। कप्तान बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की बैजबॉल (आक्रामक) होकर खेलने की रणनीति की भी इस सीरीज में कड़ी परीक्षा होगी।

बुमराह ने कहा, 'मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं पर वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं जिससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका भी है। जुलाई 2022 में बुमराह को रोहित शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी मिली थी। इसी मैच में उनको इंग्लैंड की इसी आक्रामक रणनीति को देखने का अवसर मिला। इस मैच को इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर सात विकट से जीता था।

बुमराह ने कहा, 'एक गेंदबाज के रूप में मुझे लगता है कि आक्रामक रणनीति मुझे खेल में बनाए रखेगी। अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, इतनी तेजी से खेल रहे हैं तो वे मुझे थकाएंगे नहीं, मुझे काफी सारे विकेट मिल सकते हैं। मैं हमेशा इस बारे में सोचता हूं मैं कैसे चीजों का इस्तेमाल अपने लाभ के लिए कर सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस से प्रेरणा लेते हुए बुमराह अवसर मिलने पर भविष्य में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

इतिहास रचने के बाद रोहन बोपन्ना का बयान, कहा- नंबर एक रैंकिंग भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगी

नई दिल्ली।रोहन बोपन्ना को लगता है कि करियर के अंतिम पड़ाव में उनका युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना भारतीय टेनिस के लिए इस समय प्रेरणादायी रहेगा क्योंकि इस समय वह खराब दौर से जूझता दिख रहा है।बोपन्ना (43 वर्ष) बुधवार को ऑस्ट्रेलयाई खिलाड़ी मैथ्यू इबडेन के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पुरुष युगल की नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बन जायेंगे।करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग से टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले बोपन्ना और इबडेन ने यहां एक घंटे 46 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की छठी वरीय जोड़ी पर 6-4, 7-6 की आसान जीत दर्ज की।बोपन्ना टूर्नामेंट के समाप्त होने के बाद सोमवार को युगल विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जायेंगे।बोपन्ना ने मेलबर्न से पीटीआई से इंटरव्यू में कहा, ''यह उपलब्धि सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि भारतीय टेनिस के लिए भी काफी अहमियत रखती है।अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए आपको किसी चीज की जरूरत होती है।सुमित नागल का भी आस्ट्रेलियाई ओपन शानदार रहा।उसने एक दौर का मैच जीता।'' उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इतनी सारी कुर्बानियों के बाद मिली है।उन्होंने कहा, ''पुरुष युगल में नंबर एक रैंकिंग पर बहुत गर्व है।यह काफी विशेष क्षण है।पर इसके लिए काफी कुर्बानी दी हैं।मेरे कोच और परिवार सभी ने।मेरा परिवार मेरे साथ ही यात्रा कर रहा है इसलिये यह बिलकुल अलग अहसास है।'' बल्कि वह इस बात से ज्यादा खुश हैं कि पिछले हफ्ते भारतीय टेनिस सुर्खियों में रहा।बोपन्ना ने कहा, ''भारतीय टेनिस में कुछ भी नहीं हो रहा था।आपके पास भी कुछ लिखने को नहीं था इसलिये यह सब बिलकुल सही समय पर हुआ।'' इससे पहले अमेरिका के राजीव राम अक्टूबर 2022 में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे।उनकी उम्र 38 थी और करियर में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे।वहीं इबडेन विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जायेंगे।

पुजारा-रहाणे की अनदेखी पर रोहित शर्मा का बयान, कहा- 'युवाओं को ज्यादा मौके देने होंगे'

हैदराबाद (एजेंसी)। बुधवार को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे दिग्गजों का टेस्ट कैरियर लगभग खत्म माना जा सकता है। क्योंकि फोकस युवाओं को अधिक मौके देने पर है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में विराट कोहली के बाहर रहने के फैसले के बाद संभावना जताई जा रही थी कि पुजारा या रहाणे को मौका दिया जायेगा लेकिन अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति पीछे मुड़कर देखने के मूड में नहीं है।

कोहली की जगह रजत पाटीदार को मौका दिया गया। रोहित ने पहले टेस्ट से पूर्व इस फैसले के बारे में कहा ,'' हमने सीनियर खिलाड़ियों को लाने के बारे में सोचा लेकिन फिर युवा खिलाड़ियों को मौके कब मिलेंगे। हमने इस बारे में भी सोचा।'' उन्होंने हालांकि कहा कि सीनियर खिलाड़ियों को बाहर रखने का फैसला आसान नहीं था। रहाणे ने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला था जबकि पुजारा को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद बाहर किया गया।

रोहित ने कहा कि, सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने का फैसला आसान नहीं होता। उन्होंने इतने रन बनाये हैं, इतने मैच जिताये हैं और उनके पास इतना अनुभव है कि उसे अनदेखा करना मुश्किल होता है।'' उन्होंने कहा ,'' लेकिन कई बार आपको नये खिलाड़ियों को मौका देना होता है। उन्हें अनुकूल हालात में मौका देने के बाद ही विदेशी सरजमीं पर उतारा जाना चाहिये। मुझे लगता है कि युवाओं को मौके देना महत्वपूर्ण है।'' पाटीदार ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अहमदाबाद में अनधिकृत टेस्ट में भारत ए के लिये 151 रन बनाये और दो दिवसीय अभ्यास मैच में 111 रन की पारी खेली। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने काफी रन बनाये हैं।

रोहित ने यह भी कहा कि, किसी के लिये दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। फिट रहने और रन बनाने पर किसी को भी मौका मिल सकता है।'' निश्चित तौर पर टीम प्रबंधन के जेहन में अनुभवी खिलाड़ियों की उम्र भी होगी। रोहित (36), कोहली (35) , आर अश्विन (37) और रविंद्र जडेजा (35) कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में कड़ी सुरक्षा, संवेदनशील इलाकों पर नजर

श्रीनगर। गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है ताकि घाटी में समारोह सुचारू और शांतिपूर्वक सुनिश्चित किए जा सकें। पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मी विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा जांच कर रहे हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 137वीं बटालियन ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह से पहले उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। सीआरपीएफ जवानों ने जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की हैं और सभी वाहनों की गहन जांच कर रहे हैं। गश्ती दल द्वारा पूरे राजमार्ग को मेटल डिटेक्टर से भी स्कैन किया जा रहा है।

वहीं, सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू कश्मीर के उधमपुर में सैनिकों की अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। सैन्य कमांडर ने उच्चस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रखने, अभियान संबंधी तैयारियों में अहम योगदान देने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के लिए सैनिकों की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की गई हैं, खासकर शहर और अन्य जिलों के प्रवेश बिंदुओं पर। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वाहनों की औचक जांच कर रहे हैं और लोगों की तलाशी ले रहे हैं। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह जम्मू में होगा जिसकी अध्यक्षता जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे वहींघाटी में सबसे बड़ा समारोह यहां बख्शी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह के समारोह जिला मुख्यालयों पर भी आयोजित किये जायेंगे। अधिकारियों ने कहा कि यहां स्टेडियम सहित घाटी में गणतंत्र दिवस समारोह स्थलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आयोजन स्थलों के आसपास बहु-स्तरीय सुरक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने और शांति भंग करने की इजाजत नहीं देने को कहा गया है।

खेत में खुदाई के दौरान निकला खजाना, ठेकेदार-मजदूर भागे लेकर

संभल। यूपी के संभल जिले में एक खेत में मिट्टी की खुदाई के दौरान खजाना हाथ लगा है। जिसे लेकर ठेकेदार-मजदूर फरार हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां खुदाई करते समय लाखों का खजाना मिल गया। खुदाई कर रहे मजदूर जमीन से निकले सोने और चांदी के सिक्कों को लेकर भागने लगे। खबर है कि एक किलो से अधिक सिक्के लेकर ठेकेदार भी पहले ही रफूचक्कर हो गया। इसकी सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची। मामला जुनावई थाना इलाके के गांव हरगोविंदपुर का बताया जा रहा है, जहां सड़क निर्माण के दौरान मिट्टी की खुदाई में सोने-चांदी के सिक्कों से भरा एक घड़ा निकला। जिसके बाद वहां लूट मच गई। बताया तो यह भी जा रहा है कि सड़क निर्माण करा रहा ठेकेदार एक किलो से अधिक सोने के सिक्के लेकर मौके से फरार हो गया। मामले की पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची है। हालांकि इस मामले में अभी पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया का रहा है कि सोने-चांदी के सिक्कों की कीमत लाखों है। साथ ही मुगलकालीन होने की वजह इसका ऐतिहासिक महत्व भी काफी अधिक है। बताया जा रहा है कि जो सिक्के मिले हैं वह बहादुर शाह ज़फ़र के समय के है। सिक्कों की लूट के बाद ग्राम प्रधान की तरफ से पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है।

ममता बनर्जी की कार का एक्सीडेंट, कार के ब्रेक मारने पर सिर में लगी चोट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी बुधवार को बर्धमान से कोलकाता लौटते समय एक मामूली कार दुर्घटना में घायल हो गईं। सूत्रों के मुताबिक, बारिश के कारण ममता बनर्जी कार से लौट रही थीं। कोहरे के बीच दृश्यता कम होने के कारण ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे मुख्यमंत्री घायल हो गये। तृणमूल प्रमुख के सिर में मामूली चोटें आईं और उन्हें वापस कोलकाता लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क मार्ग से बर्दवान से कोलकाता लौटते समय माथे पर चोट लग गई, जब सीएम के काफिले के सामने अचानक दूसरी कार आ गई तो उनकी कार ने तुरंत ब्रेक लगा दिया। खराब मौसम के कारण वह हेलीकॉप्टर से नहीं लौटीं। आज ममता लगातार सुर्खियों में हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को बड़ा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की है कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का फैसला किया है।

श्रीराम शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी के आरोपी कोर्ट में पेश, बुलडोजर चलाया

मुंबई। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले बीते रविवार की शाम को मुंबई से सटे मीरा भयंदर में विवाद हो गया था। घटना के संबंध में डीसीपी जयंत बजबले ने कहा, कि 21 जनवरी को हुई घटना के बाद 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें आज कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि हमें 5 दिन की कस्टडी मिली है। महानगरपालिका की तरफ से आज बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए यहां पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। गौरतलब है कि इस घटना के बाद भारी फोर्स की तैनाती कर दी है। इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है। साथ ही पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को उसी दिन गिरफ्तार भी कर लिया था। वहीं इलाके के हैदर चौक स्थित मौजूद अवैध निर्माणों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया है। यहां पर रविवार की रात को जय श्रीराम की झंडे लगी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई थी और सोमवार की शाम को शोभायात्रा निकलने के दौरान एक समुदाय के लोगों ने जुलूस पर पत्थरबाजी भी की थी। इधर एआईएमआईएम के सांसद ने घटना को लेकर बयान जारी करते हुए कहा कि मीरा रोड की घटना जारांगे पाटिल के शांतिपूर्ण मार्च को अस्थिर करने और मुद्दे को भटकाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। सरकार नहीं चाहती कि लाखों मराठा मुंबई पहुंचें। इसलिए वे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे मुसलमानों को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी पुरानी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मीरा रोड एक संवेदनशील क्षेत्र है और वहां कोई बंदोबस्त क्यों नहीं किया गया। सी ग्रेड के नेताओं को नफरत भरे बयान देने और माहौल खराब करने की इजाजत क्यों दी जा रही है। हिंसा बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। पुलिस को अपना काम पूरी ईमानदारी से करना चाहिए न कि राजनीतिक दबाव में काम हो

लंबे इंतजार के बाद कश्मीर की वादियां बर्फ की सफेद चादर में लिपटने को तैयार

- 26 जनवरी से 1 फरवरी के बीच बर्फबारी के आसार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर जिस चीज के लिए जाना जाता है, वह रौनक फिर से लौटने वाली है। जी हां, कश्मीर की वादियां जल्द ही बर्फ की सफेद चादर में लिपटने वाली है। मौसम विभाग ने 26 जनवरी से 1 फरवरी के बीच मैदानी इलाकों के साथ-साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी/बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के बयान में कहा गया है कि 28 से 29 जनवरी के बीच कई स्थानों पर निचले, मध्य और ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है, जबकि 30 से 31 जनवरी के बीच ज्यादा जगहों पर हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है। गुलमर्ग में जहां पहले ठंड की शुरुआत में ही बर्फ की चादर बिछ जाती थी, वहां अब तक बर्फबारी का इंतजार है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.3, गुलमर्ग में माइनस 4.8 और पहलगाम में माइनस 6.3 रहा। लद्दाख के लेह में न्यूनतम तापमान माइनस 11.5 और कारगिल में माइनस 10.1 रहा। दरअसल, कश्मीर लंबे समय से सूखे के दौर से गुजर रहा है और दिसंबर में 79 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई। जनवरी के पहले पखवाड़े में घाटी के ज्यादातर हिस्सों में कोई बारिश नहीं हुई है। कश्मीर के अधिकतर मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है। घाटी के ऊपरी इलाकों में सामान्य से कम बर्फबारी हुई है।

पीएम मोदी के मुरीद हुए नीतीश, कांग्रेस पर निशाना, बिना नाम लिए लालू को भी लपेटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक के रूप में विख्यात कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा हुई। इसके बाद से कहीं ना कहीं बिहार की राजनीति में एक बार फिर से श्रेय लेने की होड़ मच गई। इन सबके बीच जो बिल्कुल साफ तौर पर दिखाई दे रहा है वह यह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नीतीश बार-बार केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी का शुक्रिया कह रहे हैं। नीतीश कुमार इस ऐलान के बाद इतने खुश थे कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट कर दिया। पहले संदेश में उन्होंने केंद्र सरकार की तारीफ की थी और धन्यवाद ज्ञापित किया था। हालांकि उन्होंने इसमें नरेंद्र मोदी का नाम नहीं लिया था। इसके बाद उन्होंने तुरंत उस ट्वीट को डिलीट किया और नया संदेश लिखा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए आभार व्यक्त किया।

इतना ही नहीं, मीडिया से बातचीत करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि हम लगातार कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न की मांग करते रहे थे। आखिर केंद्र सरकार ने कल रात में निर्णय लिया। इसलिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। यह बहुत खुशी की बात है। कर्पूरी ठाकुर ने गरीबों के लिए पिछड़ों के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। उन्होंने शिक्षा से लेकर हर क्षेत्र में काम किया। कर्पूरी ठाकुर के जन्मशताब्दी पर आयोजित कार्यक्रम में भी नीतीश कुमार ने कहा कि मोदी सरकार की ओर से भारत रत्न की घोषणा की गई है। भले ही इसके पीछे का उद्देश्य कुछ भी हो, लेकिन पहले की सरकारों ने यह काम नहीं किया। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह काम किया है। इसके अलावा नीतीश ने बिना नाम लिए लालू यादव पर निशाना साधा और कहा की हम भी परिवार को राजनीति में नहीं बढ़ाए। कर्पूरी जी ने भी परिवार को नहीं बढ़ाया। आजकल लोग अपने परिवार को बढ़ाते हैं। कांग्रेस भी सरकार में रही। दूसरे लोग भी रहे, लेकिन भारत रत्न नहीं दिया।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बार-बार नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए आभार जताकर नीतीश कुमार राजनीति में क्या संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं? दरअसल, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को लेकर लगातार चर्चाओं का दौर बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन और राजद से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में वह एक बार फिर से अपने पुराने गठबंधन एनडीए में लौट सकते हैं। यही कारण है कि बिहार में सियासी उलटफेर की पुख्ता संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा नीतीश कुमार बीजेपी के करीब आते हुए दिखाई दे रहे हैं। जदयू और बीजेपी के रिश्तों की कड़वाहट में नरमी दिखाई दे रही है। यही कारण है कि बिहार में नीतीश कुमार को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। हालांकि, भाजपा भी इस मामले को लेकर पूरी तरीके से श्रेय ले रही है और साफ तौर पर कह रही है कि जो काम केंद्र में कोई सरकार नहीं कर पाई, उसे मोदी सरकार ने कर दिखाया है।

राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता, खड़गे ने शाह को लिखा पत्र

नई दिल्ली। गुवाहाटी के शहरी इलाके से रैली की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प भी सामने आई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में न्याय यात्रा के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अब इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले कुछ दिनों में असम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सुरक्षा मुद्दों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में खड़गे ने पिछले कुछ दिनों में कथित तौर पर हुई गंभीर सुरक्षा चूक का हवाला दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने खड़गे के पत्र की एक प्रति ट्विटर पर साझा की है जिसमें कथित तौर पर असम सरकार द्वारा बनाए गए 'डर और धमकी के माहौल' के बारे में पार्टी की चिंताओं को उजागर किया गया है। गृहमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने उनसे इस मामले में हस्तक्षेप करने और राहुल गांधी और उनके साथ यात्रा में शामिल लोगों को सुरक्षा देने का आग्रह किया है। इसमें असम के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक से आगे किसी भी ऐसी घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का अनुरोध किया गया है। खड़गे का पत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कई हमलों के उदाहरण दिए गए हैं जो पिछले सप्ताह असम में प्रवेश करने के बाद से हुए हैं। उन्होंने ऐसे कई उदाहरण भी गिनाए जहां असम पुलिस को जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में आनाकानी करते हुए पाया गया है।

ममता को मनाने में जुटी कांग्रेस, इंडिया गठबंधन की उनके बिना कल्पना नहीं की जा सकती : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और सीएम ममता बनर्जी की नाराजगी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पहली प्रतिक्रिया देकर कहा कि ममता के बिना गठबंधन की कल्पना नहीं की जा सकती है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ममता इंडिया गठबंधन का अहम हिस्सा हैं। रास्ते में कभी-कभी स्पीड ब्रेकर आ जाते हैं। कोई बीच का रास्ता निकाल लिया जाएगा।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, 'ममता और उनकी पार्टी भारत गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर उन्होंने कोई बयान दिया है, तब यह एक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इंडिया गठबंधन में कोई मुद्दा नहीं है। हम बीजेपी के खिलाफ इसका डटकर मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता को न्याय यात्रा का निमंत्रण भेजा गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी को पत्र भेजा था।

वहीं उद्धव गुट के नेता और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा, 'मुझे मीडिया से पता चला है, लेकिन ममता जी ने क्या कहा है, वहां मुझे एक बार देखने दीजिए। ममता जी बंगाल में बाघिन की तरह लड़ रही हैं। बंगाल में उनकी लड़ाई बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ने गिरिराज सिंह ने कहा, 'घमंडिया गठबंधन में कोई किसी की नहीं सुनता है। यहां हर किसी को प्रधानमंत्री बनना है। पीएम मोदी को हराने के लिए सभी साथ आए हैं। वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन ने कहा, 'इस दल-दल में कोई नहीं रहना चाहता है। अभी और नेता ये दल-दल छोड़कर जाने वाले हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा कि कांग्रेस ने टीएमसी का प्रस्ताव ठुकरा दिया, इसलिए उनकी पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

वीवीआईपीज से अगले 10 दिनों तक अयोध्या ना आने की अपील

-योगी सरकार ने किया समय में बदलाव, रात 11 बजे तक होंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। योगी सरकार ने रामलला के दर्शनों के समय में परिवर्तन करते हुए अब रात 11 बजे तक प्रवेश के लिए पट खुले रखने का निर्णय लिया है। वहीं योगी सरकार की ओर से कहा गया कि अति विशिष्ट मेहमान अभी 10 दिनों तक अयोध्या ना आएं। अगर आएं तो प्रशासन या श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को बता कर ही आएं। वहीं, एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि राम भक्तों को सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक दर्शन की अनुमति होगी। गौरतलब है कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम नगरी पहुंच रहे हैं। बीते दिन 23 जनवरी को करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान भारी भीड़ उमड़ने के चलते कुछ अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं। हालांकि, जल्द ही पुलिस-प्रशासन ने हालात को काबू में कर लिया। कल के हालात से सबक लेते हुए आज 24 जनवरी को यूपी सरकार ने अयोध्या आने वाले अति विशिष्ट लोगों से अपील भी की है।

सरकार तथा प्रशासन की ओर से कहा गया कि अति विशिष्ट मेहमान अभी 10 दिनों तक अयोध्या ना आएं। अगर आएं तो प्रशासन या श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को बता कर ही आएं। ताकि उन्हें बेहतर सुविधा मुहैया हो पाएं। अभी क्राउड बहुत ज्यादा है। ऐसे में अति विशिष्ट मेहमानों को 10 दिनों के लिए अयोध्या यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित करना चा?हिए। यूपी सरकार के मुताबिक, राम नगरी में असाधारण भीड़ को देखते हुए, वीआईपीज और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से आग्रह किया कि वे आगामी 7 से 10 दिनों में अयोध्या धाम की अपनी यात्रा का कार्यक्रम तय करने से पहले स्थानीय प्रशासन, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट या उत्तर प्रदेश सरकार को अवश्य सूचित करेंगे।

असम राइफल्स के जवान ने अपने ही साथियों पर कर दी फायरिंग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में असम राइफल्स के एक सैनिक ने बुधवार को अपने साथियों पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में गोली लगने से 6 सैनिक घायल हो गए। इस घटना के बाद आरोपी सैनिक ने खुद को गोली मार ली। मणिपुर पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को चुराचांदपुर के एक अस्पताल में ले जाया गया है।यह घटना दक्षिण मणिपुर में एआर बटालियन परिसर में हुई। मृतक सैनिक कुकी समुदाय से था। इस पूरी वारदात का मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष या हिंसा से संबंध नहीं है। असम राइफल्स के आईजी के हवाले से पुलिस ने बताया कि घायलों में से कोई भी मणिपुर का रहने वाला नहीं है। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फायरिंग करने वाला जवान चुराचांदपुर का रहने वाला था। वह हाल ही में छुट्टी बिताने के बाद लौटा था। उसकी तैनाती दक्षिण मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा के करीब थी। उसने बुधवार सुबह साथी जवानों पर फायरिंग की। सभी घायलों को आगे के इलाज के लिए मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।पुलिस ने कहा कि मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष के मद्देनजर किसी भी संभावित अफवाहों को दूर करने और किसी भी अटकल से बचने के लिए घटना का विवरण साझा करना महत्वपूर्ण है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को चल रहे संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। घायलों में से कोई भी मणिपुर से नहीं है।असम राइफल्स की सभी बटालियनों में सभी वर्गों के लोग होते हैं। जिसमें मणिपुर के विभिन्न समुदायों के लोग भी शामिल हैं। मणिपुर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए समाज के ध्रुवीकरण के बावजूद सभी कर्मी एक साथ रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। गोलीबारी के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

शीत लहर ने किया परेशान लखनऊ से लेकर नोएडा तक ठंड का प्रकोप

-मेरठ में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन दर्ज, तापमान 1.5 डिग्री तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इन दिनों जबरदस्त ठंड का सितम जारी है। यूपी के लखनऊ से लेकर मेरठ तक हाड़ कंपाने वाली सर्दी सितम ढा रही है। यहां पिछले 24 घंटों में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। यहां का न्यूनतम तापमान गिरकर 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मंगलवार 23 जनवरी देर रात पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की फुहार भी देखने को मिली। लखनऊ से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक सर्दी से बुरा हाल है। मंगलवार 23 जनवरी देर रात पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में

हल्की बारिश की फुहार भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में गंभीर शीत दिवस और पाला पड़ने का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के कुछ स्थानों के साथ पूर्वी यूपी के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की आशंका जताई है। इस दौरान आईएमडी ने प्रदेश के कई जिलों और स्थानों पर शीत दिवस होने का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश के जिन जिलों में सर्वाधिक ठंड और कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया गया है उनमें नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, हाथरस, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, एटा, कन्नौज, औरैया, हरदोई, फर्रुखाबाद, सीतापुर, कांशीराम नगर और अलीगढ़ में घने कोहरे, शीतलहर और कोल्ड डे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पूर्वी यूपी के प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशांबी, वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, देवरिया, बलिया, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, अंबेडकर नगर, सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, कुशीनगर शामिल है। इसके साथ ही जिन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किय उनमें यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, रामपुर, मुरादाबाद, बदायूँ, पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, बहराइच, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, कानपुर, जालौन, झांसी, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, अयोध्या, सुल्तानपुर, बस्ती और अमेठी शामिल है।

बीपी, खांसी, डायबिटीज, बुखार सहित 70 दवाओं के सैंपल फेल

-सीडीएससीओ ने देशभर में बनीं इन दवाओं की जारी की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने देश में बनीं 70 ऐसी दवाओं की जिस्ट जारी की है जो अमानक स्तर की पाई गई हैं। दवाओं की जांच में हिमाचल प्रदेश में 25 दवा उद्योगों में निर्मित 40 दवा और इंजेक्शन सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं। जो दवाएं गुणवत्ता के पैमाने पर खरा नहीं उतर पाई हैं। उनमें अस्थमा, बुखार, डायबिटीज, हाई बीपी, एलर्जी, मिर्गी, खांसी, एंटीबायोटिक, ब्रोंकाइटिस और गैस्ट्रिक के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाएं और इंजेक्शन शामिल हैं। इसके अलावा, कैल्शियम सप्लीमेंट सहित मल्टी विटामिन भी जांच में फेल हो गए है। जानकरी के अनुसार दरअसल, सीडीएससीओ ने दिसंबर महीने में ड्रग अलर्ट जारी किया था। इसमें यह खुलासा हुआ है, सब-स्टैंडर्ड पाई गई दवाओं का निर्माण बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, सोलन, कालाअंब, पावंटा साहिब, संसारपुर टैरेस स्थित दवा उद्योगों में हुआ है। इसके अतिरिक्त उतराखंड, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मुंबई, तेलंगाना, दिल्ली स्थित दवा उद्योगों में निर्मित 38 तरह की दवाओं के सैंपल भी जांच में फेल हो गए है।

बड़ी बता यह है कि बद्दी स्थित एलायंस बायोटेक द्वारा निर्मित रक्त के थक्के के उपचार के हेपरिन सोडियम इंजेक्शन के विभिन्न बैचों के आठ सैंपल फेल हुए है। झाड़माजरी स्थित कान्हा बायोजेनेटिक में निर्मित विटामिन डी 3 टैबलेट के पांच सैंपल फेल हैं। इसके साथ ही ड्रग अलर्ट में शामिल 25 दवा कंपनियां जांच के दायरे में हैं, जिनमें से कई कंपनियों में निर्मित दवाओं के सैंपल बार-बार फेल हो रहे हैं। यहां गौरतलब है कि प्रदेश में दवाओं के लगातार सैंपल फेल होने का क्रम जारी है। सीडीएससीओ द्वारा जारी दवाओं की लिस्ट में से 50 प्रतिशत से अधिक का निर्माण हिमाचल की दवा कंपनियों में हुआ है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने दिसंबर माह में देश के अलग अलग राज्यों से 1008 दवाओं के सैंपल एकत्रित किए थे, जिनमें से जांच के दौरान 78 दवाएं सब-स्टेंडर्ड पाई गई है, जबकि 930 दवाएं गुणवता के पैमाने पर खरी उतरी है।

बता दें कि दिसंबर के ड्रग अलर्ट में इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं मोंटेलुकास्ट सोडियम और लेवोसेटिरिजनि डाइहाइड्रोक्लोराइड टैबलेट, टेल्मिसर्टन टैबलेट, प्रीगाबलिन टैबलेट, साइप्रोहेप्टाडाइन

एचसीएल और ट्राइकोलिन साइट्रेट सिरप, सोडियम वैलपोरेट टैबलेट, ए पीसिलीन कैप्सूल, एमोक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट कैप्सूल, एस्कॉर्बिक एसिड प्लस जिंक कैप्सूल, ट्रिप्सिन, ब्रोमेलैन और रूटोसाइड ट्राइहाइड्रेट टैबलेट, ए ब्रोक्सोल। हाइड्रोक्लोराइड, टरबुटालाइन सल्फेट, गुइफेनसिन और मेन्थॉल सिरप शामिल है। ड्रग अलर्ट में शामिल सभी संबंधित दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित बैच का पूरा स्टाक वापस मंगवाने के निर्देश दिए है।

मजदूरों को ले जा रहा विमान हुआ हादसे का शिकार,6 की मौत

कनाडा। मजदूरों को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद कनाडा के सुदूर उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 50 मिनट पर हुआ। नॉर्थवेस्टर्न एयर ने बताया कि एक खदान में श्रमिकों को ले जाने वाली यह चार्टर उड़ान थी। इस बीच अधिकारियों द्वारा अपनी जांच शुरू करने के कारण फोर्ट स्मिथ से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानें बुधवार तक के लिए रोक दी गई हैं। कनाडा के परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने दुर्घटना की जांच के लिए एक टीम तैनात की है। विमान में कितने लोग सवार थे इसकी जानकारी हासिल नहीं हो पाई है।रियो टिंटो के मुख्य कार्यकारी जैकब स्टॉशोल्म ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना से कंपनी को काफी दुख पहुंचा है।स्टॉशोल्म ने कहा, हम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और यह पता लगाने में हर संभव मदद करेंगे कि वास्तव में क्या हुआ है। आर.जे. नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के प्रीमियर सिम्पसन ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सिम्पसन ने कहा, भारी मन से मैं उन लोगों के परिवारों, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के मुख्य कोरोनर गर्थ एगेनबर्गर ने पुष्टि की कि मौतें हुई हैं, लेकिन कहा कि अधिकारी तब तक कोई और जानकारी नहीं देंगे जब तक कि परिजनों को सूचित नहीं किया जाता।

पाकिस्तान में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.3 रही तीव्रता, अभी तक किसी नुकसान की सूचना नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बुधवार को भूकंप आया और शाम करीब 4:04 बजे पूरे देश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मध्यम तीव्रता के भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने एक्स पोस्ट में कहा कि भूकंप की तीव्रता: 4.3, 24-01-2024, 16:16:41 IST, अक्षांश: 36.39 और लंबाई: 71.78, गहराई: 10 किमी, स्थान: पाकिस्तान पर आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) देश भर में भूकंप गतिविधियों की निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी है। एनसीएस 155 स्टेशनों के राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क का रखरखाव करता है, जिनमें से प्रत्येक में अत्याधुनिक उपकरण हैं और यह पूरे देश में फैला हुआ है। यह अपने 24×7 माध्यम से पूरे देश में भूकंप गतिविधि पर नज़र रखता है।

चीन के जियांग्शी प्रांत में लगी भीषण आग, 25 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के जियांग्शी प्रांत में आग लगने की खबर सामने आई है। स्थानीय सरकार ने बुधवार को कहा कि चीन के दक्षिणपूर्वी जियांग्शी प्रांत में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। जियांग्शी प्रांत के युशुई जिले के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को 15:24 बजे एक शॉपिंग क्षेत्र के बेसमेंट में आग लग गई। उन्होंने कहा कि 120 बचाव, अग्निशामक, पुलिस और स्थानीय सरकारी अधिकारियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। स्थानीय सरकार ने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। जियांग्शी प्रांत के युशुई जिले के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को 15:24 बजे एक शॉपिंग क्षेत्र के बेसमेंट में आग लग गई। उन्होंने कहा कि 120 बचाव, अग्निशामक, पुलिस और स्थानीय सरकारी अधिकारियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। स्थानीय सरकार ने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और आग लगने के कारण की जांच की जा रही है।

पढ़ाई का सपना दिखाकर अमेरिका ले गया,फिर मजदूरी करवाई,भूखा भी रखा

वॉशिंगटन। वर्जीनिया में एक संघीय जूरी ने हरमनप्रीत और कुलबीर को जबरन मजदूरी कराने, शोषण करने, मारपीट करने का दोषी ठहराया है। दोनों को आने वाली 8 मई को सजा सुनाई जाएगी।वकील के मुताबिक दोषियों को अधिकतम 20 साल की जेल, 250,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना और जबरन श्रम के आरोप के लिए अनिवार्य क्षतिपूर्ति का सामना करना पड़ता है। अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा कि सिंह दंपत्ति ने पीड़ित के विश्वास और स्कूल जाने की उसकी इच्छा का शोषण किया, और फिर उसके खिलाफ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया, यह सब इसलिए किया ताकि वो उसे अपने लिए काम पर रख सकें।दरअसल 30 वर्षीय हरमनप्रीत सिंह और 43 वर्षीय कुलबीर कौर अमेरिका के वर्जीनिया में रहते हैं। वो भारत से अपने चचेरे भाई जो उस समय नाबालिग उसे 2018 में ये कहकर अमेरिका लाए थे कि उसे पढ़ाएंगे और उसका भविष्य बनाएंगे, लेकिन अमेरिका आते ही उससे घर का काम करवाया उसके खाने की लिमिट तय कर दी भूख लगने पर उसे खाना नहीं दिया जाता था। कई दिनों तक उसे एक स्टोर में रखा गया। कैमरे से उस पर निगरानी रखी जाने लगी। यही नहीं हरमनप्रीत और कुलबीर ने पीड़ित के दस्तावेज भी अपने पास रख लिए। उसके वापस जाने की बात करने पर दंपति से उसके साथ मारपीट भी की और उसे धमकी भी दी। उसका वीजा भी छीन लिया। जब पीड़ित ने वीजा मांगा तो उसे बुरी तरह से पीटा गया। काम से उसे एक दिन की भी छुट्टी नहीं मिलती थी। जिससे पीड़ित काफी परेशान हो गया।

यूक्रेन के 65 कैदियों को ले जा रहा रूसी प्लेन क्रैश, 25 की मौत

मास्को। यूक्रेन के 65 कैदियों को लेकर जा रहा रूस का प्लेन अदलाबली से पहले ही क्रैश हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि यूक्रेन के इन युद्धबंदियों को कैदियों की अदला-बदली समझौते के तहत यूक्रेन ले जाया जा रहा था। दुर्घटना के समय प्लेन में युद्धबंदियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार रूस का प्लेन इल्यूशिन 2-76 मिलिट्री प्लेन यूक्रेन की सीमा से सटे इलाके बेलगोरोद में क्रैश हुआ है। इस प्लेन से यूक्रेन के 65 युद्धबंदियों को ले जाया जा रहा था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दुर्घटना के समय प्लेन में युद्धबंदियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे। बताया जा रहा है कि रूस के इल्यूशिन 2-76 मिलिट्री प्लेन को सैनिकों, सामान, सैन्य उपकरण और हथियारों को लाने ले जाने के लिए डिजाइन किया गया। इस विमान की क्षमता 90 यात्रियों तक को ले जाने की है। दुर्घटना के संबंध में रूस के स्थानीय गवर्नर वयाचेस्लाव ग्लाडकोव ने कहा कि कोरोचांस्की जिले में घटना हुई है और वह घटनास्थल पर जाकर इसका निरीक्षण करेंगे। हालांकि जांचकर्ता और आपातकर्मी पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं। यहां गौरतलब है कि यूक्रेन की सीमा से सटे बेलगोरोड क्षेत्र पर हाल के महीनों में यूक्रेन से कई हमले हुए हैं।बीते साल दिसंबर में भी यहां एक मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य जख्मी हो गए थे।

कतर ने कहा- शांति वार्ता के लिए इजराइल और हमास से मिल रहे जवाब

अबू धाबी।इजरायल और हमास युद्ध में मुख्य वार्ताकार कतर ने कहा है कि उसे इजरायल और हमास दोनों से जवाब मिल रहे हैं, क्योंकि वह युद्ध को खत्म करने के लिए एक नया समाधान खोजने के लिए उनके साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। इसमें दो-राज्य फॉर्मूला शामिल है। युद्ध में अब तक 100 दिनों में 20,000 से ज्यादा फ़िलिस्तीनी और 2,000 इज़रायली सैनिक मारे गए हैं। कतर ने कहा कि वह इजरायल और हमास के साथ गंभीर चर्चा में लगा हुआ है और दोनों पक्षों से उसे लगातार जवाब मिल रहे हैं। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, लेकिन इजरायली अधिकारियों द्वारा दिए गए बयान कठिन मध्यस्थता प्रक्रिया की ओर ले जाते हैं। अल-अंसारी ने बताया कि जाहिर है, जब एक पक्ष कहता है कि वे दो राज्यों के समाधान को स्वीकार नहीं करते हैं और वे अंततः इस युद्ध को नहीं रोकेंगे तो यह एक कठिन मध्यस्थता प्रक्रिया की ओर ले जाता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा के भविष्य के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत के बाद फिलिस्तीनी संप्रभुता के लिए अमेरिका सहित वैश्विक कॉल को खारिज कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि इजरायल की सुरक्षा जरूरतें फिलिस्तीनी राज्य के साथ असंगत होंगी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि संचार व्यवस्था टूटने और गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति के कारण बातचीत के नतीजे प्रभावित हो रहे हैं। अल-अंसारी ने कहा, लेकिन कतर के दोनों पक्षों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के साथ मध्यस्थता जोरों पर है।

फ्रांस में कीमतें बढ़ने के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान किसानों ने ट्रेक्टर अड़ाकर हाइवे को जाम कर दिया।

ईरान-पाकिस्तान की लड़ाई में चीन ने पाक को दिया मदद का भरोसा

बीजिंग।ईरान और पाकिस्तान के बीच हालिया एयर स्ट्राइक के बाद अब चीन भी लड़ाई में कूद गया है। चीन ने पाकिस्तान को खुला समर्थन देते हुए मदद का भरोसा दिलाया है। हालांकि इससे तनाव बढ़ गया हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिसको लेकर दोनों ने ही आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया था। अब चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन करते हुए कहा है कि वो पाकिस्तान को संप्रभुता और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी बनाए रखने में मदद करेगा। बताया तो यह भी जा रहा है कि ईरान और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी को कम करने के लिए दोनों का दोस्त चीन सामने आया है। चीन ने कहा है कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने में जहां तक बनेगा मदद करेंगे। चीन ने पाकिस्तान से कहा है कि वो उसकी संप्रभुता और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी को बनाए रखने में मदद करेगा। साथ ही उसने एक-दूसरे पर एयर स्ट्राइक के बाद से दोनों देशों की सुलह की पहल का भी स्वागत किया है। बताया जा रहा है कि चीन ने तनाव के बाद राजनयिक संबंधों को ठीक करने की दिशा में कदम उठाए हैं। चीन के विदेश मंत्री सुन वेइदॉन्ग ने मध्यस्थता मिशन पर पाकिस्तान का दौरा किया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह मतभेदों को पाटने के लिए पाकिस्तान और ईरान के साथ बातचीत की तैयारी में है। गौरतलब है कि शी जिनपिंग हाल के महीनों में इजराइल-गाजा से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक में शांति की बात कर चुके हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि जिनपिंग पाकिस्तान-ईरान में भी शांति दूत बनना चाहते हैं। चीन ने 18 जनवरी को एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल हमलों के बाद दोनों के बीच तनाव कम करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की। दोनों देशों से संयम और शांति बरतने और तनाव बढ़ाने से बचने की भी अपील की।

यूएन चीफ ने इजराइल को चेताया, कहा-शांति के लिए खतरा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध पर अपनी अब तक की सबसे सख्त लहजे में, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक मंत्रिस्तरीय बैठक में कहा कि फिलिस्तीनी लोगों के अपने पूर्ण स्वतंत्र राज्य के निर्माण के अधिकार को सबको मान्यता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'इतनी बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों के अंदर स्वतंत्रता, अधिकारों और सम्मान की वास्तविक भावना के बिना एक-राज्य समाधान का विकल्प अकल्पनीय होगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मंगलवार को इजराइल को चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का टू-स्टेट समाधान को अस्वीकार करने से संघर्ष अनिश्चित काल तक खिंच जाएगा, जिससे वैश्विक शांति को खतरा है और हर जगह चरमपंथियों का हौसला बढ़ रहा है।

गुटेरेस ने लेबनान, यमन, सीरिया, इराक और पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए यह भी चेतावनी दी कि संघर्ष के क्षेत्रीय बढ़ने के जोखिम अब एक वास्तविकता बन रहे हैं। उन्होंने सभी पक्षों से कगार से पीछे हटने और व्यापक युद्ध की भयावह लागतों पर विचार करने का आग्रह किया। युद्ध के बाद के किसी भी परिदृश्य में नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनी राज्य को अस्वीकार करने से इजराइल के सबसे करीबी सहयोगी, अमेरिका के साथ एक व्यापक दरार पैदा हो गई, जिसका कहना है कि युद्ध के बाद दो-राज्य समाधान के लिए बातचीत होनी चाहिए। जहां इजराइल और फिलिस्तीनी साथ-साथ रह सकें। इसका दुनिया भर के देशों ने समर्थन किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने मानवीय संघर्ष विराम के अपने लंबे समय के आह्वान को भी दोहराया, जिसका लगभग सभी देशों ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमास, जिसने 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर क्रूर हमला किया था, फिर से हमला करने और इजराइल को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। लड़ाई को रोकने से केवल उग्रवादियों को फिर से संगठित और हथियारबंद होने की ताकत मिलेगी। उन्होंने सुरक्षा परिषद से संघर्ष की जड़ को खत्म करने का आग्रह किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह ईरान है।

मालदीव में चीन के जासूसी जहाज के प्रवेश को मिली मंजूरी

माल (एजेंसी)। मालदीव सरकार ने चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 के प्रवेश को मंजूरी दे दी है। यह जहाज मालदीव के समुद्री सीमा क्षेत्र में आ सकता है। इस गतिविधि को भारत के खिलाफ देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मालदीव सरकार ने चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग 03 को समुद्री सीमा क्षेत्र में आने की अनुमति दी है। मालदीव की ओर से कहा गया कि जहाज मालदीव के जल क्षेत्र में कोई अनुसंधान नहीं करेगा। हालांकि जहाज के रोटेशन के लिए चीन सरकार की ओर से मंजूरी मांगी गई थी। वहीं मालदीव सरकार के बयान के मुताबिक मालदीव हमेशा मित्र देशों के जहाजों के लिए एक स्वागतयोग्य जगह रहा है और शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बंदरगाह पर जाने वाले नागरिक और सैन्य दोनों जहाजों की मेजबानी करता रहा है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस तरह का फैसला मालदीव और साझेदार देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाता है और मित्र देशों के जहाजों का स्वागत करने की सदियों पुरानी परंपरा को भी दर्शाता है।

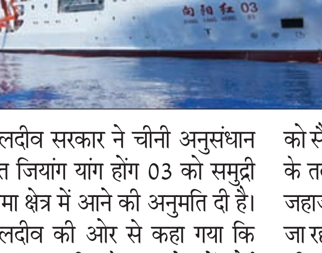

हालांकि मित्र देशों के जहाजों का स्वागत वाले बयान को भारत पर सीधे हमले के तौर पर देखा जा रहा है, जबकि माले के नई दिल्ली से हटकर बीजिंग की ओर बढ़ने के सबूत के रूप में माना जा रहा है। चीन का यह कदम हिंद महासागर क्षेत्र या आईओआर में एक संभावित महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सैन्य बदलाव है। वैसे, इस जहाज को सैन्य उद्देश्यों के लिए हिंद महासागर के तल की मैपिंग करने वाले जासूसी जहाज के रूप में देखा जाता है। बताया जा रहा है कि यह जहाज फरवरी महीने की शुरुआत में मालदीव की राजधानी माले पहुंचेगा। 4,300 टन वजनी जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर के तल की मैपिंग अनुसंधान जहाज के रूप में जाना जाता है। यह अनुसंधान अभ्यास मूल्यवान डेटा प्रदान कर सकते हैं जो पानी के नीचे भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकते हैं। मैपिंग चीन को भविष्य में पनडुब्बियों और सबमर्सिबल ड्रोन का उपयोग करने में भी सक्षम बनाती है।

गणतंत्र दिवस से पहले, फ्रांस, यूएई के साथ भारत का एयर ड्रिल

भारतीय वायु सेना ने गणतंत्र दिवस से तीन दिन पहले मंगलवार को फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) वायु सेना के सहयोग से अभ्यास डेजर्ट नाइट का आयोजन किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन 25-26 जनवरी तक भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत में आने वाले हैं। मंत्रालय ने कहा कि फ्रांसीसी की भागीदारी में राफेल लड़ाकू विमान और एक मल्टी-रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट की तैनाती शामिल थी, जबकि यूएई वायु सेना ने एफ-16 का योगदान दिया था। ये विमान यूएई में अल धफरा हवाई अड्डे से संचालित होते थे।

कनाडा दुनिया का सबसे अच्छा देश... अब तक की सबसे कम अप्रूवल रेटिंग के बीच बोले जस्टिन ट्रूडो

लंदन (एजेंसी)। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताया और कहा कि उनकी सरकार हमेशा गंभीर और जिम्मेदार निर्णय ले रही है, भले ही उनकी अनुमोदन रैंकिंग अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गई हो। ट्रूडो ने अपने पोस्ट किए गए एक वीडियो बयान में कहा कि हम जानते हैं कि हम दुनिया में चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहे हैं। हमारे पास एक ऐसी सरकार है जो लगातार अपनी आस्तीन चढ़ाकर गंभीर, जिम्मेदार और स्थिर निर्णय ले रही है। हम कनाडाई लोगों का समर्थन करने और उनके लिए एक मजबूत और समृद्ध भविष्य बनाने के लिए वहां हैं। यह कहते हुए कि कनाडाई लोगों को एक योजना वाली सरकार की आवश्यकता है, ट्रूडो ने कहा कि उनके प्रशासन में ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में काम जारी रखने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा दुनिया का सबसे अच्छा देश है और यह हम सभी पर निर्भर है कि हम कड़ी मेहनत करें और इसे और भी बेहतर बनाएं। इसी पर हमारा ध्यान केंद्रित है और हम यही करना जारी रखेंगे। कनाडाई शोध और रणनीतिक विपणन फर्म लेगर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 63 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ट्रूडो सरकार से असंतुष्ट हैं, जबकि केवल 30 प्रतिशत ने कहा। सर्वेक्षण में कहा गया है कि एक-चौथाई से अधिक कनाडाई (27 प्रतिशत) का मानना है कि कंजर्वेटिव पार्टी के विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे सर्वश्रेष्ठ प्रधान मंत्री बनेंगे, जो उन्हें जस्टिन ट्रूडो (17 प्रतिशत) और उनकी सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी से काफी आगे रखेंगे। सर्वे के मुताबिक, 51 फीसदी लोग चाहते हैं कि नए नेता के लिए रास्ता बनाने के लिए ट्रूडो अगले चुनाव से पहले इस्तीफा दे दें। कनाडा के 72 प्रतिशत मतदाताओं का मानना है कि वे पिछले नौ वर्षों से जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में एक नया प्रधान मंत्री देखना चाहते हैं।

भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए यूएनजीए के अध्यक्ष बोले, परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने बुधवार को सुरक्षा परिषद की संरचना की आलोचना करते हुए कहा कि इस निकाय में वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं किया गया है। उन्होंने उन दावों पर भी गौर किया जिसमें कहा गया है कि परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता है। भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए डेनिस फ्रांसिस से सुरक्षा परिषद में भारत और अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधित्व के बारे में पूछा गया था।

उन्होंने कहा कि 1945 के बाद के युग से दुनिया मौलिक रूप से बदल गई है। आज की भू-राजनीतिक वास्तविकताएँ परिषद में प्रतिबिंबित नहीं होती हैं। और ऐसे लोग भी हैं जो दावा करते हैं कि परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता है। मामले का तथ्य यह है कि परिषद, हाल के वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता और समर्थन करने के लिए आवश्यक निर्णय लेने में उत्तरोत्तर असमर्थ रही है। भू-राजनीति, भू-राजनीति की वैश्विक गतिशीलता को परिषद में आयात किया जाता है और इसके परिणामस्वरूप हमेशा एक या दूसरे पक्ष द्वारा वीटो का उपयोग होता है।

जी20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता और इसमें शामिल करने में भारत की भूमिका के बारे में बोलते हुए फ्रांसिस ने कहा कि किसी के मन में कोई संदेह नहीं है कि भारत की अफ्रीका तक पहुंच, विशेष रूप से जी20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता की सुविधा प्रदान करने के संबंध में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। लेकिन इससे भी अधिक, यह तीसरी दुनिया, वैश्विक दक्षिण में विकास में सहायता और सुविधा प्रदान करने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

58 प्रतिशत पाकिस्तानी महिलाएं तलाक की ख्वाहिशमंद, बंदिशें पसंद नहीं

कराची (एजेंसी)। एक सर्वे के मुताकिब 58 प्रतिशत पाकिस्तानी महिलाएं तलाक की ख्वाहिशमंद हैं। वह अपने पर लगी बंदिशों से परेशान होकर तलाक लेना चाहती हैं। हालांकि यहां पर महिलाओं को तलाक के लिए आवेदन का अधिकार नहीं है, इसलिए पति की सहमति से शरिया के मुताबिक शादी को समाप्त कर सकती हैं। शायद यही वजह रही कि पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा से तलाक लेकर दूसरी शादी रचा ली। इसे लेकर भारत से पाकिस्तान तक खूब चर्चा हुई। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि सानिया मिर्जा ही नहीं, पाकिस्तान में रहने वाली बहुत सारी महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेना चाहती हैं। ये हम नहीं, 2019 में हुए एक सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ था। तब 58 प्रतिशत पाकिस्तानियों ने माना था कि बड़ी संख्या में महिलाएं तलाक ले रही हैं और यह संख्या हर साल तेजी से बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में तलाक की निगरानी करने के लिए कोई खास एजेंसी नहीं है। यहां शरिया या इस्लामी कानूनों के द्वारा ही तलाक लिया जा सकता है। एक महिला तलाक के लिए आवेदन नहीं कर सकती। लेकिन पति की सहमति से शादी को समाप्त कर सकती है, जिसे खुला कहा जाता है। सानिया मिर्जा ने भी यही किया है।

इस मामले में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसे में पुरुषों के पास ज्यादा अधिकार होते हैं। लेकिन जैसे-जैसे महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वे खुद फैसले लेना चाहती हैं। रोक टोक उन्हें पसंद नहीं। जब उन्हें रोका जाता है, नए रास्ते तलाशती हैं। यही वजह है कि पहले के मुकाबले अधिक पाकिस्तानी महिलाएं अपनी शादियां खत्म करने विकल्प चुन रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह सर्वे गैलप और गिलानी रिसर्च फाउंडेशन ने 2019 में किया था। तब 58 फीसदी पाकिस्तानियों का मानना था कि पाकिस्तान में तलाक की दर में वृद्धि हुई है। 5 में से 2 लोगों ने कहा कि ज्यादातर मामलों में ससुराल वाले जिम्मेदार होते हैं। सिर्फ 11 प्रतिशत ने कहा कि तलाक के मामले कम हो गए हैं। देश के 4 प्रांतों में 1,287 लोगों पर यह सर्वे किया गया था और इसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं।

इस मामले में लाहौर स्थित मानवाधिकार संरक्षण केंद्र की वकील अतिका हसन रजा ने बताया कि अधिक महिलाएं खुला की मांग कर रही हैं। वे अपने अधिकारों के बारे में जानती हैं और अब अधिक स्वतंत्र हो रही हैं। दो बच?चों की मां शाजिया (बदला हुआ नाम) ने 2 साल पहले खुला कर दिया। क्योंकि वह एक रेस्टोरेंट चलाने लगी। उसने कहा, अब मुझे पति की जरूरत नहीं। बच्चों को मैं अकेले पाल लूंगी।

शादी के बाद उसने काफी अत्याचार सहे थे। इसी तरह इस्लामाबाद की रहने वाली हानिया ने स्नातक तक पढ़ाई की। वह ज्यादा वेतन वाली नौकरी करना चाहती हैं, लेकिन परिजनों ने उनकी शादी चचेरे भाई से तय कर दी। शादी वाले दिन ही हानिया भाग निकलीं। बाद में खुला के लिए अर्जी दी और खुद को इस रिश्ते से अलग कर लिया।

आर्टिकल 370 में खुफिया अधिकारी की भूमिका में हैं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आर्टिकल 370 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में यामी एक खुफिया अधिकारी की भूमिका में हैं, जो घाटी से धारा 370 के विशेष विशेष दर्जा हटाने की कहानी पर आधारित है। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया, जिसमें यामी घाटी में पनपे आतंकवाद को खत्म करने की कोशिश कर रही हैं।

शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर रिलीज किया, जिसके बाद से ही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। टीजर में यामी एक तेज तर्रार ऑफिसर की भूमिका में नजर आ रही हैं, जो टीजर की शुरुआत में कहती है कि कश्मीर में आतंकवाद एक धंधा है, जो आजादी की मांग करने वाले लोगों के लिए भ्रष्ट राजनेताओं द्वारा चलाया जा रहा है। ये भ्रष्ट अधिकारी और राजनेता अपनी जेब गरम करने में लगे हुए हैं। इसके बाद टीजर में जम्मू-कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा वापस लेने का एलान होता है और इसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया जाता है। यह फिल्म 23 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जियो स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया। आर्टिकल 370 का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है। आदित्य ने इससे पहले 2019 की ब्लॉकबस्टर फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक का निर्देशन किया था। बदलापुर, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, बाला, ए थर्सडे और चोर निकल के भागा जैसी फिल्मों में दमदार भूमिका निभाने वाली यामी को फैंस खुफिया एजेंट की भूमिका देखने के लिए उत्सुक हैं।

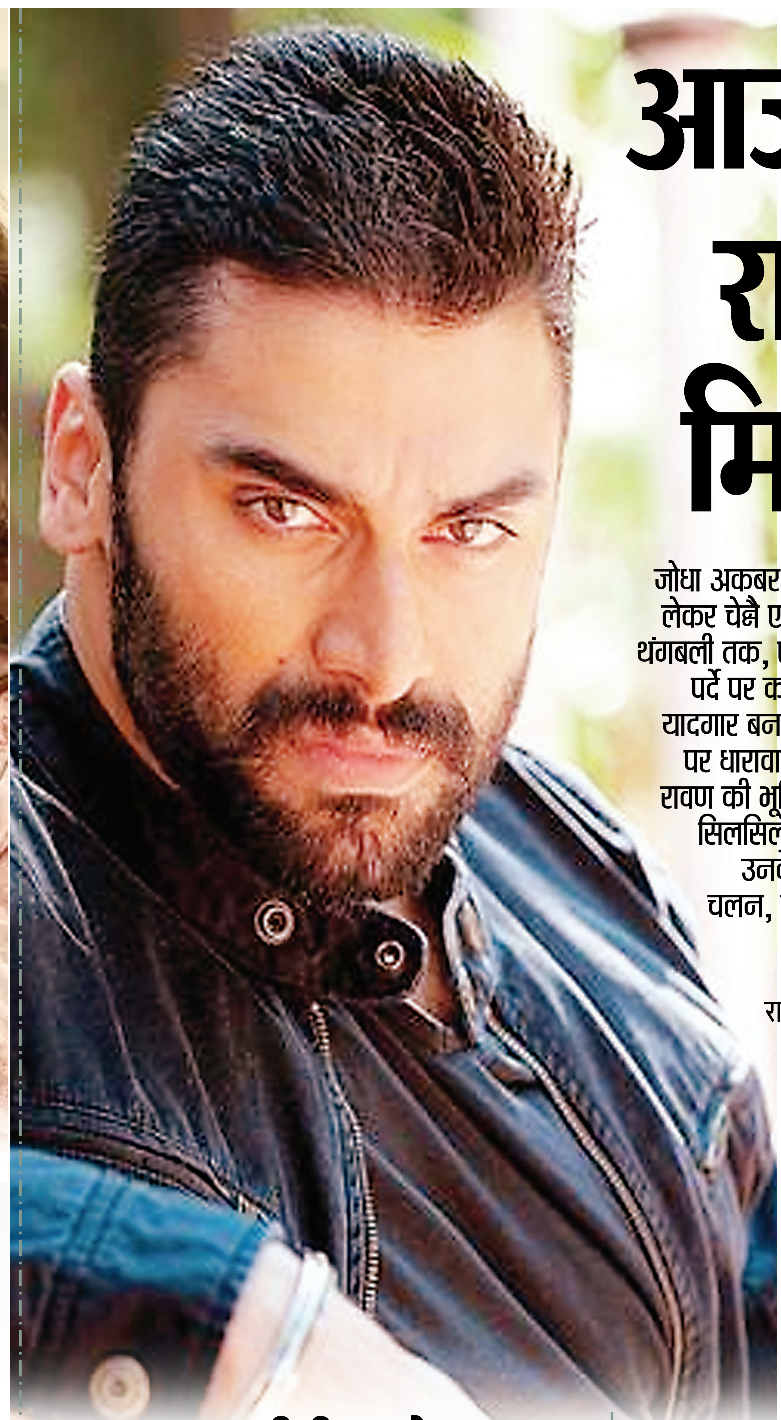

आज के समाज में रावण ही ज्यादा मिलेंगे, राम नहीं

जोधा अकबर के शरीफुद्दीन हुसैन से लेकर चेन्नै एक्सप्रेस के आइकॉनिक थंगबली तक, एक्टर निकितिन धीर ने पर्दे पर कई नेगेटिव किरदारों को यादगार बनाया है। अब वह छोटे पर्दे पर धारावाहिक श्रीमद् रामायण में रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इसी सिलसिले में हमने निकितिन से उनके करियर, एंटी हीरो के चलन, किरदारों के चयन आदि पर की खास बातचीत

रावण से पहले भी आपने कई नेगेटिव किरदार निभाए हैं। बार-बार नकारात्मक किरदार चुनने की क्या वजह है? क्या आपको लगता है कि आप ऐसे किरदारों में बंध गए हैं?

नहीं, हम ऐक्टर हैं, हमारे लिए ये सब अलग किरदार हैं। अभी तो आप देखिए, जैसी फिल्में बन रही हैं, हमारे हीरोज भी नेगेटिव रोल कर रहे हैं। हमारा समाज ही ऐसा हो गया है जहां अब आपको राम जैसा कोई दिखना बहुत मुश्किल हो गया है। यह रावण ज्यादा मिलेंगे। आप केजीएफ 2 देख लीजिए, वो रावण है। ये बात उसने खुद कही है। पुष्पा देखिए, वो नेगेटिव ही है, लेकिन लोग उसे फॉलो कर रहे हैं। एनिमल देखिए, ये हमारे समय का अक्स है, इसी को तो कलयुग कहते हैं।

सिनेमा में जो ये एंटी हीरो का चलन चल पड़ा है, इसकी आलोचना भी हो रही है। आपकी इसे लेकर क्या राय है?

ये हमेशा से रहा है। आप देखेंगी तो अमिताभ बच्चन सर का करियर ही एंटी हीरो पर आधारित था। वह और सलीम-जावेद इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एंटी हीरोज के जन्मदाता थे। एक ऐसा नायक, जो गाना नहीं गाता, डांस नहीं करता, जिसकी जिंदगी में कोई लड़की नहीं होती लेकिन बहुत सारे लोगों ने उनसे रिलेट किया। इसी तरह से हमारी जो रामायण हैं, उसमें राम भी हैं, रावण भी है। दोनों किरदार कहीं न कहीं समान हैं लेकिन एक परिस्थिति में दो लोग बहुत अलग तरह से रिएक्ट करते हैं, उसी से एक राम बन जाता है और एक रावण।

आपके पापा पंकज धीर ने महाभारत में कर्ण की यादगार भूमिका निभाई थी। अब आप रामायण में रावण बने हैं। इसके लिए उनसे कोई सलाह ली?

नहीं, मैंने हमेशा अपने करियर के फैसले खुद लिए हैं। मेरे पापा की यह खासियत रही है कि उन्होंने हमेशा मुझे ये आजादी दी है कि मैं जो चाहूं कर सकूं, जैसे चाहूं रह सकूं। उनका ये अप्रोच रहा है कि अपनी गलतियां करो, उससे सीखो, अपनी जर्नी खुद तय करो। हालांकि, जब भी मुझे जरूरत महसूस होती है तो मैं उनसे सलाह लेता हूं, वरना वो हमेशा यही कहते हैं कि तू सही ट्रैक पर है। जो तू कर रहा है, करता जा।

रोहित शेट्टी के साथ आपने चेन्नै एक्सप्रेस, सूर्यवंशी, सर्कस जैसी कई फिल्में की हैं। उनके साथ आपका रिश्ता कैसे मजबूत हुआ है?

वह मेरे बड़े भाई हैं, मेरे गुरु भी हैं। मैंने उनको गुरु की पदवी दी है। यह शो शुरू होने से पहले मैंने सिर्फ उन्हीं को एक मेसेज किया कि भाई मैं ये शो शुरू कर रहा हूं। उन्होंने बहुत आशीर्वाद दिया। मैं उनको दिल से गुरु मानता हूं। उनसे मेरा एक अलग ही रिश्ता है। जब तक मैं इस इंडस्ट्री में हूं, वो रिश्ता तो रहेगा।

सलमान खान ने इजिप्शियन अभिनेत्री एस्साद यूनिस को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा

सुपरस्टार सलमान खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा स्टार में से एक हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, इतना ही नहीं उनकी कुल 17 फिल्में 100 करोड़ के क्लब में शामिल होकर एक स्टैंडर्ड सेट किया है। वहीं, सलमान खान की टाइगर 3 ने दुनिया भर में 2023 में 500 करोड़ का बिजनेस किया और सबसे बड़ी हिट फिल्म बनकर सामने आई। हाल ही में खबर आई है कि सलमान खान रियाद, सऊदी अरब में होने वाले जाय अवॉर्ड्स में शामिल होने वाले हैं। दरअसल, सलमान खान को खुद तुर्की अल अल शेख ने खास मेहमान के तौर पर बुलाया है। बता दें कि यह पहली बार नहीं बल्कि दूसरा मौका है जब सलमान खान शिरकत करेंगे। साल 2022 में उन्हें पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से नवाजा गया था। इस खास मौके पर सुपरस्टार ने इजिप्शियन एक्ट्रेस एस्साद यूनिस को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा। बता दें कि एक्ट्रेस प्रोड्यूसर, राइटर होने के साथ ही एक टीवी पर्सनैलिटी भी हैं।

अदृश्यम सीरीज में नजर आएंगी दिव्यांका त्रिपाठी

दिव्यांका त्रिपाठी अप्लॉज एंटरटेनमेंट की सीरीज अदृश्यम में नजर आएंगी। इस सीरीज के निर्माताओं ने हाल ही में प्रोमो वीडियो जारी किया है, जिसमे दिव्यांका त्रिपाठी एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी छोटे पर्दे का जाना माना नाम हैं। अभिनेत्री ने च्ये है मोहब्बतेंंं में इशिता भल्ला के किरदार से

दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। च्कोल्ड लस्सी और चिकन मसालाच के बाद दिव्यांका त्रिपाठी अप्लॉज एंटरटेनमेंट की सीरीज च्अदृश्यमच में नजर आएंगी। इस सीरीज के निर्माताओं ने हाल ही में प्रोमो वीडियो जारी किया है, जिसमे दिव्यांका त्रिपाठी एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं।   प्रोमो वीडियो की शुरुआत एक मॉल से शुरू होती है, जिसमें दिव्यांका अपनी बेटी के साथ शॉपिंग करती नजर आ रही हैं। वीडियो में बाल कलाकार जारा को देखा जा सकता है। प्रोमो में दिव्यांका एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। निर्माताओं ने सोनी लिव के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से प्रोमो वीडियो फैंस के साथ साझा किया है। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, च्हमेशा हमारे आस-पास, लेकिन कभी देखा नहीं, हमारे राष्ट्र के इन गुमनाम रक्षकों से मिलने के लिए तैयार हो जाइए अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोच के साथ। जल्द ही सोनी लाइव पर स्ट्रीमिंग होगी।

दीपिका पादुकोण के हाथ लगा हॉलीवुड प्रोजेक्ट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि उनके हाथ एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट लगा है। वो भी एक वेब सीरीज।

अगर रिपोर्ट्स सही हैं तो एक्ट्रेस को जल्द ही फेमस टीवी सीरीज द व्हाइट हाउस के तीसरे सीजन में देखा जा सकता है। इसमें वो जेनिफर कूलिज, थियो जेम्स और ऑब्रे प्लाजा जैसे जाने-माने स्टार्स संग स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आ सकती हैं। दरअसल, दीपिका पादुकोण की सास अंजू भवनानी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लाइक किया था, जिसके बाद इस तरह के कयास लगने शुरू हुए कि वो द व्हाइट लोटस 3 में हिस्सा लेंगी। द व्हाइट लोटस एक एमी-विनिंग सीरीज है। इसके पिछले सीजन में थियो जेम्स, जेनिफर कूलिज और ऑब्रे प्लाजा जैसे सितारे शामिल थे।

थ्रिलर ड्रामा ग्यारह ग्यारह और फॉर योर आइज ओनली में नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी आगामी थ्रिलर ड्रामा ग्यारह ग्यारह और फॉर योर आइज ओनली को लेकर पूरी तरह? से तैयार हैं। इसको लेकर उन?होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा अनुभव है।पिछले साल अभिनेत्री ने बंबई मेरी जान में एक महिला गैंगस्टर की भूमिका निभाकर अपने प्रशंसकों को खुश कर दिया था। अब, वह एक बार फिर सीमाएं लांघने के लिए तैयार हैं।कृतिका ने कहा, मुझे उन परियोजनाओं को चुनने में अत्यधिक संतुष्टि मिलती है जो उम्मीद से अलग होती हैं, ऐसे प्रोजेक्ट जो मुझे लोगों की अपेक्षाओं के दायरे से कहीं आगे ले जाते हैं। इस वर्ष मैं जिन परियोजनाओं पर काम कर रही हूं, विशेष रूप से थ्रिलर, वे मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं जिन थ्रिलर्स का हिस्सा बनने जा रही हूं, वे केवल स्क्रिप्ट नहीं हैं। वे गहन अनुभव हैं जो मुझे चरित्र, भावना और रहस्य की बारीकियों का पता लगाने की चुनौती देते हैं।अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके करियर का यह आगामी अध्याय केवल प्रदर्शन देने के बारे में नहीं है।उन्होंने कहा, यह कहानी कहने की परिवर्तनकारी शक्ति में खुद को डुबोने के बारे में है। यह सीमाओं को आगे बढ़ाने, अपेक्षाओं को धता बताने और मेरी कला के उन आयामों को उजागर करने के बारे में है जिन्हें शायद मैं भी अभी तक पूरी तरह से उजागर नहीं कर पाई हूं। सिख्या एंटरटेनमेंट और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा ग्यारह ग्यारह और इसके साथ ही फॉर योर आइज़ ओनली समीक्षकों द्वारा प्रशंसित स्कैम 92 के निर्माताओं की ओर से है।

पहली बार आर.माधवन के साथ नजर आएंगे अजय देवगन

अजय देवगन की फिल्म शैतान का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए एक बड़ी अपडेट सामने आई है। फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा हो गया है। अजय देवगन ये फिल्म मार्च में लेकर आ रहे हैं। अभिनेता अजय देवगन की आगामी फिल्म शैतान की रिलीज डेट का खुलासा हो गया है। अजय ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्ट साझा किया है। इसी के साथ रिलीज डेट भी बताई है। ये फिल्म आठ मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन के अलावा फिल्म में आर. माधवन और ज्योतिका भी अहम भूमिका में हैं।

विकास बहल करेंगे निर्देशन

यह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म बताई जा रही है। फिल्म शैतान को दरअसल वश नाम की गुजराती फिल्म का हिंदी रीमेक बताया जा रहा है। अजय देवगन और माधवन की यह फिल्म शैतान नाम से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी विकास बहल ने संभाली है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्ट साझा किया है। इसके साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। उन्होंने लिखा है, आपकी लिए शैतान आ रही है। आठ मार्च 2024 को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन और आर. माधवन पहली बार साथ में स्क्रीन साझा करते दिखेंगे। अभिनेता अजय देवगन बीते वर्ष फिल्म भोला में नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेअसर साबित हुई। फिलहाल इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है। शैतान के अलावा अजय सिंघम अगेन, रेड 2 और मैदान जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। अजय देवगन की शैतान का फर्स्ट लुक पोस्टर देख यूजर्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब अजय देवगन डराएंगे। एक अन्य यूजर ने पूछा, ये डरावनी फिल्म है?